Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, ज्येष्ठा, विक्रम संवत् 2081

• औरंगाबाद • शनिवार • 25 जनवरी 2025 • वर्ष 28 • अंक 48 • पृष्ठ 12

रणजी ट्रॉफी : रोहित वापसी के दूसरे प्रयास में भी फेल, दूसरी पारी में भी वह...

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में महाकुम्भ-2025 प्रयागराज में भव्य उत्तराखण्ड पवेलियन...

ईवीएम की जांच का मामला फिर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

- चीफ जस्टिस की पीठ सुनवाई को भी हो गई है तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के सत्यापन के लिए नीति बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करेगी। हरियाणा के पूर्व मंत्री और 5 बार विधायक रह चुके करण सिंह दलाल की ओर से यह याचिका की गई है। मामला जब शुक्रवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया तो उसने कहा कि इस मामले को अन्य

याचिकाओं के साथ चीफ जस्टि के समक्ष रखा जाएगा। बेंच ने कहा, 'यह मामला प्रधान न्यायाधीश की पीठ के समक्ष जा सकता है।' दलाल ने ईवीएम के सत्यापन के लिए नीति बनाने की अपील करते हुए एससी का रुख किया है। उन्होंने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत संघ मामले में शीर्ष अदालत की ओर से दिए गए पहले के फैसले का पालन करने का अनुरोध किया है। दलाल और सह-याचिकाकर्ता लखन कुमार सिंगला अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में दूसरे स्थान पर रहे।

भारत ने की चीन की घेराबंदी, पाकिस्तान को भी झटका

इंडोनेशिया से रिश्तों को करेगा प्रगाढ़, बेचेगा ब्रह्मोस मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान के साथ-साथ चीन को भी झटका दिया है। इंडोनेशिया से रिश्तों को प्रगाढ़ बनाकर दोनों ही देशों को कूटनीतिक संदेश दिया है। भारत इंडोनेशिया से रक्षा संबंधों को मजबूत बनाकर जहां हिन्द प्रशांत क्षेत्र में चीन की घेराबंदी कर रहा है, वहीं दुनिया के

सबसे बड़े मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया से भारत की दोस्ती पाकिस्तान के लिए झटका है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत हिन्द महासागर में चीन की चुनौती से निपटने के लिए आसियान देशों से रिश्ते मजबूत कर रहा है। भारत की एक्ट ईस्ट नीति भी इसी दिशा में है। इंडोनेशिया इस नीति का महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारत की नीति है कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र में बसे देशों के साथ रक्षा व व्यापारिक संबंध मजबूत किए जाएं ताकि चीन का दखल कम हो।

लॉरेंस बिश्नोई से लेकर बंबीहा गैंग तक की बढ़ीं मुश्किलें

ट्रंप के आते ही पंजाब के गैंगस्टरों की सूची होने लगी है तैयार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर शिकंजा कसना शुरू हो चुका है। ट्रंप प्रशासन उन लोगों को अमेरिका से बाहर करने की तैयारी में है जो अपने देश में अपराध के लिए वांटेड हैं। इसी को देखते हुए पंजाब पुलिस ने उन गैंगस्टरों की सूची तैयार करनी शुरू कर दी है, जो अमेरिका या अन्य देशों में रहकर अपराध कर रहे हैं। एक

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आमतौर पर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी होती है, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कार्यकारी फैसलों के चलते वांटेड अपराधियों को जल्दी भारत लाए जाने की संभावना बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक पुलिस अधिकारी ने कहा,हमें इस संभावना के लिए पूरी तरह से तैयार रहना होगा और इन व्यक्तियों के आपराधिक इतिहास को साबित करने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। ये गैंगस्टर या तो अवैध रूप से अमेरिका पहुंचे हैं या फिर जाली पासपोर्ट और फर्जी पहचान के जरिए वहां गए हैं। ये सभी वहां अवैध रूप से रह रहे हैं।

महाकुंभ में अब साधु-संत भी करेंगे 'मन की बात'

धार्मिक और सामाजिक संकल्पों पर रखेंगे अपने मन के विचार

प्रयागराज (एजेंसी)। रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चर्चित कार्यक्रम 'मन की बात' की तर्ज पर प्रयागराज महाकुंभ में 'साधु कहें मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साधु-संत सनातन धर्म के प्रमुख विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। कार्यक्रम के प्रवक्ता श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रकाशानंद ने बताया कि महाकुंभ के सेक्टर-20 में हरि धाम सनातन सेवा ट्रस्ट में 25 जनवरी को दोपहर दो बजे इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

स्वामी प्रकाशानंद के मुताबिक, इस आयोजन में संन्यासी, बैरागी और उदासीन सभी अखाड़ों के प्रमुख संतों के अलावा सभी हिंदू संप्रदायों के साधु-संत

हिस्सा लेंगे, जिनमें तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी, महामंडलेश्वर कनकेश्वरी देवी, श्री पंच दिगंबर अनी अखाड़े के श्री महंत माधवदास, शनि धाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परमहंस दाती महराज, श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े के संपूर्णानंद ब्रह्मचारी, श्री दिगंबर अखाड़े के महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा शामिल हैं। स्वामी प्रकाशानंद के अनुसार,महाकुंभ में लाखों साधु-संत अपने विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संकल्पों को लेकर श्रद्धालुओं के बीच आते हैं।

विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में उठेंगे अहम मुद्दे

महाकुंभ में गूंजेगा काशी, मथुरा और प्लेसेज ऑफ वर्शिप का मामला,कई प्रस्ताव होंगे पास

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में अखाड़ा परिषद की अहम बैठक, सनातन बोर्ड की बैठक, धर्म संसद के साथ ही विश्व हिंदू परिषद की खास बैठक होनी है। विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक का उद्घाटन शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे रखा गया है। मार्ग दर्शक मंडल की बैठक के बाद शाम पांच बजे विहिप के पदाधिकारी पत्रकारों से बातचीत करेंगे। सभी कार्यक्रम विहिप महाकुंभ शिविर ओल्ड जीटी रोड सेक्टर 18 झूंसी में आयोजित होगा। प्रांत प्रचार-प्रसार प्रमुख काशी प्रांत अश्वनी मिश्रा का कहना है कि महाकुंभ में शुक्रवार से विश्व हिंदू परिषद के मार्गदर्शक मंडल में कई अहम प्रस्ताव रखे जाएंगे। देशभर के संत और साधु-महात्मा जुटे हुए हैं।

केंद्र और यूपी में भाजपा की सरकार है। ऐसे में विहिप की यह बैठक बहुत ही अहम है। इसे लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दिल्ली और लखनऊ की राजनीतिक गहमागहमी को लेकर यहां कुछ तस्वीर पेश की जा सकती है। विश्व के सबसे बड़े हिंदू समागम से क्या संदेश निकलना चाहिए इसे लेकर चर्चा गर्म है। अभी तक माना जा रहा है कि संतों के साथ बैठक में काशी और मथुरा के अलावा प्लेसेज ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रॉविजन) एक्ट,1991 प्रमुख एजेंडा उठाया जा सकता है। साथ ही वक्फ बोर्ड की कब्जा संपत्तियों, घर वापसी, लव जिहाद समेत अन्य मामलों को उठाया जा सकता है। काशी विद्वत परिषद ने हिंदुओं के लिए नई आचार संहिता तैयार की है। सनातन धर्म के लोग क्या करें और क्या न करें, इसकी नियमावली है। इसे महाकुंभ में जारी की जाएगी। विश्व हिंदू परिषद ने साधु-संतों की बैठक बुलाई है, जो शनिवार से शुरू हो रही है। संतों और शंकराचार्यों से पास होने के बाद आचार संहिता की हजारों प्रतियां छपवाकर श्रद्धालुओं में वितरित की जाएगी। आचार संहिता में कन्या भ्रूण हत्या को पाप बताया है। विवाह में किसी भी तरह के दहेज पर रोक लगाई गई है। रात में शादी नहीं करने की वकालत की गई है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने की खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

एजेंसी | नई दिल्ली

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा देश में खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा की। इस बैठक में केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार, केवीआईसी के सदस्य, एमएसएमई सचिव, संयुक्त सचिव (एआरआई), एमएसएमई के आर्थिक सलाहकार, केवीआईसी के सीईओ और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र में विकास के लिए चल रही योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के जरिए केवीआई क्षेत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है। मंत्री जीतन राम मांझी ने खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं के कार्यान्वयन को और केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका मानना है कि इस क्षेत्र की विकास योजनाओं को व्यापक बनाने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है, जिससे अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। इस समीक्षा बैठक ने एमएसएमई मंत्रालय और केवीआईसी के प्रयासों को एक नई दिशा देने की उम्मीद जताई है, जिससे खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र को और सशक्त किया जा सके।

केन्द्रीय मंत्री ने कर्पूरी ठाकुर की जन्म जयंती पर कार्यक्रम में हुए शामिल

कर्पूरी ने गरीब और पिछड़ों की सेवा में नया इतिहास रचा : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी | नई दिल्ली

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज बिहार के समस्तीपुर में भारत रत्न श्री कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जन्म जयंती पर आयोजित स्मृति कार्यक्रम में शामिल हुए उन्होंने भारत रत्न श्री कर्पूरी ठाकुर जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि अपने लिए तो कीट-पतंगे और पशु-पक्षी भी जीते हैं अगर अपने लिए जीये तो क्या जीये, जीता वही है जो देश, जनता और दूसरों के लिए जीता है। कर्पूरी ठाकुर जी का जीवन भी अपने लिये नहीं था बल्कि जनता, गरीबों, दीन-दुखियों और किसानों के लिये था। उन्होंने कहा कि है समय नदी की धार, जिसमें सब बह जाया करते हैं लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो इतिहास बनाया करते हैं। कर्पूरी जी ने गरीब और पिछड़ों की सेवा में नया इतिहास रचा है। श्री चौहान ने कहा कि मैं कर्पूरीग्राम की धरती को प्रणाम करता हूँ जिसने कर्पूरी जी को जन्म दिया है। उनका नारा था, 100 में 90 शोषित हैं शोषितों ने ललकारा है, धन-धरती और राजपाठ पर 90 भाग हमारा है। अधिकार चाहो तो लड़ना सीखो, पग-पग पर अड़ना सीखो, जीना है तो मरना सीखो। उन्होंने कहा कि पिछड़ों को आरक्षण कर्पूरी जी ने दिया था, मैं उनको प्रणाम करता हूँ। केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर जी ने शिक्षा के मामले में गरीबों को बराबर अधिकार देने के लिये मेट्रिक तक फ्री शिक्षा देने का फैसला लिया था। वह अपनी भाषा में शिक्षा देने के पक्षधर थे। उन्होंने कहा था कि मैं अंग्रेजी का विरोधी नहीं हूं लेकिन गांव में बच्चे अपनी मातृभाषा में अच्छे से शिक्षा प्राप्त करते हैं। कर्पूरी ने अंग्रेजी की बाध्यता मेट्रिक में खत्म की। श्री चौहान ने कहा कि उनके जीवन के कई प्रेरक प्रसंग हैं। कर्पूरी बाबू जी जब मुख्यमंत्री थे तब जयप्रकाश नारायण जी के जन्मदिन पर कार्यक्रम में उनका कुर्ता फटा था, तब चंद्रशेखर जी ने उनके कुर्ते के लिये दान देने का सभी से आग्रह किया था। उन्होंने वह राशि भी मुख्यमंत्री राहत कोष में दान कर दी थी। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। आइये हम सभी उनके दिखाये मार्ग पर चलें। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यसभा के उपसभापति, डॉ हरिवंश नारायण सिंह, रामनाथ ठाकुर, केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भागीरथ चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नित्यानंद राय, केंद्रीय राज्य मंत्री, गृह मंत्रालय, भारत सरकार और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस को लेकर विभिन्न संस्थानों के मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक

बेरिकेटिंग के अंदर रह कर करें मीडिया कवरेज : उपनिदेशक

- अनुशासनात्मक तरीके से कवरेज करने की अपील

निज संवाददाता | रांची

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय की उप निदेशक शालिनी वर्मा ने मोरहाबादी में आयोजित गणतंत्र दिवस के दिन झंडोत्तोलन के समाचार संकलन में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, संदर्भ में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ सूचना भवन के तृतीय तल स्थित सभागार में बैठक की। बैठक के दौरान शालिनी वर्मा ने मीडिया प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि झंडोत्तोलन के दौरान एवं प्रदर्शनी भ्रमण के दौरान फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर कवरेज के लिये ग्राउंड में न दौड़ें साथ ही राष्ट्रगान के समय सावधान मुद्रा में खड़े होकर उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए कहा कि वीडियोग्राफी हेतु इसबार मंच को पहले के अपेक्षाकृत बड़ा बनाया जा रहा है साथ ही वॉयस आउटपुट की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने प्रतिनिधियों से कहा कि एकबार स्पॉट निरीक्षण वह करें अगर कोई अन्य सुझाव उनकी तरफ से प्राप्त होते हैं तो उसमें सुधार अथवा बदलाव किये जायेंगे। बैठक में सहायक निदेशक सुनीता धान सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों के मीडिया प्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सुभाष चन्द्र बोस के 128 वीं जयंती पर जेजे कॉलेज में कार्यक्रम

मानपुर। जगजीवन कॉलेज के बास्केटबॉल ग्राउंड में सुभाष चंद्र बोस के 128 वीं जन्मोत्सव पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि किया गया। इस अवसर पर डॉ दीनानाथ ने कहा कि नेता जी ने कतरी भूमि को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त करने के लिए आजाद हिंद फौज की स्थापना कर लोगो के देश भक्ति का जज्बा जगाए। वही मनोविभाग के डॉ अनु रानी ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस ने सिविल सेवा की परीक्षा पास की थी लेकिन भारत में राष्ट्रवादी उथल-पुथल के कारण इस्तीफ़ा दे दिए। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवक मैक्स अवस्थी , रितिक रौशन,अमित,नंदनी, कोमल, मुस्कान, कुमार आनंद, शाश्वत, सुशांत, कुश वर्मा, साहिल,राजल ,साकेत, मधुरेंद्र सहित अन्य छात्र मौजूद थे।

जनता दरबार में डीएम ने सुनी 25 लोगों की समस्या

बिहारशरीफ। दैनिक जनता दरबार में डीएम शशांक शुभंकर ने गुरुवार को 25 लोगों के समस्या को सुना। रहुई प्रखंड के आवेदक पैक्स द्वारा धान बिक्री में अनियमितता बरतने, एक आवेदक भूमि मापी विवाद से संबंधित, एक आवेदक जमीन को ग्रामीणों द्वारा कब्जा कर लेने, एक आवेदक भूमि का पर्चा निर्गत नहीं करने, एक आवेदक विपक्षी द्वारा जबरन मकान निर्माण करने, एक आवेदक बिना भूमि नापी किए रिपोर्ट बना देने से संबंधित मामला लेकर डीएम के पास पहुंचे। डीएम ने सभी की समस्या को एक-एक कर सुना और निदान के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया।

नेताजी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणादायक

गया। शहर के नूतन नगर कालीबाड़ी मुहल्ले में राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनी। नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने किया। सर्वप्रथम इन्होंने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया, फिर इनके जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक अद्वितीय नेता और प्रखर राष्ट्रभक्त थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस, संकल्प और दूरदर्शिता से स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। नेताजी का जीवन प्रेरणादायक था। मौके पर कला देवी, अर्णव पांडे, जिला महामंत्री गोपाल प्रसाद यादव, भाजपा नेता राणा रणजीत सिंह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर, सुनील बंबईया, दीपक पांडे, चीनू मिश्रा, महेश यादव, मंटू कुमार, सुनील कुमार सिन्हा, बबलू गुप्ता आदि मौजूद थे।

किड्स केयर प्ले स्कूल में मनाई गई सुभाष चंद्र बोस की जयंती

वज़ीरगंजज़। महान स्वतंत्रता सेनानी आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती गुरुवार को प्रखंड के दखिनगांव स्थित किड्स केयर प्ले स्कूल में निदेशक पंकज कुमार संजय के नेतृत्व में मनाई गई। मौके पर उपस्थित बच्चों व शिक्षकों ने नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके जीवन चरित्र पर चर्चा की। इस दौरान लोगों ने नेताजी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र मौजूद थे।

श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में वार्षिक खेलकूद आयोजित

गया। गया शहर के नैली रोड खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में गुरुवार को वार्षिक खेलकूद का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला ओलंपिक संघ के महासचिव एएम करीमी, जिला कबड्डी संघ के चेयरमैन डॉ. आनंद शंकर तिवारी एवं जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव जितेंद्र कुमार, स्कूल की प्राचार्या पूनम सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर एवं बैलून उड़ा कर किया। मौके पर अतिथियों का स्वागत द्वारा अंग-वस्त्र और पौधा देकर किया गया। मौके पर अतिथियों ने विजेता व उपविजेता को मिलने वाले मेडल, ट्राफी एवं सर्टिफिकेट का भी अनावरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव श्री कुमार ने कहा कि खेलकूद में आगे बढ़कर कई तरह की सरकारी नौकरियां प्राप्त कर सकते हैं। वहीं जिला कबड्डी संघ के चेयरमैन डॉ. तिवारी ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों के लिए समय निकालकर इन्हें खेल भवन में लाएं। विद्यालय की प्राचार्या पूनम सिन्हा ने कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, शतरंज, कैरम का आयोजन किया जा रहा। मौके पर उप प्राचार्य रूपा गुप्ता, राखी राज, सालवी सिन्हा, पूनम शर्मा, अंजली, शिल्पी, शक्ति कुमार, गौरव सिंह, अंश राज सहित अन्य उपस्थित थे।

बेटे नहीं जनने पर जहर पिला बहू की हत्या

बिहारशरीफ। गोखुलपुर थाना क्षेत्र के धिमोय गांव में गुरुवार को मारपीट के बाद जबरन जहर पिलाकर बहू की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। बेटे को जन्म नहीं देने पर हत्या का आरोप लगा है। मृतका पिकअप चालक राजेश कुमार की 30 वर्षीया पत्नी मनीता देवी थीं। पुलिस शव को कब्जे में कर उसे, पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाई। घटना का खुलासा होने के पहले पति व अन्य ससुराली परिवार गांव से फरार हो गया। पटना जिला के बेलछी थाना क्षेत्र के टिल्हार गांव निवासी मृतका का भाई अखिलेश कुमार ने बताया कि 15 साल पहले बहन की शादी हुई थी। इस दौरान उसने तीन बेटी को जन्म दिया। बेटा नहीं जनने पर परिवार उसे प्रताड़ित करते हुए रुपए की मांग करता था। अक्सर मारपीट की जाती थी। गुरुवार को बहन की बेहरमी से पिटाई की गई। इसके बाद जबरन जहर पिलाकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम दे पति व अन्य परिवार गांव से फरार हो गया। गांव में रहने वाली एक रिश्तेदार ने मायके के परिजनों को कॉल कर घटना की जानकारी दी। जिसके बाद परिवार के लोग धिमोय पहुंचे। जहां बरामदे में विवाहिता की लाश पड़ी थी। थानाध्यक्ष शिवम कुमार सुमन ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया। परिवार ने दहेज हत्या का आवेदन दिया है। पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है।

सरस्वती पूजा और शब-ए-बारात के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

मूर्ति स्थापना के लिए संस्थापक के नाम लाइसेंस लेना होगा, डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में आगामी सरस्वती पूजा और शब-ए-बारात पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजामः डीएम ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सरस्वती पूजा और शबे-बारात के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि सभी वाहन गश्ती और पैदल गश्ती दलों को लगातार भ्रमणशील रहना चाहिए। विसर्जन स्थलों का भौतिक सत्यापन किया जाए। स्कूल, छात्रावास, कोचिंग संस्थानों में मूर्ति स्थापना के लिए संस्थापक के नाम से लाइसेंस निर्गत करें, छात्रों के नाम से लाइसेंस निर्गत नहीं करें ।उन्होंने कहा कि 26 जनवरी 2025 तक हर हाल में मूर्ति का लाइसेंस निर्गत करना सुनिश्चित करेंगे । सभी मूर्ति स्थापना के लिए लाइसेंस अनिवार्य होंगे। लाइसेंस धारकों को विसर्जन का रूट और समय निर्धारित करना होगा। सभी पूजा पंडालों में लाइजनिंग ऑफिसर द्वारा रात्रि प्रहर में वॉलिंटियर्स की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। अग्नि सुरक्षा, प्रवेश और निकास द्वार, भीड़तंत्र पर नियंत्रण, गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। पंडालों के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे, इसके लिए समुचित उपाय किए जाएंगे। डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा और शराब सेवन पर भी रोक लगाई जाएगी। स्कूल और कोचिंग संस्थानों में मूर्ति स्थापना के लिए संस्थापक के नाम से लाइसेंस निर्गत किया जाएगा। पुलिस अधिकारी सुरक्षा उपकरणों के साथ स्थल पर मुस्तैदी से तैनात रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशः पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आपसी समन्वय से काम करें और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि सभी को सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रयास करना चाहिए।

फल्गु नदी में मिला 14 साल के नाबालिग का शव, चार-पांच दिन पहले बच्चों से हुआ था झगड़ा

निज संवाददाता। गया

गया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सीताकुंड में फल्गु नदी से शुक्रवार सुबह 14 साल के एक नाबालिग की लाश मिली है। मृत नाबालिग की पहचान विष्णुपद थाना क्षेत्र के घुघड़ीटांड़ बाईपास के रहने वाले सत्यम के रूप में हुई है। सत्यम गुरुवार शाम घर से 30 रुपए लेकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। शुक्रवार सुबह उसका शव नदी में पाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। वजीरगंज एसडीपीओ सुनील पांडे ने बताया कि मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और लोगों से जानकारी जुटाई जा रही है।

गुरुवार रात से लापता था सत्यमः सत्यम के चाचा मुकेश कुमार ने बताया कि वह गुरुवार शाम कुछ खाने के लिए घर से निकला था। जब वह रात 9 बजे तक वापस नहीं लौटा, तो परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। शहर के प्रमुख स्थानों पर खोजबीन की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिवार ने तय किया कि शुक्रवार सुबह विष्णुपद थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई जाएगी।

सुबह नदी में मिला शवः मृत नाबालिग के चाचा ने बताया कि शुक्रवार सुबह किसी ने सूचना दी कि फल्गु नदी के सीताकुंड पाया नंबर 6 के पास एक लड़के का शव पानी में पड़ा है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान सत्यम के रूप में की।

♦ शाम को 30 रुपए लेकर कुछ खाने निकला था, सुबह मिली लाश

पुरानी लड़ाई का जिक्रः परिजनों का कहना है कि सत्यम की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। हालांकि, चाचा मुकेश ने बताया कि चार-पांच दिन पहले सत्यम का झगड़ा उसकी उम्र के बच्चों से हुआ था, लेकिन वह बात खत्म हो गई थी।

गया एयरपोर्ट पर फर्जी टिकट के साथ थाई यात्री पकड़ाया

निज संवाददाता। गया

थाईलैंड से आया 47 वर्षीय वीरा थेदसाबूत फर्जी टिकट के सहारे गया एयरपोर्ट में प्रवेश करते हुए पकड़ा गया। वह अपने साथियों के साथ बोधगया से थाईलैंड की उड़ान भरने वाला था। बैंकॉक लौटने की कोशिश कर रहे इस थाई नागरिक को एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने गुरुवार को सीआईएसएफ जवानों की सतर्कता से दबोच लिया। काफी देर तक पूछताछ के बाद उसे मगध मेडिकल थाने के हवाले कर दिया गया। अब मगध मेडिकल थाने की पुलिस अपने तरीके से उससे पूछताछ कर रही है।

कैसे हुआ खुलासाः थाई हवाई यात्री वीरा थाई एयरवेज की फ्लाइट से बैंकॉक जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा। सीआईएसएफ के जवानों को उसने फर्जी टिकट दिखा कर पहले चरण की चेकिंग को प्रवेश कर लिया। अंतिम चेकिंग काउंटर पर उसका मामला फंस गया। सीआईएसएफ के कर्मियों को टिकट को लेकर शक हुआ तो टिकट की असलियत सामने आ गई। जांच में पता चला कि उसका टिकट फर्जी है। उसे तुरंत पकड़ लिया गया। मेडिकल थाना की पुलिस ने बताया कि वीरा अपने ग्रुप के अन्य यात्रियों के साथ था। ग्रुप में बाकी यात्रियों के पास सही टिकट थे। इसलिए उन्हें उड़ान भरने की अनुमति दी गई, लेकिन वीरा के पास नकली टिकट होने के कारण उसे एयरपोर्ट परिसर में रुकना पड़ा और उसे अरेस्ट कर लिया गया।

आम और अमरूद के किसानों के लिए खुशखबरी

कीटनाशक छिड़काव पर 75% अनुदान

निज संवाददाता। नालंदा

♦ डीबीटी पोर्टल पर किसान तुरंत करें आवेदन

नालंदा के आम और अमरूद के किसानों के लिए अच्छी खबर है। बिहार सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक नई योजना शुरू की है। इस योजना के तहत किसानों को आम और अमरूद के पेड़ों पर कीटनाशक छिड़काव करने पर 75% का अनुदान दिया जाएगा।

योजना का उद्देश्यः इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और फल उत्पादन को बढ़ावा देना है। कीटनाशक का छिड़काव करने से फल के पेड़ों पर लगने वाले कीटों को नियंत्रित किया जा सकेगा, जिससे फलों की गुणवत्ता में सुधार होगा और किसानों को अधिक मुनाफा होगा। यह अनुदान आम, अमरूद और लीची पर दिया जाना है, लेकिन नालंदा में अधिकतर किसान आम और अमरूद के पेड़ लगाते हैं। इसलिए यहां केवल इन दो फलों पर ही अनुदान का लाभ दिया जा रहा है।

कब-कब करना है छिड़कावः पौधा संरक्षण संभाग के सहायक निदेशक संतोष कुमार ने बताया कि आम के लिए पहला छिड़काव तब करना होगा, जब मंजर सरसों के आकार का बन जाए। दूसरा छिड़काव मंजर के मटर के आकार के होने पर करना होगा। अमरूद के लिए भी इसी तरह का छिड़काव का समय निर्धारित किया गया है।

कितना मिलेगा अनुदानः अनुदान की राशि फसल और छिड़काव के समय के अनुसार अलग-अलग होगी। उदाहरण के लिए आम के लिए पहले छिड़काव पर प्रति वृक्ष 58 रुपए का अनुदान दिया जाएगा। कीटनाशक छिड़काव से फलों की गुणवत्ता में सुधार होगा और किसानों को अधिक मुनाफा होगा। सरकार के दिए जाने वाले अनुदान किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा। कीटों से फसलों को बचाने से फल उत्पादन में वृद्धि होगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर निबंधन कराना होगा और ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

आय बढ़ाने में मिलेगा मददः यह योजना नालंदा के किसानों के लिए एक सुनहरा अवसर है। इस योजना का लाभ उठाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं और फल उत्पादन को बढ़ावा दे सकते हैं।

शेरघाटी में अर्धनग्न हालत में मिली लाश, सीमा विवाद को लेकर दो थाना की पुलिस में हुई बहस

निज संवाददाता। गया

अमीन को बुलाया, फिर लाश ले गई शेरघाटी पुलिस

गया के शेरघाटी थाना क्षेत्र के गुगली आहार के पास एक अर्धनग्न शव मिलने से सनसनी फैल गई। डोभी थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार को सूचना मिली कि लकड़देवा गांव के पास गुगली आहार किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया है। शव की पहचान नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने शव को देखकर आशंका जताई कि हत्या कहीं और की गई और शव आहर के पास फेंका गया है। शव के पास पानी पीने का गिलास, जैकेट और खाने-पीने के सामान पड़ा मिला है। पुलिस ने सभी सामान को कब्जे में ले लिया। मृतक की आंखें क्षतिग्रस्त थीं, जिससे स्पष्ट हुआ कि हत्या को पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया है।

लाश उठाने को लेकर डोभी और शेरघाटी पुलिस में होती रही बहसः घटनास्थल पर काफी देर तक डोभी और शेरघाटी थाने की सीमा को लेकर बहस होती रही। बात नहीं बनी तो डोभी अंचल कार्यालय से अंचल अमीन सोनू को बुलाया गया।

उसने पुष्टि की कि घटनास्थल शेरघाटी थाना क्षेत्र में आता है। शेरघाटी 1 के एएसपी शैलेंद्र सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कहा कि मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है। डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम ने सबूत जुटाए। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक को यहां फेंकने के पीछे किसी गहरी साजिश का आशंका है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के क्षेत्रों में गहन जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल पर मिले सबूत और मृतक की हालत ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। पुलिस जल्द मामले के खुलासे का दावा कर रही है।

नालंदा में खाद्य निगम के मजदूरों का प्रदर्शन

नालंदा । नालंदा के 14 टी.पी.डी.एस. गोदामों में कार्यरत मजदूरों ने बढ़ी हुई मजदूरी और सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर हड़ताल की चेतावनी दी है। फूड एंड एलाइड वर्कर्स यूनियन (इंटक) नालंदा के जिला अध्यक्ष राजेश पासवान ने जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, नालंदा को एक पत्र लिखकर यह जानकारी दी है। पत्र के अनुसार, नई टेंडर में डी.एस.डी. अभिकर्ता ने मजदूरी को 38 रुपए किया गया है। यह राशि एक जनवरी से मजदूरों को मिल भी रही है, लेकिन मजदूरों का कहना है कि उन्हें केवल 5 रुपए मिल रहा है जबकि हमें 7.50 रुपए प्रति बैग रुपया मिलना चाहिए। इसके अलावा उन्हें पी.एफ. और ई.एस.आई. जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं। शुक्रवार को बाजार समिति के प्रांगण में अध्यक्ष के नेतृत्व में दर्जनों मजदूरों ने अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि ठेकेदार हमें जबरन काम करने की धमकी देते हैं। जबकि नई रेट से टेंडर हुआ है। उन लोगों को उनका वाजिब हक नहीं मिल रहा है। यूनियन ने जिला प्रबंधक से जल्द उनकी मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है। यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे जिला के सभी 14 टी.पी.डी.एस. गोदामों में काम बंद कर देंगे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद
E-Mail Id:- eenkcd1aurangabad@gmail.com
बिहार सरकार
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–02/2024–25
(केवल ई–टेन्डर पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)

1. कार्य का विवरण :–

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि रू0 (ऑन लाईन अथवा फिजिकल/मेनुअल मोड में भुगतान)	परिमाण–विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में) रू0 में	बेल्ट्रॉन को देय बिड प्रोसेसिंग फी (अप्रत्यर्पणीय) (केवल ऑन लाईन मोड में) रू0 में	कार्य समाप्ति की तिथि
01	उत्तर कोयल नहर कॉलोनी परिसर अन्तर्गत अवस्थित आवास संख्या–ए0 एवं बी0 का मरम्मति, आवास संख्या–सी.01 का मुख्य गेट से सम्पर्क रोड तथा ई.19 से ई .20, चाहर दिवारी का मरम्मति एवं अन्य कार्य।	21.184	42500.00	5000.00	590.00	30 दिन

2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत करने की तिथि :– दिनांक 23.01.2025
3. निविदा कागजात डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम तिथि :– दिनांक 01.02.2025 से 05.02.2025 के 03:00 बजे अपराहन तक। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
4. प्रीबिड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक 04.02.2025, 03:00 बजे अपराहन में कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद।
5. तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 05.02.2025 03:30 बजे अपराहन। (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
6. वित्तीय बिड खोलने की तिथि एवं समय :– सक्षम पदाधिकारी द्वारा बाद में घोषित की जायेगी (सिर्फ वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
7. निविदा खोलने का स्थान :– www.eproc2.bihar.gov.in पर
8. निविदा की वैधता की अवधि :– 120 दिन
9. विज्ञापन दाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, औरंगाबाद।
10. विशेष जानकारी प्राप्त करने हेतु वेबसाईट :– www.eproc2.bihar.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
उत्तर कोयल नहर प्रमंडल, औरंगाबाद
मो0 नं0–7463889720

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।
PR- 018030 (WRD) 2024-25

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

440 मीटर लंबा बिहार का पहला स्मार्ट टनल तैयार

पटना, एजेंसी। जमीन के नीचे 440 मीटर लंबी सुरंग। 4 ट्रेवलेटर यानी ऐसी फेसिलिटी जिस पर खड़े-खड़े एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंच जाएंगे.। नीचे से ऊपर जाने के लिए 2 लिफ्ट और 2 एस्केलेटर जिस पर खड़े-खड़े नीचे से ऊपर पहुंच जाएंगे। सुरंग के अंदर ही दुकानें-रेस्टोरेंट। कुछ ऐसा ही है बिहार का पहला स्मार्ट टनल। इस अंडरपास सबवे को 2 साल में 85 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। 440 मीटर लंबाई वाला यह टनल पटना जंक्शन से शुरू होता है, और जेपी गोलंबर पर खत्म। मतलब आप पटना जंक्शन से सीधे अंडरपास सबवे में घुसिए और अंदर ही अंदर चलते ही जीपीओ गोलंबर के पास निकलेंगे।

ट्रैफिक जाम की कोई दिक्कत नहीं। इतना ही नहीं, इस स्मार्ट टनल के ऊपर ही मल्टी मॉडल पार्किंग भी बनकर लगभग तैयार है। यहां तीन फ्लोर हैं, जिन पर आपकी गाड़ियां पार्क हो सकेंगी। फरवरी के आखिरी हफ्ते तक इसे आम लोगों के लिए शुरू कर दिया जाएगा। पढ़िए और देखिए इस मल्टीमॉडल हब की पूरी डिटेल।

मल्टी मॉडल हब क्या है

पटना जंक्शन के सामने एक 440 मीटर लंबा अंडरग्राउंड सबवे और इसके ऊपर तीन मंजिला मल्टीलेवल पार्किंग बनाई गई है। इसमें रेस्टोरेंट, एटीएम से लेकर दुकानें तक हैं। इसे ही मल्टी मॉडल हब नाम दिया गया है। स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ मो. शमसाद ने बताया, 'मल्टी मॉडल हब जी प्लस थ्री बिल्डिंग है। इसके ग्राउंड फ्लोर में 32 इलेक्ट्रिक बसों के पार्किंग की व्यवस्था है। बस के लिए विशेष ट्रांयगुलर बनाया गया है।'

एंट्री और एग्जिट कहां से होगी

मल्टी मॉडल हब में एंट्री और एग्जिट के लिए 8 गेट बनाए गए हैं। जीपीओ के साइड से 4 गेट से एंट्री होगी और स्टेशन के न्यू मार्केट एरिया के साइड से एग्जिट के लिए 4 गेट बनाए गए हैं। हर गेट पर बूम लगाया गया है। यहां जांच और प्रॉपर एंट्री-एग्जिट के साथ ही यहां से गाड़ियां आएगी और जाएगी। कार रैंप के माध्यम से अलग-अलग फ्लोर पर जाएगी। एंट्री और एग्जिट के लिए अलग-अलग रैंप तैयार किया गया है। इसके साथ फ्लोर पर कार पार्क करने के लिए मार्किंग की गई है। पार्किंग के साथ वे जोन भी बनाए गए हैं, जिनमें किसी कार की पार्किंग नहीं होगी।

सिक्योरिटी के क्या इंतजाम होंगे

मल्टी मॉडल हब और टनल की देखरेख की जिम्मेदारी स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ही होगी। इसके मेंटेनेंस और देखरेख के लिए टेंडर के माध्यम से एजेंसी का चयन किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से हर जरूरी बंदोबस्त किए गए हैं। हर एंट्री और एग्जिट पॉइंट पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। आग से बचाव के लिए हर फ्लोर पर सेंट्रलाइज्ड फायर इस्टिंग्विशर का सेटअप तैयार किया गया है।

टनल से कहां से कहां पहुंचेंगे

इससे जीपीओ गोलंबर और इस्कॉन टेंपल की तरफ से लोग आसानी से पटना जंक्शन पहुंच सकते हैं। गाड़ियों की बेहतर पार्किंग के साथ स्टेशन आने-जाने में भी लोगों को सहूलियत होगी। सब-वे से पैसेंजर्स को महावीर मंदिर जाने में सुविधा होगी।

क्या-क्या फैसिलिटी होगी

पब्लिक की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यहां वेटिंग लाउंज बनाए गए हैं। पूरी तरीके से एयर कंडीशनर होगा। एक रेस्टोरेंट, एटीएम और कुछ दुकान भी तैयार किए गए हैं। बहुत जल्द इनका टेंडर किया जाएगा। इसके अलावा हर फ्लोर पर लेडिज और जेंट्स के लिए अलग-अलग वॉशरूम बनाया गया है। रैंप के साथ लिफ्ट भी है।

स्मार्ट सिटी की अधिकारी प्रिया ने बताया, 'टनल को हाईटेक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है। 440 मीटर के इस टनल में 148 मीटर तक ट्रेवलेटर लगाए गए हैं, यानी अपने सामान के साथ इस पर खड़े होइए और आगे बढ़ जाइए। इसके साथ रैंप, 2 एस्केलेटर और 2 लिफ्ट भी है।'

पूरे टनल में सेंट्रलाइज्ड एसी का सेटअप किया गया है। टनल में सीसीटीवी कैमरे, लाइट्स, डिस्प्ले स्क्रिन और साउंड सिस्टम भी है। साउंड सिस्टम के जरिए लोगों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि टनल के किस गेट के जरिए किस साइड बाहर निकला जा सकता है।

टनल में तीन एंट्री और एग्जिट गेट बनाए गए हैं। पहला एंट्री और एग्जिट गेट मल्टी मॉडल हब के साइड होगा। दूसरे गेट को ओल्ड कार पार्किंग, बुद्धा स्मृति पार्क से कनेक्ट किया गया है। तीसरा एंट्री और एग्जिट गेट महावीर मंदिर के ठीक बगल में पटना जंक्शन के गेट नंबर-3 के ठीक सामने बनाया गया है। इसके अलावा मेट्रो स्टेशन के साथ भी इसे जोड़ने की व्यवस्था की गई है। फिलहाल ये गेट बंद है। मेट्रो स्टेशन शुरू होते ही इसे ओपन कर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

2022 में गायब किशोरी को पुलिस ने ढूंढ़ निकाला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर थाना क्षेत्र से 2022 में गायब किशोरी को पुलिस ने ढूंढ़ निकाला है। केस के आईओ गिरजेश कुमार ने बताया कि तीन साल के बाद परिजनों को किशोरी के रिश्तेदार के पास होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस के सहयोग से परिजन किशोरी को वहां से लेकर सदर थाने पहुंचे। पुलिस अब किशोरी का 164 का बयान कोर्ट में दर्ज करवाने की प्रक्रिया में जुटी है। पुलिस के मुताबिक तीन साल पहले किशोरी शाम के समय घर से निकल गई थी। परिवार वालों ने बहुत खोजबीन की, लेकिन सुराग नहीं मिला। परिजनों ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। किशोरी के पिता ने शादी की नीयत से भगाकर ले जाने का आरोप पड़ोस के एक युवक पर आरोप लगाया था।

गणतंत्र दिवस को लेकर ट्रेनों में तलाशी अभियान

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। गणतंत्र दिवस को लेकर आरपीएफ मुख्यालय के निर्देश पर मुजफ्फरपुर में भी गुरुवार को ट्रेनों में तलाशी अभियान चलाया गया। राजधानी एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस, आम्रपाली, लिच्छवी सहित आधा दर्जन ट्रेनों में यात्रियों के सामान आदि की तलाशी ली गयी। हालांकि, इस दौरान आरपीएफ को किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तुएं नहीं मिलीं। आरपीएफ इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने बताया कि गणतंत्र दिवस को लेकर आरपीएफ अलर्ट है। मुजफ्फरपुर रूट से गुजरने वाली सभी वीआइपी ट्रेनों की निगरानी और तलाशी की जा रही है।

शादी का झांसा देकर बनाया संबंध, अब वीडियो वायरल करने की धमकी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सिकंदरपुर थाना इलाके की युवती ने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। उसने महिला थाने की पुलिस को बताया है कि आकाश कुमार ने उसके साथ सूर्य मंदिर में प्रेम विवाह किया था। इसके बाद भगवानपुर इलाके में एक कमरा लेकर सात दिनों तक साथ में रखा और पत्नी के रूप में संबंध बनाया। उसने झांसा दिया कि उसकी नौकरी लगने वाली है, इसके बाद उसे विदा कराकर ले जायेगा। झांसा देकर उसने मां के घर वापस भेज दिया। अब वह धोखा देकर दूसरी जगह शादी करने जा रहा है। विदा कराने का दबाव दिया तो उसने चार लाख रुपये दहेज और बुलेट बाइक की मांग की। धमकी दिया कि अगर ज्यादा हाथ पांव मारी तो उसकी गंदी तस्वीर वायरल कर देगा।

एटीएम कार्ड फंसे रहने के बाद 50 हजार की निकासी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शहर के सरैयागंज निवासी सूरज कुमार का एटीएम कार्ड मशीन में फंसे रहने के बाद 50 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। मामला सिकंदरपुर चौक के पास की है। इस संबंध उन्होंने नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। इसमें पुलिस को बताया है कि गुरुवार सुबह करीब दस बजे एटीएम मशीन से 20 हजार निकासी के दौरान कार्ड फंसा रह गया। इसके बाद 20 हजार का दो बार और 10 हजार निकासी का मैसेज आया। कुल 50 हजार रुपये की निकासी कर ली गई है। इधर, नगर थानेदार शरत कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

विधायक ने सड़कों का किया शिलान्यास

दरभंगा, एजेंसी। विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के अंतर्गत दो सड़कों का शिलान्यास किया। इनमें माधोपुर बनौली वाया फुलथुआ 4.360 किमी की सड़क 260.49 लाख की लागत से तथा पीडब्ल्यूडी से सिरहुल्ली 0.950 किमी की 55.32 लाख की लागत से बनने वाली सड़कें हैं। विधायक ने कहा कि पूरे विधानसभा क्षेत्र में घूम-घूमकर संपर्क पथ बनवाया जा रहा है। क्षेत्र में ऐसा एक भी टोला या गांव नहीं छोड़ा जाएगा जो संपर्क विहीन हो। सड़कों के निर्माण में किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं होगी।

साबरमती और यमुना की तर्ज पर मुजफ्फरपुर में बनेगा रीवर फ्रंट, गुजरात और दिल्ली जाएगी एक्सपर्ट टीम

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। साबरमती व यमुना रीवर फ्रंट की तर्ज पर मुजफ्फरपुर रीवर फ्रंट बनेगा। संबंधित रीवर फ्रंट के अध्ययन के लिए नगर निगम के अधिकारियों व एक्सपर्ट की टीम गुजरात और दिल्ली भेजी जाएगी। दोनों रीवर फ्रंट अंतरराष्ट्रीय स्तर के माने जाते हैं। उनकी तकनीक से लेकर खूबियों तक के हर पहलू को देखा जाएगा। फिर उसके आधार पर मुजफ्फरपुर रीवर फ्रंट का डिजाइन बनाया जाएगा। इसको लेकर दो साल पहले राष्ट्रीय स्तर पर गठित नदी-शहर गठबंधन के तहत भी संबंधित निगमों से अहम टिप्स मिलेंगे। निर्माण या अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ी चुनौती का पता चलने के साथ ही समस्या के समाधान का रास्ता भी मिलेगा। प्रोजेक्ट का डीपीआर फाइनल करने से लेकर निर्माण तक के काम में आसानी होगी। निगम की योजना के तहत बूढ़ी गंडक नदी के किनारे दादर कोल्हुआ घाट से लेकर बीएमपी 6 तक करीब आठ किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड का निर्माण होना है। रीवर फ्रंट को पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जाएगा। बूढ़ी गंडक से जुड़ी घाटों को संवारा जाएगा। घाटों या आसपास के इलाकों में नियमित साफ-सफाई से लेकर लाइटिंग तक के इंतजाम किए जाएंगे। नदी के पानी को निर्मल-स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त करने पर भी फोकस होगा। मछली बाजार से लेकर वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। इससे रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

रीवर फ्रंट के निर्माण कार्य पर 735 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसको लेकर पिछले सप्ताह निगम के स्तर से नगर विकास व आवास विभाग को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। पुराना बसावट होने से शहर में जाम की समस्या से लोग हलकान हैं। ऐसे हालात में रीवर फ्रंट के जरिए शहर के विभिन्न इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। बिना जाम में फंसे दूसरे मार्गों से गंतव्य तक जाने का बेहतर विकल्प मिलेगा।

क्या कहते हैं अधिकारी

नगर आयुक्त विक्रम विरकर का कहना है कि मानकों के स्तर पर साबरमती या यमुना रीवर फ्रंट आदर्श है। उसे देखने-समझने को टीम जाएगी। हर पहलू की समीक्षा करके डिजाइन बनेगा। नदी-शहर गठबंधन के तहत संबंधित शहरों से सीख रहे हैं। रीवर फ्रंट में फिशिंग एक्टिविटी व अन्य सुविधाएं भी होंगी।

बिहार के सभी सरकारी स्कूलों में एक जैसी होगी बच्चों की ड्रेस

पटना, एजेंसी। शिक्षा विभाग ने बिहार के सभी सरकारी स्कूलों में पहली से 12 वीं की छात्राओं तथा पहली से 8वीं तक के छात्रों के स्कूल ड्रेस का रंग तय कर दिया है। इसको लेकर विभाग की ओर से दिशा-निर्देश जारी किया गया है। विभाग ने कहा है कि पहली से आठवीं के छात्र-छात्राओं तथा नौवीं से 12 वीं की छात्राओं को पोशाक खरीद के लिए राशि दी जाती है। स्कूलों के निरीक्षण में यह देखने को मिला है कि राज्य के अलग-अलग जिलों के स्कूलों में छात्र-छात्राओं की पोशाक का रंग अलग-अलग है। इसका मुख्य कारण है कि पहले से पोशाक का कोई रंग निर्धारित नहीं था। इसको देखते हुए अब रंग तय किए गए हैं। विभाग ने कहा है कि पहली से आठवीं की लड़कियों की समीज-शर्ट आसमानी नीला तथा सलवार-स्कर्ट गहरा नीला होगा। दुपट्टा-हाफ जैकेट गहरा नीला होगा। इसी प्रकार पहली से आठवीं के लड़कों की शर्ट आसमानी नीला और पैंट गहरा निले रंग का होगा। वहीं, नौवीं से 12वीं की छात्राओं की समीज का रंग आसामानी नीला और सलवार गहरा नीला होगा। दुपट्टा-हाफ जैकेट गहरे नीले रंग का होगा। विभाग ने कहा है कि शिक्षक-अभिभावक की अगली बैठक में अभिभावकों को इससे संबंधित जानकारी दी जाएगी। उन्हें बताया जाएगा कि विद्यार्थियों को कितनी राशि दी जा रही है और यह किस प्रायोजन के लिए है। सभी अभिभावक लिखित-मौखिक घोषणा करेंगे कि जिसके लिए राशि दी जा रही है, उसके लिए ही खर्च की जाएगी। मार्च में सभी छात्र-छात्राओं की पोशाक की तस्वीर खींच कर ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

भ्रष्ट डीईओ के कैशलोक पर सियासत, कांग्रेस की मांग- नीतीश कुमार सभी डीईओ की संपत्ति जांच कराएं

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के पश्चिम चंपारण के भ्रष्ट जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनीकांत प्रवीण के ठिकानों पर स्पेशल विजिलेंस यूनिट की छापेमारी में लगभग ढाई करोड़ नगर बरामद किए गए और बड़ी संख्या में जमीन, निवेशऔर अन्य प्रकार की प्रॉपर्टी के कागजात मिले। इस पर अब राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी इस मसले पर नीतीश सरकार को घेरने की कवायद कर रही है। पार्टी के भागलपुर विधायक अजीत शर्मा ने कहा है कि राज्य के सभी डीईओ की संपत्ति की जांच होनी चाहिए सबके घर में ऐसा ही कैशलोक मिलेगा। इससे पहले तिरहुत एमएलसी बंशीधर ब्रजवासी ने भी यही मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि रजनीकांत के खिलाफ जब उन्होंने आवाज उठाई तो हत्या करवा देने की धमकी दी थी भागलपुर विधायक अजीत शर्मा ने कहा कि बेतिया डीईओ की संपत्ति तो बानगी मात्र है। राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों के यहां ऐसा कैशलोक मिला है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में सरकारी राशि की लूट मची है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से मांग किया कि सभी डीईओ की संपत्ति की जांच कराई जाए। कहा कि एक शिक्षा पदाधिकारी घर करोड़ों पाए गये। अगर सब कार्रवाई नहीं की गई तो बिहार आगे नहीं बढ़ेगा, बच्चे-बच्चियां आगे नहीं बढ़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर सरकार उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं करती है तो माना जाएगा कि सीएम पदाधिकारियों के कंट्रोल में हैं।

बिहार के किसी भी कोने से साढ़े 3 घंटे में पहुंच सकेंगे पटना: डिप्टी सीएम विजय सिन्हा

पटना, एजेंसी। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में राज्य के अंदर तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। साल 2028 तक बिहार के किसी भी कोने से लोग पटना साढ़े 3 घंटे के अंदर पहुंच जाएंगे। अभी 5 घंटे में लोग पटना पहुंच जाते हैं। गुरुवार को वे भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती की पूर्व संध्या पर पटना के दारोगा प्रसाद राय पथ स्थित कर्पूरी ठाकुर हॉल में विचार गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

विजय सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते कर्पूरी ठाकुर ने बिना भेदभाव किए हर वर्ग के युवाओं को सरकारी नौकरी दी। उन्होंने राजद नेता लालू प्रसाद का नाम लिए बिना कटाक्ष किया कि कुछ लोग

नौकरी के बदले जमीन अपने नाम पर लिखवा लेते थे। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर शोषितों पीड़ितों की आवाज थे। उन्होंने जिक्र किया कि जब बीआईटी मेसरा में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करते थे तो हॉस्टल के 101 नंबर कमरा में रहते थे। कर्पूरी इस कमरे में आए थे। उनकी 101 वीं जयंती पर मेरे लिए यह यादगार है। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने अतिपिछड़ों को अलग से आरक्षण दिलाया। पिछड़ों, दलितों, शोषित-पीड़ितों को उन्होंने हक दिलाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने कर्पूरी ठाकुर को सामाजिक योद्धा बताया। अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधान पार्षद व भाजपा नेता आजाद गांधी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर अतिपिछड़ा समाज पर कर्ज दिया है। यह समाज 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान कर कर्ज उतारेगा।

हॉस्टल में की तोड़फोड़, रूम अलॉटमेंट को लेकर विवाद

एमबीबीएस छात्र और इंटर्नशिप कर रहे डॉक्टर्स में झड़प: जीएमसीएच में दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया जीएमसीएच में गुरुवार की देर शाम एमबीबीएस के स्टूडेंट और इंटर्नशिप कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के बीच जबरदस्त झड़प हो गई। झड़प में दोनों ओर से एक दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। कुछ ही मिनटों में त्रस्ष्ट॥ कैंपस जंग अखाड़े में बदल गया। झड़प की वजह रूम अलॉटमेंट से जुड़ा विवाद बताया जा रहा है, जिसे लेकर एमबीबीएस सेकेंड ईयर और इंटर्नशिप कर रहे डॉक्टर्स आपस में भिड़ गए। झड़प में 10 से अधिक स्टूडेंट्स घायल हैं। दोनों पक्षों में हुई भयंकर मारपीट और हॉस्टल में हुई तोड़फोड़ का वीडियो भी सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ पंकज कुमार शर्मा तीन थानों की पुलिस साथ घटनास्थल पर पहुंचे, जिसके बाद मामले को शांत कराया गया है। तनाव जैसे हालात देखते हुए जीएमसीएच परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। एमबीबीएस सेकेंड ईयर के स्टूडेंट के हॉस्टल में अधिक स्टूडेंट्स होने के कारण उन्हें इंटर्नशिप कर रहे मेडिकल स्टूडेंट्स के हॉस्टल में रखा गया था। इसी पर दोनों गुट के बीच टेंशन बढ़ी। बुधवार की रात गाली-गलौज और हल्की नोकझोंक हुई थी, जिसे सीनियर डॉक्टरों की हस्तक्षेप से रात में ही शांत करा लिया गया। मामले को लेकर गुरुवार सुबह से ही पूरे मेडिकल कॉलेज में गहमा-गहमी छाई रही।

इंटर्नशिप कर रहे डॉक्टर्स को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

इंटर्न स्टूडेंट्स ने ये बात जाकर सहपाठियों को बताई। गुस्साए इंटर्नशिप कर रहे मेडिकल स्टूडेंट्स पहले एजुकेशन ब्लॉक और फिर एमबीबीएस कर रहे मेडिकल स्टूडेंट्स के हॉस्टल पहुंच गए। देखते ही देखते इंटर्न स्टूडेंट्स का जुटान शुरू हो गया। इसके बाद दोनों के बीच जबरदस्त मारपीट शुरू हो गई। दोनों ने एक दूसरे को दौड़ा दौड़ाकर पीटा। एसडीपीओ ने दोनों पक्षों के स्टूडेंट्स की बात सुनकर उनका पक्ष जाना और फिर घंटे भर के मशक्कत के बाद मामला किसी तरह शांत कराया गया। फिलहाल तनाव की स्थिति को देखते हुए जीएमसीएच परिसर को पुलिस की छावनी में बदल दिया गया है। कॉलेज के उपाधीक्षक डॉक्टर भारत कुमार ने बताया कि मामला दो छात्रों से जुड़ा है। ये मामला मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के अंदर है। जीएमसीएच के प्रिंसिपल प्रो. डॉ. गौरी कांत मिश्रा ने एमबीबीएस स्टूडेंट्स और इंटर्न कर रहे मेडिकल स्टूडेंट्स को तत्काल प्रभाव से छात्रावास खाली करने का आदेश दिया है। इसके लिए नोटिस भी जारी कर दिया गया है। बता दें कि जीएमसीएच में एमबीबीएस फर्स्ट और सेकेंड ईयर की पढ़ाई चल रही है। इसी बीच एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर मेडिकल कॉलेज में करीब 300 जूनियर डॉक्टर इंटर्न कर रहे हैं, लेकिन एमबीबीएस के छात्र इन जूनियर डॉक्टरों को कोई तव्वजों नहीं देते हैं। दोनों पक्ष में अक्सर आपसी कहासुनी होती रहती है। गुरुवार की देर शाम भी इंटर्नशीप डॉक्टर और एमबीबीएस छात्रों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हो गया।

माफी मांगने कहा था

एमबीबीएस सेकेंड ईयर के स्टूडेंट्स कॉलेज प्रिंसिपल से शिकायत करने पहुंचे, लेकिन प्रिंसिपल के न होने से वे वापस लौट गए। इसके ठीक बाद ही एमबीबीएस स्टूडेंट्स ने इंटर्नशिप कर रहे मेडिकल स्टूडेंट को माफी मांगने के लिए रोका और माफी मांग को कहा, जिससे मामला शांत हो जाए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

बांझपन निवारण शिविर का आयोजन

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड के महुडर पंचायत के महुलियाटांड़ गांव में शुक्रवार को पशुपालन विभाग के सौजन्य से पशु बांझपन निवारण शिविर आयोजन का किया गया। शिविर में एक दर्जन से अधिक बांझपन बीमारी से ग्रसित पशुओं का जबकि दर्जनों सामान्य पशुओं का चिकित्सीय जांच कर एवं पशुपालकों को निःशुल्क दवा दिया गया। इस अवसर पर कौआकोल भ्रमशील पशु चिकित्सालय के टीभीओ डॉ० हरिशंकर शरण ने कहा कि पशुओं में बांझपन सबसे बड़ी समस्या है। उन्होंने शिविर में पशुपालकों को बताया कि बांझ गाय, भैंस, बाछी व पारी को कैसे सही समय पर गर्भवती किया जाये। उन्होंने कहा कि दुधारु गाय, भैंस बच्चा देने के लिए छह से नौ माह तक तथा बाछी व पारी तीन से पांच साल तक गर्भवती नहीं होती उसे बांझ कहा जाता है। ऐसे पशुपालकों को निश्चित रुप से चिकित्सीय सलाह की आवश्यकता होती है। इस शिविर का उद्देश्य यही है कि उन गाय, भैंस, बाछी व पारी को दुधारु बनाकर पशुपालकों को लाभ पहुंचाना है तथा शंकर नस्ल के पशुओं के प्रति अभिरुचि जगाना है। मौके पर डॉ० राकेश रंजन, डॉ० मनोज कुमार, संतोष कुमार, आलोक, सुरेंद्र, सुधीर आदि मौजूद थे।

जागृति जत्था का सफल समापन

नवादा (नि.सं.)। वित्तरहित शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी संघ के विश्वविद्यालय प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शंभू नाथ सिंहा के आह्वान पर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश कानन के नेतृत्व में 07 जनवरी से जागृति जत्था निकाली गई। यह जत्था नवादा, गया, जहानाबाद, अरवल और औरंगाबाद जिलों के सभी अनुदानित महाविद्यालयों का दौरा कर शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रही है। तेरह दिनों तक चली इस यात्रा का भव्य समापन आज सूर्य भगवान की पवित्र नगरी देव के महाराणा प्रताप वेलसरा देव में हुआ। पूरे जत्था अभियान के दौरान कर्मचारियों में अपार उत्साह देखा गया। विभिन्न महाविद्यालयों में जत्था का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। जत्था के साथ चल रहे नेताओं के सम्मान में महाविद्यालयों के प्राचार्यों की अध्यक्षता में सभाएं आयोजित की गईं, जहां शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा कर समाधान खोजने का प्रयास किया गया। संघ की प्रमुख मांगों में शामिल हैं: सत्र 2014-17 का अनुदान जल्द जारी किया जाए, सेमेस्टर 1 परीक्षा की कॉपी मूल्यांकन का पारिश्रमिक शीघ्र भुगतान किया जाए, BA, BSc, BCom परीक्षा की कॉपी का मूल्यांकन विश्वविद्यालय में ही कराया जाए, विश्वविद्यालय पदाधिकारियों को UR नहीं बनाया जाए, चयन समिति का गठन जल्द किया जाए, संबद्ध डिग्री कॉलेज के शिक्षकों को Ph.D. में गाइड बनाया जाए, विश्वविद्यालय द्वारा जांच समिति की रिपोर्ट आवेदकों को उपलब्ध कराई जाए। इन्हीं मांगों को लेकर 29 जनवरी को विश्वविद्यालय मुख्यालय पर विशाल आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में हजारों की संख्या में शिक्षकों और कर्मचारियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित पदाधिकारी: डॉ. कुमार राकेश कानन, प्रदेश उपाध्यक्ष; प्रो. बांके बिहारी, प्रदेश सचिव; डॉ. नरेन्द्र सिंह, नवादा जिलाध्यक्ष; डॉ. रामविनय कुमार सिंह, अरवल जिलाध्यक्ष; डॉ. शिवकुमार सिंह, जहानाबाद जिलाध्यक्ष; प्रो. लालसा कुमारी, महासचिव, मगध विश्वविद्यालय कमिटी। इसके अलावा प्रदेश, जिला एवं महाविद्यालय के सभी पदाधिकारी और बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ के सदस्य भी उपस्थित रहे।

पैक्स चुनाव के लिए पुलिस ने की समीक्षा

नरहट (नवादा) (नि.सं.)। शेखपुरा पैक्स का आगामी 28 जनवरी को होने वाले पैक्स चुनाव की तैयारी में पुलिस प्रशासन जुट गई है। पैक्स चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था का समीक्षा की गई। शुक्रवार को थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर उमाशंकर सिंह पुलिस पदाधिकारी के साथ पैक्स मतदान केंद्र का भौतिक सत्यापन किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस दौरान उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय शेखपुरा में बनाये गए पैक्स बूथ का सत्यापन किया गया। आपको बता दें कि शिकायत के आलोक में नरहट प्रखण्ड के शेखपुरा पैक्स का चुनाव स्थगित कर दिया गया था। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार तिथि निर्धारित कर चुनाव कराया जा रहा है।

अमित शाह ने रिशांग राज शर्मा को बधाई दी

पकरीबरावां (नवादा) (नि.सं.)। रिशांग राज शर्मा भाजपा प्रदेश प्रवक्ता बिहार के द्वारा संगठन की मजबूती एवं पार्टी में बेहतर कार्य प्रदर्शन ईमानदारी पूर्वक दायित्व का निर्वाहन एवं समर्पण को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री माननीय अमित शाह ने प्रदेश प्रवक्ता भाजपा रिशांग राज शर्मा को बधाई संदेश भेजकर नववर्ष की शुभकामना देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया है। साथी ही इन्होंने बधाई संदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत 2047 के लिए प्रदेश प्रवक्ता रिशांग राज शर्मा सहित उनके सहयोगियों को मजबूती के साथ पार्टी के निर्णय एवं रणनीति को सफल बनाने का आह्वान किया। जिसके लिए प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आभार प्रकट करते हुए पार्टी के लिए केंद्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश निर्णय एवं संकल्प को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को विश्वास दिलाते हुए आभार व्यक्त किया।

जॉबकार्ड बनाने के लिए कैम्प का निर्देश

नवादा (नि.सं.)। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं कार्यक्रम पदाधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। उप विकास आयुक्त, नवादा द्वारा बताया गया कि सर्वेक्षण के क्रम में विभिन्न माध्यमों से जॉबकार्ड नहीं बनाने की शिकायत प्राप्त हो रही है। विभागीय निदेश के आलोक में सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को प्रखंड स्तर पर विशेष शिविर का आयोजन कर संबंधित परिवारों का जॉबकार्ड बनाने का निदेश दिया गया। जॉबकार्ड बनवाने हेतु संबंधित परिवार के मुखिया से आधार कार्ड की प्रति अवश्य प्राप्त कर लिया जाए, ताकि जॉबकार्ड बनाने में विलंब न हो। शिविर में ग्रामीण आवास सहायक तथा पंचायत रोजगार सेवक की उपस्थिति संबंधित पदाधिकारी सुनिश्चित करायेंगें। विशेष कैम्प के आयोजन की सूचना सभी जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को अचूक रूप से उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। सर्वेक्षण के क्रम में यह पाया जाता है कि संबंधित परिवार के पास जॉबकार्ड उपलब्ध नहीं है तो उनसे आधार कार्ड प्राप्त कर उसी तिथि को संबंधित ग्राम पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक को जॉबकार्ड बनाने हेतु सूची उपलब्ध करा दी जाए। संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि अविलंब संबंधित परिवारों का जॉबकार्ड निर्गत कर दिया जाए। यदि इसके बावजुद जॉबकार्ड नहीं बनाने की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित कर्मी/पदाधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आवास विहिन परिवारों के सर्वेक्षण हेतु प्राधिकृत सर्वेयर द्वारा किये गये सर्वेक्षण कार्यों की प्रतिदिवस संध्या में अनुश्रवण करना सुनिश्चित करेंगें। जिला कल्याण पदाधिकारी, नवादा द्वारा बताया गया कि सभी विकास मित्र के पास महादलित टोलावार रजीस्टर संधारित है, जिसमें सभी परिवारों के आवास का डाटा भी अंकित है। परिवारों का सर्वेक्षण कर सकते हैं। उप विकास आयुक्त, नवादा द्वारा सभी प्रखंड विकास प्रखंड पदाधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि प्राधिकृत सर्वेयर को प्राथमिकता के आधार पर सभी महादलित टोला/बस स्टैंड आदि स्थानों पर सर्वेक्षण कर पात्र व्यक्तियों का सर्वेक्षण करवाना सुनिश्चित करेंगें।

जिलाधिकारी द्वारा जनता दरबार में शिकायतों का हुआ ऑन स्पॉट निष्पादन

» जनता दरबार में आपूर्ति, विद्युत, भूमि विवाद, राजस्व, मद्य निषेध, शिक्षा, भू अर्जन, पारिवारिक विवाद, अतिक्रमण, आपदा, राशन कार्ड आदि से संबंधित मामले आए।

निज संवाददाता | नवादा

जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने समाहरणालय सभाकक्ष में जनता दरबार का आयोजन कियें। आज की जनता दरबार में कुल 48 आवेदन आये, जिसमें कई आवेदनों को ऑन स्पॉट निष्पादन कर दिया गया। जनता दरबार में आपूर्ति, विद्युत, भूमि विवाद, राजस्व, मद्य निषेध, शिक्षा, भू अर्जन, पारिवारिक विवाद, अतिक्रमण, आपदा, राशन कार्ड आदि से संबंधित मामले आए। जनता दरबार में थाना-कौआकोल, ग्राम-मंझवे के भरत प्रसाद द्वारा ऑनलाईन जमाबंदी के संबंध में, अंचल-हिसुआ, ग्राम-बढ़ौना के छोटन सिंह द्वारा जमीन मापी के संबंध में, थाना-कौआकोल, ग्राम-कौआकोल के राजकुमार रजक द्वारा नाली निर्माण के संबंध में, अंचल-सिरदला, थाना-परनाडाबर, पंचायत-घघट, साकिन-कारीगिधी के शांति देवी द्वारा आवास योजना के संबंध में, प्रखंड-नवादा सदर, पुरानी बाजार के सुरेश प्रसाद द्वारा जान मारने की धमकी के संबंध में आवेदन दिया गया। सभी आवेदनों को निष्पादित करने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। साकिन-महुआईन के विशुनदेव चौधरी द्वारा सर्वे में गलत नाम चढ़ाने के संबंध में, प्रखंड-हिसुआ,

इच्छुक आवेदक/आवेदिकाएं अवसर का उठा सकते हैं लाभ

नवादा (नि.सं.)। जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, नवादा द्वारा आज संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई0टी0आई0) नवादा के प्रागंण में एक दिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया जायेगा। इस कैम्प में यशस्वी स्कीलस लि0 पूने (महाराष्ट्र) की कम्पनी के द्वारा असम्बेली/प्रोडक्शन/क्वालिटि ऑपरेटर के 20 पद के लिए योग्यता दसवीं/इन्टर/आई0टी0आई0/डिप्लोमा होना चाहिए। वेतन 11000 से 16000 के साथ कैटिंन एवं मेडिकल की सुविधा। आ0डी0 कार्ड की छायाप्रति रंगीन फोटो एवं बायोडाटा के साथ चयन हेतु कैम्प स्थल संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई0टी0आई0) नवादा के प्रागंण में आकर इस अवसर का लाभ उठा सकते है।

गणतंत्र दिवस को ले सांस्कृतिक कार्यक्रम में मॉडर्न के कलाकारों ने मचाया धमाल, श्रोता हुए बागबाग

निज संवाददाता | नवादा

दक्षिण बिहार एवं झारखंड के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में से एक मॉडर्न इंग्लिश स्कूल कुंती नगर के बहुउद्देशीय सभागार में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस आयोजन में शामिल सैकड़ों विद्यालय के प्रतिभागियों ने संगीत, नृत्य, वाद्य यंत्रों के वादन आदि की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के निदेशक आदरणीय डॉ० अनुज सिंह, मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्षा, प्राचार्य गोपाल चरण दास, उप्राचार्य मिथिलेश कुमार विजय, वरिष्ठ शिक्षक धर्मवीर सिंहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगाज करने की अनुमति प्रदान की। उसके बाद छात्रों ने स्वागत गीत एवं राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति दी। इसके बाद विद्यालय के नर्सरी कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के छात्र व छात्राओं ने एक से बढ़कर एक विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बहुत हीं सुंदर प्रस्तुति दी, जिनमें नृत्य, संगीत, और नाटक शामिल थे। इन कार्यक्रमों में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रिद्धि, रुचिका, सौभ्या, अनुप्रिया ने स्वागत गीत के साथ किया, पुनः मैं रहूं या ना रहूं गीत पर सुप्रिया, कनिका, अंजलि, प्रिंसी ने शानदार प्रस्तुति दी। हर करम अपना करेंगे गीत पर चतुर्थ वर्ग के प्रज्ञा, सलोनी, आरोही ने दर्शकों का अपनी प्रस्तुति से दिल जीत लिया। बड़ा निक लागे अपना देशवा के माटी लोक नृत्य पर हर्षिता, न्यासा, नंदिनी, आरोही ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आकर्षण केंद्र खुशी, श्वेता, आराध्या के द्वारा योद्धा बन गई मैं नृत्य एवं रानी के द्वारा शिव तांडव तथा शानवी, रिद्धि, सुप्रिया के द्वारा कालबेलिया नृत्य रहा। इस तरह 4 घंटे तक चल सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने एक से एक बढ़कर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम को देखने के लिए हमारे विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, और अभिभावकों के अलावा स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे। सभी ने इस कार्यक्रम की सराहना की और हमारे विद्यालय के छात्रों की प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में, हमारे विद्यालय के निदेशक एवं प्राचार्य ने सभी को धन्यवाद दिया और गणतंत्र दिवस के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य, उपप्राचार्य मिथिलेश कुमार विजय, धर्म प्रकाश आशुतोष रंजन, राहुल कुमार, नीरज कुमार, विस्मित साहू, दिव्या कुमारी,लकी कुमारी, राकेश रोशन, पवन सर, अनिल सर, पुरुषोत्तम सर सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने सड़क सुरक्षा को लेकर किया लोगों को जागरूक

निज संवाददाता | नवादा

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा व्यापक जन जागरूकता हेतु आज प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय नवादा, परिवहन विभाग नवादा एवं समाहरणालय गेट के पास कला जत्था के टीम ने नुक्कड़ नाटक (हड़बड़-गड़बड़) के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के बारे में जानकारी दी। नुक्कड़ नाटक टीम के सदस्यों ने लोगों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग करने, चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने, अत्यधिक रफ्तार से गाड़ी नहीं चलने व जेबरा क्रॉसिंग पर गाड़ी धीरे करने की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी नवीन कुमार पाण्डेय ने लोगों से कहा कि दुर्घटना अत्यधिक दुखदाई होती है। जनवरी माह में हमलोगों के द्वारा सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। जिसके तहत हमलोग विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कर रहे हैं। जैसे-हेलमेट चेकिंग अभियान, सीटबेल्ट चेकिंग अभियान, पेट्रोल पम्प पर नो हेलमेट, नो डीजल नो पेट्रौल अभियान का जॉच करवा रहे हैं। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि लोग हेलमेट पहन कर चलें, सीट बेल्ट लगाकर चलें। ताकि जो दुर्घनाएं हो रही है, उसमें कमी आये जिससे लोग सनें और जागरूक होवें। तभी सड़क दुर्घअनाओं में कमी आयेगी। अपने साथ-साथ दूसरों के सुरक्षा को भी महत्व दें। हेलमेट पहनने से आप सुरक्षित रहेंगे। आप अपने बच्चों के एवं अपने परिवार के भविष्य को खराब ना होने दें। सड़क पर चलते हुए अपनी एवं दूसरों का सुरक्षा का ख्याल रखें।

शांति भंग करने वाले पर होगी कार्रवाई

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

थाना परिसर में शुक्रवार को सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक महेश चौधरी की उपस्थिति में अध्यक्षता थानाध्यक्ष रुपेश कुमार सिन्हा ने की। थानाध्यक्ष ने कहा सरस्वती पूजा विसर्जन के दौरान डीजे नहीं बजाने व अश्लील गाने नहीं बजाने हैं, और लाइसेंस अनिवार्य है। जिसमे कमेटी के सदस्यों का नाम मोबाइल नंबर देने सहित कई आवश्यक निर्देश दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि सरस्वती पूजा को शांति एवं सौहार्द वातावरण में मनाएं। बैठक में अंचल अधिकारी राजेश कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष अजय राय, नगर परिषद उप मुख्य पार्षद अरुण कुमार, राजेश कुमार सहित दर्जनों प्रतिनिधि मौजूद थे।

श्री बाबू स्मारक निर्माण को लेकर ग्रामीणों की बढ़ती मांग

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (श्री बाबू), जिन्होंने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की प्रगति में अतुलनीय योगदान दिया, उनकी जन्मस्थली खनवां (नवादा, बिहार) एवं ननिहाल से संबंधित मुख्यमंत्री की पूर्व घोषणाएँ अभी तक अपूर्ण हैं। इन अपूर्ण घोषणाओं को पूरा करने के लिए सरकार से मांग तेज हो गई है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपने वादे को पूरा करने की अपील की है। श्री कृष्ण सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि 5 नवंबर 2013 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खनवां में श्री बाबू की ताम्रकाशी प्रतिमा स्थापित करने, 2 एकड़ भूमि में एक पार्क, पुस्तकालय, वाचनालय, अतिथिशाला एवं म्यूजियम के निर्माण की घोषणा की थी। हालाँकि, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, सुपर पावर ग्रिड और अस्पताल जैसी अन्य घोषणाएँ पूरी हो चुकी हैं, किंतु श्री बाबू के सम्मान में घोषित यह स्मारक परियोजना आज भी अधूरी पड़ी है। \हर वर्ष 31 जनवरी (पुण्यतिथि) एवं 21 अक्टूबर (जन्मतिथि) पर जब लोग श्रद्धांजलि देने आते हैं, तो श्री बाबू की प्रतिमा न होने के कारण वे अत्यंत दुःखी एवं निराश महसूस करते हैं। ग्रामीणों की यह माँग है कि खनवां को बिहार के ऐतिहासिक धरोहर स्थलों में शामिल किया जाए और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने बिहार के औद्योगीकरण, शिक्षा और सामाजिक सुधारों में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनकी असाधारण सेवाओं को ध्यान में रखते हुए, बिहार सरकार को केंद्र सरकार से आग्रह करना चाहिए कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। यह न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात होगी। ग्रामीणों की प्रमुख माँगें हैं कि खनवां में श्री बाबू की आदमकद ताम्रकाशी प्रतिमा की स्थापना, पुस्तकालय, वाचनालय, अतिथि भवन एवं म्यूजियम का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाए। खनवां को एक स्मारक स्थल के रूप में विकसित किया जाए, जहाँ भव्य संग्रहालय एवं शोध केंद्र स्थापित हो। खनवां को बिहार राज्य के पर्यटन/ऐतिहासिक स्थलों की सूची में शामिल किया जाए और इसके लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ, जैसे सड़क, बिजली, जलापूर्ति, स्वास्थ्य केंद्र एवं पर्यटक सुविधाओं का समुचित विकास किया जाए। इसके साथ ही, श्री बाबू को भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए बिहार सरकार केंद्र सरकार से आधिकारिक सिफारिश करे। यदि राज्य सरकार शीघ्र कार्यवाही नहीं करती है, तो फाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि 'स्टेचू ऑफ यूनिटी' की तर्ज पर बिहारवासियों से लोहा एकत्र कर एक विशाल प्रतिमा निर्माण का संकल्प लिया गया है। उन्होंने राज्य सरकार से इस महत्वपूर्ण परियोजना को शीघ्र पूरा करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की है, ताकि बिहार की भावी पीढ़ी अपने इस महान नेता को उचित सम्मान प्रदान कर सके।

गणतंत्र दिवस पूर्वाभ्यास का अंतिम दिन, एसडीओ-एसडीपीओ ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

अनुमण्डल मुख्यालय स्थित इंटर विद्यालय के मैदान में तीन दिनों से चल रहे गणतंत्र दिवस परेड के पूर्वाभ्यास के अंतिम दिन शुक्रवार को एसडीओ आदित्य कुमार पीयूष व एसडीपीओ गुलशन कुमार ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुबोध कुमार, इंटर विद्यालय खनपुरा के पूर्व प्रधानाचार्य अनिल कुमार एवं इंटर विद्यालय के शिक्षक संजीव रंजन भी मौजूद रहे। एसडीओ ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाने की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। इसे खास बनाने के लिए छात्र-छात्राओं व पुलिस जवानों की विभिन्न टुकड़ियां पिछले तीन दिनों से मैदान में पूर्वाभ्यास करते जमकर मेहनत कर रही है। जिसका परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास का भी निरीक्षण किया गया। अनुमण्डल प्रशासन ने तिरंगा झंडा का सम्मान सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाया है। लोग साइकिल, बाइक, दुकान, मकान पर झंडा लगा देते हैं। हवा से गिर जाने पर भी उसकी सुध तक नहीं ली जाती है। रोड पर झंडा बिखरा नजर आता है। इसके प्रति लोगों को जागरूक करने का जिम्मा स्थानीय प्रशासन ने नगर पंचायत को दिया है। साथ ही कहा कि इसको लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। सफाईकर्मियों को खासतौर पर निर्देश दिया गया है कि कहीं झंडा गिरा देखे तो उसे उठाकर सुरक्षित स्थान पर रख दें। पूर्वाभ्यास के निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन रेखा कुमारी के अलावे स्कूली बच्चे एवं पुलिसबल मौजूद रहे।

जयंती पर श्रद्धा पुर्वकयाद किये गए जन नायक

निज संवाददाता | वारिसलीगंज (नवादा)

प्रखण्ड जदयू कार्यालय में प्रखण्ड अध्यक्ष अजय राय एवं नगर अध्यक्ष रणविजय कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में तथा जिला महासचिव सह नगर परिषद उपाध्यक्ष अरुण कुमार एवं जदयू जिला उपाध्यक्ष महेश भाई पटेल तथा वरिष्ठ नेता महासचिव चंद्रमौली शर्मा की उपस्थिति में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई गई। इस मौके पर जदयू कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर पूर्व सीएम के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा से याद किया। प्रखण्ड अध्यक्ष ने कर्पूरी ठाकुर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन हमेशा कमजोर वर्ग के लोगों के लिए समर्पित रहा तथा वे सदैव इसी वर्ग के लिए परिश्रम करते रहे। वक्ताओं ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश के नेता थे। उनके बताए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित समुदायों के लिए संघर्ष में लगा दिया। कर्पूरी ठाकुर हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और समाज के वंचित लोगों के लिए आवाज बुलंद करते रहते थे। मौके पर अनिल सिंह, अनिल यादव, मिडिया प्रभारी विकास कुमार सन्नी, पत्रकार मिथिलेश कुमार, मनीष कमलिया, श्रवण, दयानन्द पासवान, भगवान सिंह चन्द्रवंशी, इंद्रदेव कुशवाहा, अमोद कुमार, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

जदयू कार्यालय में मनाई गई पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर की जयंती

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड जदयू कार्यालय कौआकोल में प्रखण्ड अध्यक्ष दिलीप कुशवाहा की अध्यक्षता में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई गई। इस मौके पर जदयू कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर पूर्व सीएम के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा से याद किया। प्रखण्ड अध्यक्ष दिलीप कुशवाहा ने कर्पूरी ठाकुर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन हमेशा कमजोर वर्ग के लोगों के लिए समर्पित रहा तथा वे सदैव इसी वर्ग के लिए परिश्रम करते रहे। वक्ताओं ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश के नेता थे। उनके बताए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित समुदायों के लिए संघर्ष में लगा दिया।

जदयू के मुख्य प्रवक्ता सह पूर्व मंत्री एमएलसी नीरज कुमार भी हुए सम्मिलित

निज संवाददाता | (रजौली) नवादा

मुख्यालय स्थित अर्चना होटल सभागार में जदयू कार्यकर्ताओं के द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती धूमधाम से मनाई गयी। वहीं अपने निजी कार्यों से झारखंड यात्रा पर जा रहे दल के मुख्य प्रवक्ता पूर्व मंत्री एमएलसी नीरज कुमार ने रूककर जननायक के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित किया। एमएलसी ने जननायक के सार्वजनिक जीवन की शुचिता को राजनीति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बताते हुए उनके कार्यों व जीवन वृत्त को अनुकरणीय बताया। बाद में निर्धारित कार्यक्रम में जुटे जदयू कार्यकर्ताओं ने प्रखंड अध्यक्ष कारू सिंह के नेतृत्व में भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि सह जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार मुन्ना ने पूर्व मुख्यमंत्री के प्रति दल व मुख्यमंत्री के सम्मान भाव की चर्चा की तथा जननायक को भारत रत्न देने हेतु मुख्यमंत्री नितीश कुमार व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला महासचिव अनिरुद्ध प्रसाद प्रखंड उपाध्यक्ष अजय यादव, युवा जद यू प्रखंड अध्यक्ष संदीप कुमार, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष विजय आदर्शी, रजौली पूर्वी पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार आदर्शी, पश्चिमी पंचायत अध्यक्ष अवधेश पाण्डेय, नगर अध्यक्ष संतोष शर्मा, लेंगुरा पंचायत अध्यक्ष संजय प्रसाद, बहादुरपुर पंचायत अध्यक्ष अजय प्रसाद, फरका बुजुर्ग पंचायत अध्यक्ष राजू यादव, अमावा पूर्वी अध्यक्ष मनोज यादव, पिछड़ा प्रकोष्ठ के, पिछड़ा प्रकोष्ठ के अरुण चंद्रवंशी, मो. साबिर, मंटू सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दबंगईः बैकुंठपुर में बिना बिल दिए लोग जला रहे बिजली

इटाढ़ी। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी बिजली बिल के बड़े बकाएदारों के खिलाफ सख्त है। कंपनी की टीम इटाढ़ी प्रखंड क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव में पहुंची, जहां की स्थिति यह थी कि 90 फीसदी उपभोक्ताओं ने महीनों से बिजली बिल जमा नहीं किया था। पर टीम के सदस्यों को गांव के लोगों ने पोल पर चढ़ने ही नहीं दिया। स्थिति यह बनी की टीम को बगैर किसी का कनेक्शन काटे वापस लौटना पड़ा। ऐसी स्थिति में बकाएदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी। लोगों को चेतावनी दी गई कि जल्द से जल्द बिजली का बकाया बिल जमा कर दें। बैकुंठपुर पहुंची टीम में कन्हैया कुमार, त्रिदेव कुमार व तनु शर्मा शामिल थे। इटाढ़ी के वार्ड संख्या 5 में भी साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की टीम पहुंची। वहां 10 लोग बड़े बकाएदार थे। टीम के पहुंचने के बाद कई लोगों ने बिजली बिल जमा किया, जिसके बाद उनका कनेक्शन नहीं काटा गया। अन्य लोगों को जल्द बिजली बिल जमा करने की हिदायत दी गई।

शिक्षण कार्य में लापरवाही 6 शिक्षकों का वेतन बंद

केसठ। ग्रामीणों की शिकायत के बाद बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने गुरुवार को मध्य विद्यालय दंगौली व प्राथमिक विद्यालय दक्षिण डेरा का निरीक्षण किया । इस दौरान काफी खामियां उजागर हुई। दंगौली के ग्रामीणों ने विद्यालय में पठन पाठन में शिक्षकों द्वारा लापरवाही बरतने, बच्चों की उपस्थिति कम रहने के बावजूद बढ़ा कर बनाने सहित अन्य आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। बीडीओ ने एक सप्ताह के बच्चों की उपस्थिति के आधार पर निरीक्षण किया जिसमें बच्चो की उपस्थिति कम पाया गया। शौचालय की सफाई नहीं की गई थी। बच्चों ने भी बीडीओ से शिक्षकों द्वारा नही पढ़ाए जाने का आरोप लगाया गया। बीडीओ ने सभी शिक्षकों को फटकार लगाते हुए गुणवक्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ ही साफ सफाई के प्रति सजग रहने का निर्देश दिया।

माउंट लिट्रा जी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

बक्सर। माउंट लिट्रा जी स्कूल, बक्सर में 23 जनवरी से वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत भव्य आयोजन के साथ हुई। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों और गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, जो 25 जनवरी तक चलेगी। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति ने छात्रों का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर सी एम सिंह ने उद्घाटन किया। उनके साथ अंतर्राष्ट्रीय वुशू स्वर्ण पदक विजेता दीक्षा सिंह और राष्ट्रीय पदक विजेता निधि सिंह भी मौजूद रहीं। इनके साथ विद्यालय के ट्रस्टी बबन सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह और कुमकुम सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। खेलों का महत्व और उद्देश्य प्रधानाध्यापक डॉक्टर एस के सिंह ने अपने स्वागत भाषण में छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता छात्रों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने और उनके व्यक्तित्व को निखारने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने घोषणा की कि प्रतियोगिता का समापन 25 जनवरी को होगा और विजेताओं को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। समापन और सम्मान समारोह प्रतियोगिता के अंतिम दिन फाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर विद्यालय में विशेष समारोह आयोजित होगा, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

छात्रवृत्ति योजनाओं को ले 10 मार्च तक होगा आवेदन

बक्सर। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जाति प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जनजाति प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पीएमएस पोर्टल को खोला गया है। उक्त पोर्टल पर 10 मार्च तक आवेदन किया जा सकता है। एससी व एसटी वर्ग के छात्र/छात्रा https://scstpmsonlin e.bihar.gov.in. व पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्र/छात्रा https://pmsonline.bi har.gov.in पर आवेदन कर सकती हैं। वहीं संबंधित शैक्षणिक संस्थान https://instpmsonlin e.bihar.gov.in के माध्यम से 10 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

682 लाभुकों के बीच 3087.72 लाख रुपए का हुआ लोन वितरण

बक्सर। गुरूवार को अग्रणी जिला बैंक एवं जिला उद्योग केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में जिले के विभिन्न बैंकों की ओर से जिला उद्योग केंद्र के सभागार में लोन वितरण शिविर का आयोजन किया गया। रोजगार के अवसर मुहैया कराने के उद्देश्य से लोन का वितरण किया गया। शिविर में प्रभारी पदाधिकारी बैंकिंग सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के द्वारा लाभुकों के बीच लोन का वितरण किया गया। कुल 682 लाभुकों के बीच कुल 3087.72 लाख रुपए का ऋण वितरण किया गया। प्रभारी पदाधिकारी ने कहा कि लाभुक ऋण की राशि के सदुपयोग करते हुए रोजगार को आगे बढ़ने का काम करें। अग्रणी जिला प्रबंधक ने बताया कि कृषि एवं कृषि आधारित उद्यम के लिए 71 लाभुकों के बीच 623.86 लाख, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम के लिए 71 लाभुकों के बीच 916.44 लाख एवं 159 लाभुकों के बीच 1547.72 लाख रिटेल लोन के रूप में वितरित किया गया।

ब्रह्मपुर में आभूषण और बर्तन की दुकान से छह लाख के सोने चांदी के गहनों की चोरी

ब्रह्मपुर। बगेन गोला थाना क्षेत्र के बगेन बाजार स्थित आभूषण एवं बर्तन की दुकान से बुधवार की रात चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर 6 लाख के सोना चांदी के जेवरात की चोरी कर ली। बगेन गोला थाना से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित इस दुकान में चोरी होना पुलिस की कार्य शैली पर सवाल खड़ा करती है।पीड़ित महेश शंकर ने बताया कि बुधवार की रात वे दुकान बंद करके घर चले गए रात में चोरों ने इस घटना का अंजाम दिया।सुबह में जब दुकान खोलने आए तो देखा की दुकान से बहुमूल्य गहनों की चोरी हो गई है,जिसकी जानकारी उन्होंने थाना को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस अगल-बगल के सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है।पीड़ित ने बताया कि पहले भी उनके दुकान के दो बार चोरी हो चुकी है लेकिन आज तक चोरों का कुछ पता नहीं चला।

गणतंत्र दिवस की तैयारी पूरी, किला मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

निज संवाददाता। बक्सर

गणतंत्र दिवस को लेकर किला मैदान में होने वाले परेड में बिहार सशस्त्र पुलिस, बिहार सशस्त्र महिला पुलिस, बिहार रक्षा वाहिनी के साथ-साथ एनसीसी और स्काउट के सदस्यों ने खूब पसीना बहाया। शुक्रवार को अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया।

इस दिन पूर्वाभास का निरीक्षण करने के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल और एसपी शुभम आर्य किला मैदान पहुंचे। परेड के पूर्वाभ्यास का अवलोकन किया। इसके बाद मीडिया से कहा कि परेड को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई है। प्रभारी मंत्री नितिन नवीन की ओर से स्वीकृति मिल चुकी है। सार्जेंट मेजर अमन कुमार मिश्रा की अगुआई में चल रहे परेड के पूर्वाभ्यास से अधिकारी काफी संतुष्ट दिखे। मौके पर डीएम ने कहा कि गणतंत्र दिवस के जश्न के दौरान परेड और कई तरह की तैयारियां कर ली गई है। प्रशासन की ओर से बैरिकेडिंग के साथ-साथ साफ-सफाई और पीने के पानी वॉटर प्रूफ सेड आदि के बेहतर तमाम इंतजाम किए गए है। पुलिस की ओर से लोगों की सुरक्षा के लिए भी इंतजाम किए गए है।

सुरक्षा का पुख्ता इंतजामः 26 जनवरी को लेकर खुफिया एजेंसियां भी अलर्ट मोड में है। बक्सर में जहां पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए है। वहीं दूसरी तरफ आईबी और सीआइडी भी निगरानी कर रही है। सदर डीएसपी धीरज कुमार, डुमरांव अनुमंडल डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी और यातायात निरीक्षक लगातार वाहनों की जांच कर रहे है।

मुख्यमंत्री 7 निश्चय योजना में पूरे राज्य में बक्सर जिला को मिला प्रथम स्थान

निज संवाददाता। बक्सर

डीएम अंशुल अग्रवाल ने गुरुवार को जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र का निरीक्षण एवं संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला निबंधन एवं परामर्श केन्द्र में की गई। इस दौरान पिछले 4 माह से मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना में पूरे राज्य में बक्सर जिला प्रथम स्थान पर है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लक्ष्य माह दिसम्बर 2024 मे ही पूर्ण कर लिया गया है। डीएम ने जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र अंतर्गत संचालित योजनाओं में बेहतर कार्य करने वाले कल्याण विभाग प्रखंड कार्यालय बक्सर के कर्मी गोबिंद कुमारके साथ अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने के लिए प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निदेश दिया। डीएम ने आर्थिक हल युवाओं को बल के तहत संचालित योजनाओं जैसे बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम का विस्तार से गहन समीक्षा की गई। आर्थिक हल युवाओं का बल मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता में सम्मिलित है। संचालित योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के लिए जिला योजना पदाधिकारी, जिला नियोजन पदाधिकारी, प्रबंधक जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के साथ-साथ अन्य सहयोगी विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी बक्सर, जिला नियोजन पदाधिकारी बक्सर, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी बक्सर, प्रबंधक डीआरसीसी, डीपीएम जीविका, डीसीएम एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

बक्सर स्थित एमवी कॉलेज में बनाया गया है प्राक्परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र

मुफ्त कोचिंग में नामांकन के लिए आवेदन 31 तक

निज संवाददाता। बक्सर

पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए सरकारी नौकरी की प्राप्ति में सहयोग के लिए कोचिंग में मुफ्त नामांकन को लेकर आवेदन शुरू हो गया है। नामांकन के लिए 31 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि बिहार स्टेट बैकवर्ड क्लासेज फाइनेंस एंड डेवलेपमेन्ट कॉरपोरेशन, पटना द्वारा संचालित प्राक्परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र बक्सर स्थित एम भी कॉलेज में खोला गया है। छात्र-छात्रा बिना किसी शुल्क के बिहार लोक सेवा आयोग, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, पुलिस सब इंस्पेक्टर आदि परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग प्राप्त कर सकते हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार कुल उपलब्ध सीटों में से 40 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग एवं 60 प्रतिशत सीट अति पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित है। पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं के अनुपलब्धता की स्थिति में अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं का नामांकन किया जा सकेगा।

मूलभूत सुविधाओं के लिए चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा आंदोलन

निज संवाददाता। डुमरांव

डुमरांव के निजी सभागार में रेलयात्री कल्याण समिति सेन्ट्रल कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार सिंह तथा संचालन डॉ एस के सैनी ने किया। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विजेंद्र सिंह यादव तथा राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अनिल कुमार विशेष रूप से मौके उपस्थित थे। बैठक में डुमरांव शाखा के निवर्तमान पदाधिकारियों के विगत वर्ष में किए गए कार्यों की गहन समीक्षा की गई। विगत वर्ष के कार्यों पर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया तथा सख्त चेतावनी देते हुए कहा गया कि स्टेशनों पर रेलयात्रियों की समस्याओं और परेशानी को रेल प्रशासन के समक्ष उठाने में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लड़ेंगे आर पार की लड़ाई बैठक में सर्वसम्मति से डुमरांव शाखा के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया जिसमें मुन्ना यादव को अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में हरेराम सिंह, महामंत्री के रूप में रामबाबू कुशवाहा, संयोजक के रूप में कमल चौरसिया, प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी के रूप में तेजनारायण पांडेय, बक्सर जिला प्रवक्ता के रूप में भुवर सिद्दकी को नई जिम्मेदारियां मिली। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि रेलयात्री कल्याण समिति के संघर्षों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चाहे रेलयात्रियों की मूलभूत समस्या हो, चाहे स्टेशन की समस्या हो या गाड़ियों के परिचालन तथा ठहराव की समस्या हो।इ सकी आवाज निरंतर उठनी चाहिए। रेल प्रशासन के साथ आर पार की लड़ाई होगी। संचालन करते हुए डॉ एस के सैनी ने कहा कि वो डुमरांव शाखा के पदाधिकारियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार है। डुमरांव स्टेशन के विकास के लिए चरणबद्ध आंदोलन होगा जिसके लिए बहुत ही सुदृढ़,संतुलित और सक्षम कमेटी का गठन कर दिया गया है। बैठक में शामिल मुख्य लोगों में मुन्ना यादव, हरे राम ठाकुर, रामबाबू कुशवाहा, कमल चौरसिया, तेज नारायण पाण्डेय, रासबिहारी सिंह, भुवर सिद्दकी, रामजी प्रसाद, सुदर्शन राम, वीरेन्द्र कुंवर, दिलीप केशरी, परशुराम प्रसाद, लक्ष्मण चौधरी, शत्रुघ्न राम, मुकेश माली, बिजली राम आदि लोग मौजूद थे।

चंडीगढ़ की झांकी की कोरियोग्राफी करेंगे बक्सर के अरविंद

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर गणतंत्र दिवस हर भारतीय राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मनाते हैं। इस बार सदर प्रखंड के कुलहड़िया गांव के लिए गणतंत्र दिवस खास होगा। कुलहड़िया गांव निवासी रामकृपाल साह के पोता दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में इतिहास रचने वाले हैं। बक्सर जिले के छोटे से गांव से निकले रमेश चंद गुप्ता के पुत्र अरविंद कुमार का चयन कर्तव्य पथ परेड के दौरान निकाली जाने वाली स्वर्णिम भारत विरासत और विकास थीम पर बनी चंडीगढ़ की झांकी का कोरियोग्राफी करने के लिए हुआ है। वे इस झांकी में योगा करते हुए नजर आएंगे। गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर निकाली जाने वाली झांकी में अरविंद को टीवी पर देखने के लिए परिवार और गांव में खासा उत्साह है।

झांकी में दिखेगा विरासत और विकास का मिश्रण : अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि झांकी में चंडीगढ़ विरासत, नवाचार और स्थिरता का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण दिखेगा, जिसे सिटी ब्यूटीफुल के नाम से जाना जाता है। यह झांकी चंडीगढ़ के सार को खूबसूरती से दर्शाती है, जिसमें विरासत और विकास का मिश्रण है। यह वैश्विक पर्यटक आकर्षण के रूप में इसकी पहचान को पुख्ता करता है। इसकी सोची-समझी शहरी योजना, हरियाली, शांतिपूर्ण जीवनशैली और अनूठी वास्तुकला मनमोहक कायाकल्प का तालमेल बनाती है। उन्होंने बताया कि झांकी में नेक चंद के प्रतिष्ठित रॉक गार्डन को दर्शाया गया है। मोजेक भित्ति चित्रों के साथ विधानसभा की विरासत की दीवार और धनास झील पर भारत के सबसे बड़े तैरते सौर पैनल चंडीगढ़ की तकनीकी उन्नति और पारिस्थिति जिम्मेदारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। झांकी में पियरे जेनेरेट की उत्कृष्ट कृति गांधी भवन और सिटी प्लाजा में रूस्टर बर्ड फाउंटेन भी दिखाया गया है। झांकी में यह भी दिखाया गया है कि चंडीगढ़ में 300 किलोमीटर लंबा साइकिल ट्रैक है, जो भारत में सबसे बड़ा है। इसमें 5000 साइकिल और 617 डॉकिंग स्टेशनों के साथ एक सघन सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम है।

बीते वर्ष भी एआई झांकी की कर चुके हैं कोरियोग्राफी अरविंद बीते वर्ष गणतंत्र दिवस पर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की टेबलऑक्स में बारह कलाकारों की कोरियोग्राफी कर चुके हैं। वहीं इस बार चंडीगढ़ की झांकी में 10 कलाकारों के साथ बतौर आर्टिस्ट कोरियोग्राफी कर रहे हैं। दो वर्ष पूर्व स्टेट युनिवर्सिटी परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स से अभिनय में स्नातक, परास्नातक डिग्री प्राप्त की है। इसके साथ ही बाल रंगमंच में एनएसडी से ड्रामा इन एजुकेशन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

बक्सर गोलंबर से भोजपुर तक NH-922 पर लगा जाम, ट्रक चालक बोले-सहयोग के बजाएं जुर्माना वसूल रहा प्रशासन

निज संवाददाता। बक्सर

डीएम ने कहा जल्द समाधान होगा

बक्सर गोलंबर से लेकर नया भोजपुर तक एक लेन में जाम के कारण पटना से बक्सर आने वाली गाड़ियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रक चालकों को भी लंबे समय तक जाम में फंसकर भोजन जैसी बुनियादी जरूरतें ट्रक में ही पूरी करनी पड़ रही हैं। वही फोर लेन सड़क पर बढ़ती जाम की समस्या ने पटना से बक्सर आने वाले यात्रियों को वैकल्पिक साधन अपनाने पर मजबूर कर दिया है। प्रशासन की ओर से जल्द समाधान की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गोलंबर से नया भोजपुर तक जाम की समस्या अब आम बात हो गई है। बक्सर में लंबी जाम का कारण यूपी के बलिया जिले में वाहनों के प्रवेश पर कागजात जांच में हो रही देरी के कारण लग रहा है।जाम की समस्या का समाधान न होने के कारण लोग पटना से बक्सर सड़क मार्ग पर सफर करने से बच रहे हैं और ट्रेन यात्रा को तरजीह दे रहे हैं। नगर के गोलंबर पर जाम की स्थिति इतनी खराब है कि एनएच-922 पर दलसागर तक अहले सुबह ही वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

ट्रक चालकों की परेशानीः नया भोजपुर के पास चार घंटे से अधिक समय से जाम में फंसे ट्रक चालक महमूद ने बताया कि वे ट्रक में बालू लोड करके यूपी के गाजीपुर जा रहे थे, लेकिन जाम के कारण 12 बजे तक वहीं फंसे रहे। उन्होंने यह भी शिकायत की कि प्रशासन द्वारा सहयोग करने की बजाय उल्टा 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है।

जाम ने फोर लेन सड़क का उद्देश्य विफल कियाः स्थानीय निवासी अभिमन्यु कुशवाहा ने कहा कि जिस उद्देश्य से बक्सर-पटना फोर लेन सड़क का निर्माण हुआ था, जाम ने उस पर पानी फेर दिया है। उन्होंने बताया कि पटना जाने में छह घंटे का समय लग गया। यह सड़क बक्सरवासियों की लाइफलाइन है, लेकिन जाम के कारण मरीजों को समय पर पटना पहुंचाना भी मुश्किल हो रहा है।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर निकाली गई रैली

निज संवाददाता। डुमरांव

सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र, बक्सर द्वारा आयोजित कार्यक्रम पराक्रम दिवस प्राथमिक विद्यालय ठोरीपांडेपुर गांव के प्रांगण में संगोष्ठी के रूप में मनाया गया। उसके बाद रैली निकाल कर उनके चरित्र पर प्रकाश डाला गया। रैली के दौरान सुभाष चंद्र बोस अमर रहे का नारा लगाते हुए युवाओं ने पूरे गांव का परिभ्रमण किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रकाश युवा क्लब द्वारा किया गया। जबकि मंच संचालन योग शिक्षक डॉ संजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुरुआत सुभाष चंद्र बोस के तैलय चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित सामूहिक रूप से योग शिक्षक डॉ संजय कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार, पूर्व शिक्षक छोटू सिंह यादव, शिक्षक अमित तिवारी एवं दिलीप तिवारी, श्याम प्रकाश सिंह यादव द्वारा किया गया। बॉस के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अखिलेश कुमार ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस एक देशभक्त थे जिन्होंने अपने देश की सेवा शुरू से अंत तक करते रहें वही योग शिक्षक डॉ संजय सिंह ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस के योगदानों को हमें भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने अंग्रेजों के प्रति कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुझे आजादी दूंगा। वहीं अन्य वक्ताओं ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला साथ ही साथ युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिए और देश के प्रति योगदानों के बारे में चर्चा किया। मौके पर सुभाष कुमार, सोनू कुमार, रंजीत कुमार, पंकज, सुमन, आदित्य, गोल्डी, नेहा, अभिषेक, गोलू सहित अन्य युवा विभिन्न क्लबों से भाग लिए।

संक्षिप्त समाचार

ओपीडी में दंत विभाग के स्टाफ ने किया हंगामा

भागलपुर। मायागंज अस्पताल के ओपीडी में गुरुवार की शाम 4.30 में फोर्थ ग्रेड स्टाफ ने हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे हेल्थ मैनेजर सौरभ सिंह से ही फोर्थ ग्रेड स्टाफ उलझ गया। दरअसल दंत विभाग की ओपीडी में कोई डॉक्टर नहीं थे तो एक मरीज ने हेल्थ मैनेजर से शिकायत की। मैनेजर ने एक फोर्थ ग्रेड स्टाफ धनंजय कुमार को दंत विभाग मरीज के साथ भेज दिया। धनंजय ने दंत विभाग के फोर्थ ग्रेड स्टाफ से कहा कि डॉक्टर को कॉल कर बुलाएं और मरीज को दिखाएं। इसके बाद धनंजय हंगामा करने लगा। इसकी शिकायत धनंजय ने मैनेजर से की तो वह आए। वह जब आए तो स्टाफ 24 नंबर कमरे में डॉक्टर चेंबर के टेबल पर बैठा था, उसे मैनेजर ने नीचे उतार दिया तो और हंगामा करने लगा। मैनेजर को ही देख लेने की धमकी दी। इसके बाद बाकी स्टाफ भी वहां जमा हो गए। जबतक मैनेजर अधीक्षक के पास जाते हंगामा करनेवाला स्टाफ ही अधीक्षक के पास पहुंच गया। इसके बाद अधीक्षक ने कहा कि मैनेजर से बात करेंगे कि पूरा मामला क्या है। अगर मरीज का इलाज कराने का आदेश मैनेजर ने दिया तो ठीक किया, इसमें हंगामा तो होना ही नहीं चाहिए था।

शिविर में 40 श्रमिकों को दिया श्रम कार्ड

टेटिया बंबर। टेटिया बंबर प्रखंड क्षेत्र के टेटिया पंचायत अंतर्गत शहीद श्री रघुवर पुस्तकालय चंपाचक के प्रांगण में विकास शिविर का आयोजन गुरुवार को किया गया। शिविर में जिला श्रम अधीक्षक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया शारदा देवी तथा संचालन बीडीओ निशा राय ने की। जानकारी देते हुए बीडीओ निशा राय ने बताया कि गुरुवार को चंपाचक गांव में विकास शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें श्रमिकों के लिए श्रम कार्ड बनाने हेतु आवेदन लिए गए। 40 लाभुकों के बीच श्रम कार्ड का वितरण किया गया। श्रम अधीक्षक सत्य प्रकाश ने कहा की पंचायत क्षेत्र में मनरेगा एवं विभिन्न कार्यों में जुड़े हुए लोगों का श्रम कार्ड बनाना अनिवार्य है। श्रम कार्ड से आप लोगों को बहुत सारे फायदा होने वाले हैं। इसीलिए आप लोग अपना-अपना श्रम कार्ड बनाएं। श्रम कार्ड बनने से आप लोगों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार के संचालित योजनाओं में लाभ मिलेगा। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी कुमार निलेश ने बताया कि मनरेगा समेत भवन निर्माण कार्य एवं विभिन्न प्रकार के निर्माण क्षेत्रों में कार्य करने वाले मजदूरों का श्रम कार्ड बनाना बहुत ही जरूरी है। श्रम कार्ड रहने से आप लोगों को काफी फायदा मिलेगा। दुर्घटना बीमा से लेकर बच्चों के शादी ब्याह, महिलाओं के लिए मातृत्व सहायता जैसे अनेक लाभ इस कार्ड के द्वारा दिए जाते हैं। मौके पर जहां ई-श्रम कार्ड बनाने हेतु 50 लोगों ने आवेदन दिया है। इन लोगों का जल्द ई-श्रम कार्ड बन जाएगा। कार्यक्रम में जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि संजय सिंह वार्ड सदस्य दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

जेएमएस कॉलेज में 6 से शुरू होगी इंटरनल परीक्षा

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के जेएमएस कॉलेज मुंगेर में 6 फरवरी से सीबीसीएस पर आधारित चार वर्षीय स्नातक कोर्स, सत्र 2023-27 की इंटरनल परीक्षा शुरू होगी। जिसकी सूचना कॉलेज प्रशासन ने गुरूवार को जारी कर दी। इंटरनल परीक्षा 6 फरवरी से शुरू होकर 11 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा तीन पालियों में एक-एक घंटा की होगी। जो 10-11, 11:30-12:30 और 1 बजे से 2 बजे तक होगी। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य प्रो. सत्यादित्य सिंह ने बताया कि परीक्षा के लिए विद्यार्थियों को परिचय पत्र एवं महाविद्यालय ड्रेस में आना अनिवार्य है। अन्यथा परीक्षा से वंचित किया जा सकता है। विद्यार्थी अपना असाइनमेंट परीक्षा रूटीन के हिसाब से ही जमा करेंगे। जिस दिन जिस विषय की परीक्षा है उसका असाइनमेंट उसी दिन जमा होगा, बाद में जमा नहीं लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि सीबीसीएस नियमावली के अनुरूप सतत आंतरिक परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ही परीक्षा प्रपत्र भरने की अनुमति होगी। नोडल पदाधिकारी बताते हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन अब छात्रों तक सीधे जानकारी पहुंचाने के लिए ग्रुप का उपयोग करेगा। जिसपर परीक्षा की तिथियां, पंजीयन प्रक्रियाएं, नामांकन संबंधित अपडेट, कक्षाओं और समय-सारिणी से जुड़ी जानकारियां मिलेंगी। पारंपरिक सूचना वितरण के मुकाबले इससे समय की बचत होगी। साझा की गई सूचनाएं चैट के रूप में उपलब्ध रहेंगी। जिन्हें छात्र कभी भी देख सकते हैं। इन ग्रुपों में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रशासनिक अधिकार दिए जाएंगे, ताकि सूचनाओं का प्रवाह सही और नियंत्रित हो। छात्र अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से इन ग्रुप्स में जोड़े जाएंगे। जिन छात्रों के पास स्मार्टफोन नहीं हैं, उनके लिए अन्य माध्यमों से जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। डॉ. सूरज ने बताया कि मुंगेर विश्वविद्यालय की यह पहल छात्रों के लिए सूचना-तकनीक आधारित एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे समय और उर्जा की बचत होगी। पैसे की भी बचत होगी। नोडल पदाधिकारी डॉ. सूरज कोनार ने बताया कि फैकल्टी वाइज ग्रुप से विद्यार्थियों को जुड़ने के लिए कॉलेज में लिंक भेजा जाएगा। जिसके सहारे अपने अपने फैकल्टी के ग्रुप में जुड़ सकेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यूजी (2024-28) कॉमर्स-एमजीयू ऑफिशियल की तरह ही चालू सभी सत्रों के साइंस एवं आर्ट्स का ग्रुप तैयार किया गया है। पीजी का भी उसी तरह पीजी (2024-26) साइंस-एमजीयू ऑफिशियल सहित चालू सभी सत्रों के आर्ट्स एवं कॉमर्स का ग्रुप बनाया गया है। इस पर नामांकन, पंजीयन, परीक्षा सहित अन्य जानकारी ससमय प्रदान की जाएगी।

डिग्री और पीजी के 1.10 लाख छात्रों को सोशल मीडिया ग्रुप से जोड़ेगा विवि

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों के लिए एक नई पहल शुरू की है। जिसके तहत स्नातक और स्नातकोत्तर में अध्ययनरत एक लाख 10 हजार छात्रों को अलग-अलग मीडिया ग्रुपों से जोड़ा जाएगा। यह पहल छात्रों को बेहतर सूचना सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। कुलपति प्रो. संजय कुमार ने विश्वविद्यालय में योगदान देते ही टेक्नोलॉजी के अधिकाधिक उपयोग के लिए विभागीय अधिकारियों को प्रेरित करने के साथ-साथ निर्देशित किया है। वीसी ने बताया कि उन्होंने नामांकन, पंजीयन एवं परीक्षा आदि की सूचना संप्रेषण की जानकारी ली तो पता चला कि वेबसाइट पर ही सूचनाएं प्रसारित की जाती हैं। व्यावहारिक पहलू यह कि कम ही छात्र विवि के अधिकारिक वेबसाइट खोलकर सूचनाएं हासिल करते हैं। इसलिए इसे आसान एवं द्रुत बनाने के लिए मीडिया ग्रुप तैयार करने का निर्देश दिया है। नोडल पदाधिकारी डॉ. सूरज सोनार ने डिग्री और पीजी में अध्ययनरत करीब 1,10,000 विद्यार्थियों का फैकल्टी वाइज ग्रुप तैयार किया है। ग्रुप से जुड़ने के लिए भेजा जाएगा लिंक नोडल पदाधिकारी डॉ. सूरज कोनार ने बताया कि फैकल्टी वाइज ग्रुप से विद्यार्थियों को जुड़ने के लिए कॉलेज में लिंक भेजा जाएगा। जिसके सहारे अपने अपने फैकल्टी के ग्रुप में जुड़ सकेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यूजी (2024-28) कॉमर्स-एमजीयू ऑफिशियल की तरह ही चालू सभी सत्रों के साइंस एवं आर्ट्स का ग्रुप तैयार किया गया है।

होमगार्ड जवान पर दहेज के लिए पत्नी की हत्या का आरोप सही

भागलपुर। पुलिस ने होमगार्ड जवान संतोष कुमार उर्फ सुमन यादव पर दहेज के लिए अपनी पत्नी की हत्या का आरोप सही पाया है। पुलिस ने मामले में अपनी रिपोर्ट कोर्ट में सौंपी है। मामले के दो अन्य आरोपी संतोष के पिता और भाई की संलिप्तता की पड़ताल की जा रही है। साथ ही संतोष की पत्नी डोली कुमारी के गले में मिली रस्सी को जांच के लिए भेजा गया है। हत्या को आत्महत्या करने का रूप देने का प्रयास सामने आया है। डोली के पिता बाराहाट बांका निवासी शालिग्राम प्रसाद ने केस दर्ज कराया था कि उन्होंने डोली की शादी तरडीह जगदीशपुर के संतोष कुमार के साथ 2023 में की थी।

नाबालिग ने खुद के अपहरण की रची थी साजिश, पकड़ाया

पुलिस ने पकड़ा, तो कहा- बिजनेस के लिए 4 लाख रुपए चाहिए थे, इसलिए ऐसा किया

निज संवाददाता। भागलपुर

झंडापुर इलाके के नाबालिग का अपहरण नहीं हुआ था। उसने खुद अपने पिता से पैसे ऐंठने के लिए दोस्तों के साथ मिलकर अपनी अपहरण की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने गुरुवार को नाबालिग को नवगछिया रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया, तो उसकी पोल खुल गई। नवगछिया एसपी प्रेरणा कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस ने 8 घंटे के अंदर मामले का खुलासा कर दिया। झंडापुर थाना पुलिस को किशोर के पिता ने बीते बुधवार को सूचना दी थी कि उसके 17 साल के बेटे का अपहरण कॉलेज से लौटने के क्रम में अपराधियों ने कर लिया है और 4 लाख रुपए की फिरौती मांग रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए SDPO ओम प्रकाश के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में बिहपुर सर्किल इंस्पेक्टर, झंडापुर थाना अध्यक्ष, तकनीकी टीम के पदाधिकारी और जवानों को शामिल किया गया।

तीनों नाबालिग इंटर के हैं छात्र: पकड़े गए तीनों नाबालिग इंटर के छात्र हैं। एसपी प्रेरणा कुमार ने बताया कि पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि वो कारोबार करना चाहता था। इसके लिए 4 लाख रुपए की जरूरत थी। इस कारण उसने अपने साथियों के साथ मिलकर खुद के अपहरण की कहानी रची थी। इसके बाद साथियों से अपने मोबाइल से पिता को फोन करवाया और 4 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई।

एसपी ने बताया कि गठित विशेष टीम ने नाबालिग और उसके दो दोस्तों को कटिहार से नवगछिया आने के दौरान बरामद कर लिया।

भागलपुर में मनाई गई कर्पूरी ठाकुर की जयंती

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के पीरपैंती स्थित जदयू कार्यालय में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और स्वतंत्रता सेनानी कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित किए। उनके कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रखंड अध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने कहा कि जदयू कार्यालय में उनकी जयंती मनाई गई है। कर्पूरी ठाकुर का जन्म ब्रिटिश शासनकाल में समस्तीपुर के पितौंझिया गांव में हुआ था। कर्पूरी जी केवल स्वतंत्रता नहीं सेनानी थे। बल्कि शिक्षक और राजनेता भी थे। भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्होंने 26 महीने जेल में बिताए, बाद में वे बिहार के दूसरे उपमुख्यमंत्री बने और दो बार मुख्यमंत्री का पद भी संभाला।

मौके पर ये रहे उपस्थित: मौके पर उपस्थित महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष सोनी कुमारी ने कहा कि उनकी ही वजह से आज महिला को इतना सम्मान बिहार में मिल पा रहा है। उनका जीवन हमेशा कमजोर वर्ग के लोगों के लिए समर्पित रहा। कार्यक्रम के मौके पर भाजपा नेता ऋषिकेश सिंह, जदयू नेता संदीप और बालेश्वर रजक सहित अन्य दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सरस्वती पूजा के लिए समितियों को लाइसेंस लेना जरूरी, डीजे नहीं बजेंगे

संग्रामपुर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की आयोजित हुई बैठक

निज संवाददाता। संग्रामपुर

गुरुवार को संग्रामपुर थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष तारकेश्वर कुमार सिंह ने की। इसमें प्रखंड क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, पूजा समितियों के लाइसेंसधारी और पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। थानाध्यक्ष ने सभी पूजा समितियों से सरस्वती पूजा शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरस्वती पूजा के लिए सभी समितियों के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। लाइसेंस 29 जनवरी तक जारी किया जाएगा, इसलिए निर्धारित तिथि से पहले लाइसेंस बनवाने की अपील की गई। थानाध्यक्ष ने निर्देश दिया कि पूजा और विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही, किसी भी प्रकार के धारदार हथियार का इस्तेमाल सख्ती से मना किया गया है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित पूजा समिति के लाइसेंसधारी और डीजे मालिक पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।बैठक में प्रखंड के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि उपस्थित थे, जिनमें सरपंच बिनय सिंह,मुखिया पिंटू मंडल,पूर्व जिला पार्षद राधेश्याम रजक, पूर्व प्रमुख सुधीर दास, मेयर प्रतिनिधि नंद किशोर यादव और उप मेयर मनोज साह शामिल थे। बैठक में पूजा समितियों से शांति और नियमों का पालन करने की अपील की गई।

साडू ने भाई के साथ मिलकर की थी हत्या, यूपी से सास के श्राद्ध में शामिल होने गया था शख्स

निज संवाददाता। भागलपुर

गला घोंटा, 2 लोग गिरफ्तार

भागलपुर के अंतिचक थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव में सास के सास श्रद्धा कर्म में शामिल होने आए उत्तर प्रदेश के लखीमपुर जिले के छोटेलाल राजपूत (50) की मौत मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार करते हुए मामले का खुलासा किया है। SDPO वन ने शिवानंद सिंह ने बताया कि 21 जनवरी की अहले सुबह गांव से सटे पश्चिम बहिहार में मकई के खेत छोटेलाल का शव मिला था। पुलिस ने तीन चार लोगों को हिरासत में लिया था। पूछताछ और मृतक शख्स की पत्नी सोमवती देवी के आवेदन पर हत्या में शामिल साडू और सोमवती के पहले पति पन्नालाल शर्मा और उसके भाई प्रकाश शर्मा, पिता दामोदर दास शर्मा निवास नवगछिया को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि छोटेलाल ने अपनी पहली पत्नी के पुत्र के साथ रात में बातचीत की थी। जिसमें मारपीट करने का जिक्र किया है। घटना में शामिल अन्य लोगों और अन्य बिंदुओं पर भी पुलिस जांच कर रही है। एसडीपीओ ने आगे बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में 48 घंटे के अंदर हत्याकांड का खुलासा किया गया है। पन्नालाल के मुताबिक, 20 साल पहले छोटे लाल ने उसकी पत्नी से शादी कर ली थी। उन लोगों ने इसी का बदला लिया, इसके बाद पन्नालाल ने उसकी बहन संजू देवी के साथ विवाह किया है। श्राद्ध कार्यक्रम के दौरान प्रकाश ढोलक बजा रहा था।

गणतंत्र दिवस की तैयारी पूरी, पोलो मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी पूरी हो गई है। शुक्रवार को पोलो मैदान में एसपी सैयद इमरान मसूद की उपस्थिति में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान एसपी ने झंडोत्तोलन किया और परेड का निरीक्षण किया। अंतिम पूर्वाभ्यास में बीएमपी 9 जमालपुर, पीटीसी, डीएपी महिला, एनसीसी और भारत स्काउट गाइड की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। एसपी ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जिले में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए है। विभिन्न स्थानों पर क्यूआरटी और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अर्धसैनिक बल कॉम्बिंग ऑपरेशन चला रहे है। समारोह स्थल पोलो मैदान को रंगीन कपड़ों से सजाया जा रहा है। अतिथियों के लिए मंच और विभिन्न विभागों की झांकियों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। परेड और झांकियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को जिला प्रशासन प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो से सम्मानित करेगा। सुरक्षा को लेकर पोलो मैदान के चारों ओर जवानों की विशेष तैनाती की जाएगी। इसके अलावा डॉग स्क्वायड टीम भी तैनात रहेगी और मेटल डिटेक्टर लगाए जाएंगे। समारोह के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

108 असिस्टेंट प्रोफेसर में 69 की प्रमोशन प्रक्रिया ही सही, शेष 39 का होगा सत्यापन

भागलपुर भागलपुर टीएमबीयू में गुरुवार को सिंडिकेट की ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों मोड में बैठक हुई। बैठक का सबसे बड़ा एजेंडा असिस्टेंट प्रोफेसर का एकेडमिक स्केल 10 से 11 में प्रमोशन का था। इसकी प्रक्रिया कर चुकी स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट के आधार पर विवि प्रशासन ने बैठक में प्रमोशन के अनुमोदन के लिए सिंडिकेट के समक्ष रखा। कुल 108 शिक्षकों में समति ने 69 शिक्षकों की प्रक्रिया को सही बताया था। जबकि 39 शिक्षकों के दावे पर आपत्ति जताई थी। इसमें दो मामले किसी दूसरे के आर्टिकल पर अपना नाम देकर प्रस्तुत करने के थे। जबकि शेष ज्यादातर मामलों में समिति ने कहा था कि इनके आर्टिकल ऑनलाइन नहीं दिखे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने कहा कि संबंधित आर्टिकल के प्रकाशकों से इसका सत्यापन कराया जाएगा। इस पर सदस्य और एमएलसी संजीव कुमार सिंह ने कहा कि आर्टिकल ऑनलाइन नहीं दिखना प्रमोशन की प्रक्रिया से शिक्षक को अलग रखने का आधार नहीं हो सकता है। विवि संबंधित पीजी हेड और डीन से इसका सत्यापन कराए।

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
CIN:U40108JH2013SGC001702)
Electric Supply Area, Medininagar
Regd. Office: By Pass Road, Sudna, Medininagar, 822102
email:-gm_mdnjseb@yahoo.in • Telephone:-06562-295539

e-Tender cancellation notice

Due to unavoidable reason, NIT No - 266/PR/JBVNL/2024-25 is hereby cancelled.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR No. 343303

Sd/-
General Manager (Tech)
Electric Supply Area, Medininagar

PR 344972 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd) 24-25 (D)

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग)
कार्यालयः– जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा पता– संयुक्त कृषि भवन, पिपरा कलां, गढ़वा 822114 Email- atmagarhwa2007@gmail.com

।। अति अल्पकालिन निविदा सूचना।। वर्ष–2024-25

वित्तीय वर्ष 2023-24 में सचिव, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश संख्या– 63 दिनांक 10-01-2024 एवं दिनांक 20-06-2024 को आयोजित कृषि निदेशक, झारखण्ड रॉची की अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही के अनुपालन में राज्य योजनान्तर्गत Leaf Colour Chart की आपूर्ति हेतु मुहरबंद लिफाफे में निविदाएं आमंत्रित की जाती है आवेदन दिनांक 25-01-2025 से 03-02-2025 तक 07 दिनों के लिए दिनांक 03-02-2025 के अपराह्न 12:00 बजे तक जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं एवं उसी दिन अपराह्न 2:00 बजे अति अल्पकालिन निविदा खोला जायेगा। वस्तुओं की पूर्ण विवरणी निम्न प्रकार है–

Sl No.	Crop	Description	Qnty.
1	धान 5 Panel Leaf Colour Chart (LCC)	LCC with a Matte Laminated Folder with instruction on How to use and other related information for farmers and Agriculture Extension Officers	1 Pcs.
2	गेंहूँ 6 Panel Leaf Colour Chart (LCC)		1 Pcs.
3	मक्का 6 Panel Leaf Colour Chart (LCC)		1Pcs.

नोटः– पूर्ण जानकारी हेतु https://www.atmagarhwa.org पर विवरणी उपलब्ध है या जिला कृषि पदाधिकारी, गढ़वा के मोबाईल नम्बर पर **9931113690** सम्पर्क किया जा सकता है।

PR 345022 (Agriculture)24-25*D जिला कृषि पदाधिकारी,गढ़वा

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय–सह–मॉडल कैरियर सेंटर, पलामू

भर्ती कैम्प सूचना

जिला नियोजन (रोजगार) कार्यालय, पलामू के द्वारा बेरोजगार अभ्यर्थियों को नियोजनालय, पलामू के कार्य योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित जागरूकता सेमिनार के आयोजन के साथ ही निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर सुगमता से प्रदान करने हेतु दिनांक 27/01/2025 दिन सोमवार को जिला नियोजनालय परिसर, डालटनगंज में 11:00 बजे (पूर्वा0) से 3:00 बजे (अप0) तक जागरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें निम्न नियोजक के द्वारा उपस्थित रहने की सहमति जताई है :–

S. No	Company Name	Name of the Post	No. of Vacancy	Qualification	Age	Salary		Place of Work
						Net Pay after deduction	Other Allowance	
1	*2*	*3*	*5*	*6*	*7*	*8*		*9*
1	Chaitanya India Fin Credit Pvt. Ltd.	CRE	50	10th Pass	18-30	12,770/-	PF, Rent Facility, Petrol Expenses	Palamu, Garhwa, Latehar
2	Barbeque Nation	GSA	100	10th Pass	18-28	10,000/-	3 time food & Room provided by company	Pan India

जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक अपने सभी शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, आधारकार्ड, 2 पासपोर्ट साईज का फोटो, नियोजनालय का निबंधन कार्ड एवं अपना बायोडाटा एवं **स्थानीय निवासी प्रमाण–पत्र (न्यूनतम अंचलाधिकारी द्वारा निर्गत)** के साथ जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लें। इस रिक्तियों के विरूद्ध भर्ती कैम्प के लिए सीधे नियोजक उत्तरदायी है। नियोजनालय एवं विभाग मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। जगरूकता सेमिनार–सह–भर्ती कैम्प में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं है। कैम्प में Covid SOP का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

नोट :– रिक्ति से संबंधित विशेष जानकारी हेतु जिला नियोजन कार्यालय, पलामू से सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला नियोजन पदाधिकारी
पलामू

PR.NO.345041 District(24-25):D

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल–81–24, दिनांक 23.01.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई–निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा सूचना सं. : ईएल–81–24, **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल मंडल–आसनसोल मंडल के तहत स्टेशन, लोडिंग पॉइंट एवं यार्ड के एप्रोच रोड में एचएमटी (हाई मास्ट टावर) लाइट का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु.2,03,45,087.88/–, **बयाना राशि :** रु. 2,51,700/–, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **कार्य के लिए समापन अवधि** : 09 माह। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय** : दिनांक 17.02.2025 को 11.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-308/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. 222–एस/1/डब्ल्यू–II, दिनांक 23.01.2025, वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन–237–24–25, कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/सियालदह के कार्यक्षेत्र में टीबीआर के साथ सभी सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.1,94,50,887.38, **बयाना राशि :** रु. 2,47,300/–, **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन–238–24–25, कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बालीगंज के कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ शाखा अभियंता (पी.वे)/चितपुर में विभिन्न ट्रैक रखरखाव कार्य के साथ सभी सहायक कार्य (01 वर्ष के लिए)। **निविदा मूल्य :** रु.1,00,10,337.17, **बयाना राशि :** रु. 2,00,100/–, **क्रम सं. 3, निविदा सं.: टीएन–243–24–25, कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/I/सियालदह के अधीन आर.सी.सी. जैकेटिंग के प्रावधान द्वारा सियालदह–दमदम जंक्शन के बीच ब्रिज नं. 15 एवं दमदम–बालीगंज के बीच ब्रिज नं. 19 सीसीआर और ब्रिज नं. 2 सीसीआर के बीच प्रस्तावित सुदृढ़ीकरण कार्य एवं सभी अन्य सहायक कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.3,32,89,137.93, **बयाना राशि :** रु. 3,16,500/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह (क्रम सं. 1, 2 एवं 3 प्रत्येक हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 17.02.2025 को 15.00 बजे। (1) निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (2) **निविदा के खुलने की तिथि और समय** दिनांक 17.02.2025 को 15.30 बजे है।

SDAH-335/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

हाईवे पर ट्रक में कार पीछे से टकराई, एक की मौत और चार घायल

कानपुर , एजेंसी। फतेहपुर जिले में खागा कोतवाली क्षेत्र के पश्चिमी हाईवे पर मौरंग भरे ट्रक में कार पीछे से जा घुसी। हादसे में कार में सवार एक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार कार नोयडा की है, जो कानपुर होते हुए प्रयागराज के लिए जा रही थी। तभी आगे चले रहे मोरंग भरे ट्रक के पीछे घुस जाने से हादसा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव के पिता का निधन

शाहजहाँपुर , एजेंसी। बॉलीवुड के फिल्म अभिनेता राजपाल यादव के पिता नौरंग यादव का निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका दिल्ली के अस्पताल में इलाज हो रहा था। राजपाल यादव के बड़े बेटे श्रीपाल यादव के अनुसार, अंतिम संस्कार 25 जनवरी को लगभग पूर्वाह्न 11 बजे बंडा स्थित पैतृक गांव कुंडरा में होगा।

मूलरूप से बंडा के कुंडरा गांव के रहने वाले अभिनेता राजपाल यादव ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके पिता नौरंग यादव अन्य परिजनों के साथ पैतृक गांव कुंडरा में रहते थे। जनपद के रंगकर्मियों और अभिनेता के चाहने वालों ने राजपाल यादव के पिता का निधन होने पर शोक जताया है।

बलिया के नायब तहसीलदार समेत छह के खिलाफ बलवा में केस दर्ज, पुलिस पर किया था हमला

भदोही, एजेंसी। भदोही जिले की सुरियावां कोतवाली पुलिस ने बलिया के नायब तहसीलदार रोशन सिंह समेत उनके परिवार के छह लोगों पर सरकारी काम में बाधा डालने, बलवा समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि नायब तहसीलदार की महाकुंभ में ड्यूटी लगी है। इसके बाद भी वह गांव आ गए थे।

ये है पूरा मामला– सुरियावां कोतवाली के कौड़र गांव निवासी बीना सिंह ने दो दिन पहले कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि विपक्षी ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। मना करने पर ईंट-पत्थर फेंकते हैं। इस मामले में जांच के लिए पुलिस टीम गठित की गई। सुरियावां प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार गुप्ता व अन्य पुलिसकर्मी जांच के लिए मौके पर पहुंचे। आरोप है कि नायब तहसीलदार रोशन सिंह और उनके परिवार के सदस्य रमेश सिंह, अनिल सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राजमणि देवी, ममता देवी ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इसके बाद परिवार के लोग पुलिस की गाड़ी के सामने सड़क पर बैठ गए। मामला बिगड़ता देख तहसीलदार व अन्य को मौके पर बुला लिया गया। किसी तरह मामले को संभाला गया। इस मामले में कोतवाली के एसआई सत्येन्द्र की तहरीर पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

जेवर-नकदी सहित 4.80 लाख की चोरीचोरों ने दो घरों से पार किया लाखों का माल

उन्नाव , एजेंसी। अलग-अलग गांवों में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चार लाख के जेवर और 80 हजार की नकदी पार कर दी। एक घर में परिजनों के जग जाने से चोर भाग निकले। पुलिस ने जांच की, गांव के बाहर खाली बक्से मिले हैं। तेजपुरवा निवासी हरिश्चंद्र के घर में बुधवार रात चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए।

कमरों में ताला न लगा होने से बक्सों में रखे शिवकुमारी के 2.50 लाख के जेवर और ऑपरेशन के लिए रखे 50 हजार रुपये चोरी कर ले गए। शिवकुमारी ने बताया कि पति कानपुर की एक चप्पल फैक्टरी में काम करते हैं, वह ड्यूटी पर गए थे। 500 मीटर दूर रमतलिया गांव में सविता पत्नी अजीत पाल के घर में घुसे चोरों ने 1.50 लाख के जेवर और 30 हजार रुपये चोरी कर ले गए। चोर ओसिया गांव निवासी गंगाप्रसाद के घर भी दाखिल हुए। वहां भी बक्से का ताला तोड़ने का प्रयास कर रहे थे, आवाज सुन गंगाप्रसाद के बेटे योगेश चिल्ला पड़ा, इससे चोर भाग गए।

निजी अस्पतालों को हर हाल में देनी होगी कैशलेस चिकित्सा

इनकार किया तो तत्काल खत्म होगी संबद्धता

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) के तहत संबद्ध निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक लगाने की नई रणनीति अपनाई गई है। किसी भी अस्पताल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना में रुपये मांगे अथवा इलाज से इनकार किया तो तत्काल उसकी संबद्धता खत्म की जाएगी। ऐसे मामलों की रोकथाम के लिए गोपनीय तरीके से भी जांच शुरू कराई गई है। इस संबंध में प्रदेशभर के निजी अस्पतालों को नोटिस भेजते हुए चेतावनी दी गई है। सभी जिलाधिकारियों एवं मुख्य चिकित्साधिकारियों को भी निगरानी रखने के लिए कहा गया है।

प्रदेश में पीएमजेएवाई के तहत पंजीकृत सरकारी एवं निजी अस्पतालों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के लाभार्थियों को उपचार नहीं देने की शिकायतें शासन तक पहुंची है। कहीं इलाज शुरू करने से पहले रुपये मांगे जा रहे हैं तो कहीं योजना में पंजीयन होने के बाद भी इलाज से इनकार किया जा रहा है। ऐसे में स्टेट एजेंसी फॉर कंप्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंट्रीग्रेटेड सर्विस (साजीच) की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. पूजा यादव ने पंजीकृत सभी अस्पतालों के प्रबंधकों एवं प्रबंध समिति को नोटिस भेजा है। इसमे सख्त चेतावनी दी है कि योजना के लाभार्थियों को न सिर्फ उपचार दिया जाए बल्कि योजना के बारे में जागरूक भी किया जाए। किसी ने इलाज से इनकार किया अथवा नगद धनराशि ली तो यह समझा जाएगा कि संबंधित अस्पताल योजना में कार्य करने का इच्छुक नहीं है। ऐसे में तत्काल उसकी संबद्धता खत्म कर दी जाएगी।

दर्जनभर के खिलाफ शुरू हुई जांच

विभागीय सूत्रों की मानें तो विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने करीब 13 निजी अस्पतालों के खिलाफ शिकायत की है। ये अस्पताल एजेंसी के रडार पर हैं। इनकी दो स्तरीय जांच शुरू की गई है। एक तो शिकायत के आधार पर संबंधित शिकायतकर्ता और अस्पताल प्रबंधन का पक्ष लेकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। दूसरी तरफ शिकायतों की वास्तविकता का अध्ययन करने के लिए गोपनीय तरीके से भी जांच टीम उतारी गई है।

कितने अस्पतालों पर हुई कार्रवाई

प्रदेश में आयुष्मान के तहत पंजीकृत किए गए अस्पतालों में रुपये मांगने, इलाज में आनाकानी करने सहित विभिन्न आरोपों में अब तक 410 की संबद्धता खत्म की गई है। इसी तरह 97 को निलंबित किया गया और 68 का भुगतान रोका गया। इसी तरह विभिन्न अस्पतालों में 3.44 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया जा चुका है।

यूपी में हैं सर्वाधिक अस्पताल

उत्तर प्रदेश में आयुष्मान योजना के तहत 2949 सरकारी और 2885 निजी अस्पताल पंजीकृत हैं। पंजीयन के मामले में देश में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है।

क्या है कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना

प्रदेश में 21 जुलाई 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। योजना के तहगत राज्य के सरकारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी, उनके आश्रित परिजनों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलती है। सरकारी अस्पतालों में बिना किसी वित्तीय सीमा के कैशलेस उपचार जबकि आयुष्मान योजना में पंजीकृत निजी अस्पताल में हर लाभार्थी को पांच लाख प्रति वर्ष की कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलती है। नवंबर 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक इस योजना में 904785 कर्मचारी और 650259 पेंशन को शामिल किया गया है। इसमें 981261 लाभार्थियों को स्टेट हेल्थ कार्ड कारी कर दिया गया है। अन्य का बन रहा है। नवंबर माह तक हेल्थ कार्ड से 68577 लाभार्थियों ने उपचार लिया। हालांकि कर्मचारी संगठनों की ओर से प्रदेश में 22 लाख कर्मचारी और पेंशन भोगी होने का दावा किया जाता है। इसी तरह प्रदेश में करीब आठ करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया गया है।

बेशकीमती जमीनों को फर्जी तरीके से बेचने का खेल

रिमांड पर मास्टरमाइंड, खुलेंगे बड़े-बड़ों के राज

आगरा , एजेंसी। आगरा शहर में बेशकीमती जमीनों को फर्जी तरीके से बेचने के खेल में बड़े-बड़े शामिल हैं। बोदला जमीन कांड के बाद भी विभागीय अधिकारियों की आंखें नहीं खुलीं। एक और फर्जीवाड़ा सामने आ गया। इस बार भी एसआईटी का गठन किया गया है। टीम में शामिल पुलिस अधिकारी और विवेचक पूरे खेल से पर्दा उठाने में लगे हुए हैं। मास्टरमाइंड अजय और प्रशांत शर्मा को रिमांड पर लेकर राज खोले जाएंगे।

एसआईटी के अध्यक्ष विनायक भोंसले ने बताया कि गिरोह के लिए काम करने वाले वालों की अलग-अलग भूमिका थी। देव दत्त शर्मा सेवानिवृत्त रिकॉर्ड कीपर है। पूछताछ में पता चला कि वह गिरोह के सदस्यों के लिए फर्जी बैनामे को जिल्द बही में लगाने और असली को गायब करने के साथ ही तहसील से सत्यापित प्रतिलिपि देता था, जिसमें उसे 2-3 लाख रुपये मिलते थे। सुमित अग्रवाल ठेकेदारी करता है। वह भवन बनाने का ठेका लेता है। उसने अजय और प्रशांत के कहने पर फर्जी बैनामा कराया था। हालांकि वह खुद को निर्दोष बता रहा है।

आरोपी ब्रजेश दुबे प्रापर्टी डीलर का काम करता है। वह अजय और प्रशांत शर्मा के लिए संपत्तियों को चिह्नित करता था। यह देखता था कि कोई जमीन कब से खाली पड़ी है। उनका फर्जी बैनामा कैसे तैयार कराया जा सकता है। उसे 10 से 15 लाख मिलते थे। राजकुमार जमीनों की सौदेबाजी में मध्यस्थ की भूमिका निभाता था। इससे पहले भी प्रशांत शर्मा को फर्जी बैनामे के मामले में जेल भेजा गया था। उसने मुस्तफा क्वार्टर की सरोज देवी के नाम से फर्जी इकरारनामा कराया था। इसके अलावा अन्य मामले में अजय सिसौदिया को जेल भेजा गया था।

सीएम योगी बोले- माफिया और डकैतों को बड़े पद देती थी सपा, हम उन्हें जहन्नुम भेजते हैं

अयोध्या , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के मिल्कीपुर के हैरिंग्टनगंज ब्लॉक में जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। सीएम योगी जैसे ही मंच पर पहुंचे जय श्रीराम के नारे लगे। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण का प्रारंभ महाकुंभ का जिक्र कर किया। कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि यह महाकुंभ 144 साल बाद हो रहा है। दो दिन पहले यूपी सरकार की पूरी कैबिनेट और मैंने खुद महाकुंभ में स्नान का सौभाग्य प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बीते 10 दिन में महाकुंभ में 10 करोड़ लोगों ने बिना किसी भेदभाव के स्नान किया। देश में जातिवाद को परिवारवादियों ने सत्ता बचाये रखने के लिए बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं वहीं, दूसरी तरफ सपा के लोग महाकुंभ के बारे में दुष्प्रचार कर जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इन लोगों ने एक साल पहले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का भी विरोध किया था। ये वही सपा के लोग हैं जिन्होंने सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने से पहले जनसभा स्थल पर प्रदेश सरकार के कई मंत्री, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, चिकित्सा राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा, खेल राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और एमएलसी धर्मेंद्र सिंह मंच पर मौजूद हैं।

सपा के शासनकाल में सड़क पर नहीं निकलती थीं बेटियां

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा की सरकार में कानून का राज स्थापित हुआ है। लोग सुरक्षित महसूस करते हैं। व्यापारी सुरक्षित महसूस करते हैं। सपा की सरकार में बेटियां सड़क पर नहीं निकल सकती थीं। व्यापारियों को लूट लिया जाता था। लोगों की संपत्ति पर भूमाफिया कब्जा कर लेते थे और जो जितना बड़ा डकैत उसे उतना बड़ा ओहदा दिया जाता था पर अब माफियाओं को जहन्नुम भेजा जा रहा है। अयोध्या का विकास हो रहा है। आज अयोध्या के लोग दुनिया में कहीं पर भी जाते हैं तो उनका सम्मान किया जाता है। सपा की सरकार में राम की पैड़ी पर जल सड़ता रहता था पर अब लाखों लोग आकर वहां पर डुबकी लगा रहे हैं। अयोध्या को पुराना गौरव प्राप्त हो रहा है।

अधिसूचना जारी होने के बाद योगी की विधानसभा क्षेत्र में यह पहली सभा है। बृहस्पतिवार को प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर व जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने रैली स्थल का निरीक्षण किया। दोनों मंत्रियों ने टेंट, पार्किंग, लोगों के बैठने की व्यवस्था, आवागमन मार्ग, पेयजल, हेलीपैड, मंच की साज सज्जा को भी परखा। सहकारिता मंत्री ने बताया कि उपचुनाव में लगे सभी प्रभारी मंत्री लगातार मंडल व शक्ति केंद्रों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। हर बूथ से जनसभा में सहभागिता का प्रयास किया जा रहा है। जलशक्ति मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की सभा को ऐतिहासिक बनाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पहले इसी मैदान पर आठ को होनी थी सभा

भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पूरे विधानसभा क्षेत्र की जनता में विशेष उत्साह है। उन्हें देखने और सुनने के लिए भीड़ उमड़ेगी। इससे पहले आठ जनवरी को इसी मैदान पर सीएम की जनसभा प्रस्तावित थी लेकिन आचार संहिता लागू हो जाने से इसे निरस्त कर दिया गया था। इससे क्षेत्र की जनता मायूस हो गई थी। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शुक्रवार को आ रहे हैं। इस जनसभा में पूरे विधानसभा क्षेत्र के हर बूथ से कार्यकर्ता और आम जनता का समागम होगा। यहां से उपचुनाव के लिए बड़ा संदेश जाएगा और बड़े अंतर से भाजपा की जीत सुनिश्चित होगी।

फर्जी डिग्री मामला: डिप्टी सीएम केशव को सुप्रीम झटका, पुनरीक्षण याचिका खारिज करने वाला हाईकोर्ट का आदेश रद्द

प्रयागराज , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट से प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को तगड़ा झटका लगा है। फर्जी डिग्री के खिलाफ दाखिल पुनरीक्षण याचिका को खारिज करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। साथ ही नए सिरे से गुण-दोष के आधार पर सुनवाई के लिए मामले को हाईकोर्ट वापस भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सुधांशु धूलिया और न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने उक्त मामले में सुनवाई की है।

आरटीआई कार्यकर्ता व याची दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने उप मुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्या पर फर्जी डिग्री के आधार पर पेट्रोल पंप की डीलरशिप हासिल करने और 2007 विधानसभा चुनाव के नामांकन में गलत हलफनामा दाखिल करने का आरोप लगाया था। साथ ही एफआईआर दर्ज कराने की मांग की थी। याची की अर्जी को इलाहाबाद जिला अदालत की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद देरी के आधार पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने याची की पुनरीक्षण याचिका भी रद्द कर दी थी। फिर हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याची ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए कहा कि महज एक महीने की देरी के आधार पर पुनरीक्षण याचिका खारिज नहीं की जानी चाहिए थी।

पति बना हैवान: दांतों से काट लिया पत्नी का होठ, 16 टांके आए

बोल न सकी, तो लिखकर बताई हैवानियत

मथुरा , एजेंसी। मथुरा के सौंख में घर पर काम रही पत्नी से विवाद होने पर पति ने होठ काट लिया। इस दौरान बचाने आए बहन के साथ भी मारपीट कर दी। विवाहिता के होठ से खून बहने लगा। वो बोल भी नहीं पा रही है। इस दौरान आरोपी पति मौके से भाग निकला। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति सहित तीन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

पति से हो गया था विवाद– थाना मगोर्रा के गांव नगला भूचन निवासी महिला का आरोप है कि शनिवार शाम को वह घर में काम कर रही थी। तभी पहुंचे पति घर आ पहुंचा। न जाने किस बात को लेकर वो विवाद करने लगा। उसने मना किया तो पति ने उसके होठ दांतों से काट लिए, जिसकी वजह से खून बहने लगा। वो जोर-जोर से चीखने लगी। इस दौरान बचाने आई बहन को भी विष्णु ने नहीं बख्शा और उसके साथ भी मारपीट कर दी।

होठ काटे जाने से वो अब बोल भी नहीं पा रही है। पीड़िता ने लिखकर बताया कि शिकायत करने पर देवर और सास ने भी गाली गलौज करते हुए मारपीट की।

जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता मेडिकल परीक्षण कराने के बाद अपने मायके हाथरस के थाना सादाबाद पहुंची। बताया गया है कि उसके 16 टांके आए हैं। पूरा वाकया जानने के बाद पिता बेटी संग थाना मगोर्रा पहुंचे। थाना प्रभारी मोहित तोमर ने बताया कि घरेलू बातों को लेकर दंपती में विवाद हो गया था। मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है।

रेल राज्यमंत्री बोले : महाकुंभ रिकॉर्ड संख्या में चल रही स्पेशल ट्रेनें, जलगांव रेल हादसे की चल रही है जांच

महाकुंभ नगर (प्रयागराज) , एजेंसी। महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने आए रेल राज्यमंत्री वी सोमन्ना ने प्रयागराज प्रवास के दूसरे दिन कहा कि महाकुंभ के मौके पर रेलवे द्वारा इस बार रिकार्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। महाकुंभ नगर का भ्रमण करने के बाद वहां रेलवे शिविर में उन्होंने संवाददाताओं से हुई बातचीत में कहा मौनी अमावस्या की रेलवे ने काफी अच्छी तैयारी की है। यहां महाकुंभ में भी योगी सरकार ने बहुत अच्छा इंतजाम कर रखा है। महाराष्ट्र के जलगांव में हुए हादसे को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में रेल राज्यमंत्री ने कहा कि वह दुर्घटना नहीं होनी चाहिए। कुछ यात्रियों द्वारा भ्रामक सूचना दिए जाने की वजह से यात्री ट्रेन से बाहर उतरे। कहा रेलवे और महाराष्ट्र सरकार इस मामले की जांच कर रही है। महाकुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि पहले अमृत स्नान पर्व मकर संक्राति पर काफी संख्या में ट्रेनें चली। अब मौनी अमावस्या पर भी रिकार्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनों का संचालन होना है। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कन्नड़ समेत 22 भाषाओं में तैयार किए गये लीफलेट की भी उन्होंने सराहना की। कहा कि इसमें सभी जरूरी सूचनाए समाहित की गई हैं। इससे यात्रियों को काफी हद तक मदद मिलेगी। क्योंकि इसमें उनकी भाषा में ही ट्रेनों की जानकारी उपलब्ध करवाई गई है।

नोएडा और नई दिल्ली की ओर जाने वाले बसों की रहेगी मारामारी

आगरा , एजेंसी। महाकुंभ के लिए आगरा परिक्षेत्र से परिवहन निगम ने करीब 300 बसों को रवाना किया है। इस वजह से दिल्ली और नोएडा मार्ग पर बसों की कमी होना तय माना जा रहा है। इससे यात्रियों को परेशानी हो सकती है। आगरा परिक्षेत्र से परिवहन निगम की करीब 430 बसों को द्वितीय चरण 22 जनवरी से महाकुंभ मेले में भेजा जाना था। इसके लिए परिवहन निगम की तरफ से 300 बसों को रवाना कर दिया गया है। शेष बसों को जल्द भेज दिया जाएगा। वर्तमान में करीब 647 बसों का संचालन निगम की तरफ से किया जा रहा है। अब 430 बसों के चले जाने से 217 बसों पर अन्य मार्गों का भार आ जाएगा। इससे दिल्ली और नोएडा की तरफ जाने वाले यात्रियों को दिक्कत हो सकती है क्योंकि इन मार्गों पर अधिक बसों का संचालन किया जाता है।

क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल बताते है कि महाकुंभ मेले में बसों के जाने से कुछ मार्गों पर परेशानी खड़ी होगी। प्रदेश वाले मार्गों को

अनुबंधित बसों से कवर कर लिया जाएगा। दिल्ली व नोएडा के लिए बी-6 बसों का संचालन किया जाता है। अभी यात्रियों की संख्या कम होने की वजह से अधिक असर नहीं दिख रहा है।

मेले के लिए 30 से 40 बसें लगाई

आईएसबीटी से महाकुंभ मेले के लिए बसों का संचालन किया जा रहा है। प्रतिदिन 30 से 40 बसें श्रद्धालुओं को लेकर मेला जा रही हैं हालांकि सवारी कम संख्या में मिल रही है। एक बस में 15 से 20 श्रद्धालु ही जा रहे है। परिवहन निगम की तरफ से हर घंटे में एक बस भेजे जाने की व्यवस्था की गई है।

अच्छा व्यवहार करने की दी ट्रेनिंग

क्षेत्रीय प्रबंधक ने आईएसबीटी के स्टाफ को महाकुंभ मेले के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ अच्छा व्यवहार करने की बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग दी। उन्होंने बताया कि किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो। उनको हर प्रकार की जानकारी प्रदान की जाए।

संक्षिप्त समाचार

ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस पुराने रैक के साथ ही चलेगी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद से हावड़ा के बीच चलने वाली ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस के कोच में बदलाव नहीं हुआ है। रेलवे की ओर से कोच बदलने की तैयारी की गयी थी, लेकिन तकनीकी कारणों का हवाला देकर पुराने कोच को एलएचबी से बदलने का आदेश निरस्त कर दिया गया। ऐसे में यह ट्रेन पुराने कोच के साथ ही चलायी जा रही है। अब 25 मार्च से एलएचबी कोच लगाने का प्रस्ताव है। इस ट्रेन में नये कोच के अनुसार ही टिकटों की बुकिंग शुरू की गयी है। अब तक यह ट्रेन पुराने 22 आइसीएफ कोच के साथ चल रही है। एलएचबी कोच के साथ चलने पर कोच की संख्या कम होनी है। पहले इस 10 जनवरी को धनबाद से प्रस्थान करने वाली ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस और 11 जनवरी से हावड़ा से प्रस्थान करने वाली ट्रेन को एलएचबी कोच के साथ चलाया जाना था।ट्रेन संख्या 22387 व 22388 धनबाद-हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस में दो स्लीपर, 18 जनरल व दो एसी कोच हैं। एलएचबी कोच लगने के बाद इसकी संख्या कम हो जायेगी। छह जनरल कोच, छह नन एसी चेयरकार, दो एसी चेयरकार इसके अलावा आरआरएम व आरडी कोच लगाया जाना था। अब कोच में बदलाव किया गया है। एसी चेयरकार में दो और कोच जोड़े जाने हैं। मुख्यालय के निर्देश व अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही कोच को बदला जायेगा।

रांची में मॉर्निंग वॉक पर निकले मुखिया को गोली मारी

नामकुम (रांची), एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में मॉर्निंग वॉक पर निकले मुखिया को अपराधियों ने गोली मार दी है। घटना नामकुम प्रखंड के हाहाप पंचायत में हुई है। मुखिया नन्हे कच्छप गुरुवार सुबह अपने घर से टहलने के लिए निकले थे। घर से करीब एक किलोमीटर दूर घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। नन्हे कच्छप को गंभीर हालत में स्थानीय लोगों ने रिम्स में भर्ती करवाया। अज्ञात अपराधियों ने नामकुम थाना क्षेत्र में गुरुवार (23 जनवरी 2025) को सुबह करीब साढ़े छह बजे चरनाबेड़ा गांव के पास इस घटना को अंजाम दिया।गोलीबारी के बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। गंभीर रूप से घायल मुखिया को रिम्स अस्पताल भिजवाया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी, डीएसपी मुख्यालय-1 और नामकुम के थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए। मुखिया को किस वजह से गोली मारी गई है, इसका पता नहीं चला है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि जमीन विवाद में मुखिया को गोली मारी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मुखिया नन्हे कच्छप के परिजन और स्थानीय लोगों से पुलिस जानकारी ले रही है।

पांडू में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले में 200 लोगों की हुई जांच

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के पांडू सीएचसी में बुधवार को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। प्रखंड प्रमुख नीतू सिंह, बीडीओ रणवीर कुमार, जिला परिषद सदस्य मीना देवी, उप प्रमुख सोनी देवी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी राजेंद्र कुमार, बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, मुखिया संघ अध्यक्ष प्रियंका सिंह व बीपीएम पंकज पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। स्वास्थ्य में मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। इसके लिए विभिन्न बीमारियों के अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। 200 से अधिक मरीजों की जांच कर जरूरी दवाएं भी दी गईं। बीडीओ रणवीर प्रसाद ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य में सीएचसी में आई कैंप व प्रत्येक शनिवार को बंध्याकरण ऑपरेशन शिविर के आयोजन की जानकारी दी। सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि असाध्य और गंभीर मरीजों को बड़े सरकारी अस्पतालों में रेफर करने की सुविधा की जानकारी दी। बीडीओ ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों के साथ स्वास्थ्य मेला में लगे स्टॉल का निरीक्षण किया। इससे पूर्व पांडू सीएचसी के प्रभारी सह मेडिकल ऑफिसर व स्वास्थ्य मेला आयोजन समिति के इंचार्ज डॉ विरोचित आनंद ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख प्रतिनिधि सिंटू सिंह ने किया। मौके पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की वार्डन संगीता कुमारी, समाजसेवी अविनाश सिंह उर्फ पिंटू सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो की पुण्यतिथि मनाई गई

चांडिल, एजेंसी। चांडिल गोलचक्कर में बुधवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो की पुण्यतिथि मनाई गई। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पदधारी व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी याद में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ईचागढ़ के विकास पुरुष के रूप में दिवंगत सुधीर महतो को हमेशा याद किया जाएगा। उनके कार्यकाल में हुए अमूलचूल कार्य ईचागढ़ के विकास में मिल के पत्थर साबित हो रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामा गुरुचरण किस्कू, चारूचांद किस्कू, झामुमो के केंद्रीय सदस्य सुधीर किस्कू, झामुमो नेता ओम प्रकाश लायेक, दिलीप किस्कू, भुगलू सोरेन, धर्मु गोप, सुदामा हेम्ब्रम, बैधनाथ टुडू, लखीद्र किस्कू, आशीष मंडल, दीनबंधु महतो, जगदीश सरदार, गुलाब मार्डी, रामनाथ मांझी, अरूप सिंह, मोती सोरेन, शिमल बेसरा, मिलन तंतुबाई, सुमित टुडू, अजय टुडू, बुद्धेश्वर हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे।

लोकल से ग्लोबल बनी हजारीबाग की सोहराय और कोहबर कला, रूस के राष्ट्रपति तक पहुंची पेंटिंग

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के गांव की गलियों से निकलकर सोहराय और कोहबर कला ने न सिर्फ स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध किया, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी पहचान दिलाई। इस कारण यह क्षेत्रीय कला लोकल से ग्लोबल बन गई। शुरुआत में सोहराय और कोहबर की पेंटिंग्स ने हजारीबाग को अपने खास रंगों और डिजाइनों के लिए पहचान दिलाई। अब तो यह हजारीबाग के सरकारी भवनों से लेकर नए संसद भवन तक अपनी छाप छोड़ चुकी है।

अक्टूबर 2024 में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सोहराय कला की पेंटिंग भेंट की। यह पेंटिंग न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को दुनिया के सामने लाई, बल्कि सोहराय कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई।

हालांकि, प्रधानमंत्री के मन की बात तक यह कला 2015 में ही पहुंच गई थी, तब हजारीबाग स्टेशन पर उकेरी गई कला का जिक्र उन्होंने अपने मन की बात कार्यक्रम में किया था। उस समय हजारीबाग में सोहराय व कोहबर को लेकर 'पेंट माई सिटी' अभियान की शुरुआत तत्कालीन उपायुक्त मुकेश कुमार के द्वारा की गई थी। यह कला अब न केवल हजारीबाग, बल्कि देश और विदेशों में भी चर्चित हो चुकी है और इसके पीछे कला को प्रोत्साहित करने में सबसे बड़ा योगदान बुलू इमाम और उनके परिवार का रहा है। बुलू इमाम को उनके इस काम के लिए पद्मश्री से नवाजा गया।

बुलू इमाम के साथ ही उनके बेटे जस्टिन इमाम व बहू अलका इमाम ने कला को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। 2018-19 में सोहराय और कोहबर कला को जियोग्राफिकल इंडिकेशंस (जीआइ) दिलाने में अलका ने अहम भूमिका निभाई।

अलका की कोशिशों से सोहराय और कोहबर कला अब केवल कला प्रेमियों तक ही सीमित नहीं रह गई, बल्कि यह मुख्यधारा के फैशन और डिजाइन में भी अपनी जगह बना चुकी है। साड़ी, दुपट्टा, स्ट्राल, बेडशीट सभी जगह इसकी छाप दिखती है। उन्होंने इसके लिए 2018 में सोहराय महिला कला विकास समिति का गठन किया। यहां अब भी कक्षाएं लग रही हैं।

बच्चे प्राकृतिक रंगों को उकेरना सीख रहे हैं। हजारीबाग की 100 से अधिक महिलाओं के जीवन का यह हिस्सा बन चुकी है। इन महिलाओं ने इस कला के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफलता पाई है। प्राकृतिक रंगों से बनाई जाने वाली इन पेंटिंग्स ने न केवल महिलाओं को एक नया रोजगार दिया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है।हजारीबाग के चार गांव जोराकाट, विष्णुगढ़ का भेलवारा, चुरचू का केंदुआ और टाटीझरिया का लुकुइया की पहचान ही इस कला से है। मिट्टी के घरों में उकेरी गई यह कला देखते ही बनती है।कोहबर और सोहराय झारखंड की दो प्रमुख लोक कला है। यह लोक कला मानव सभ्यता के विकास को दर्शाता है। मूल रूप में दोनों चित्रकला में नैसर्गिक रंगों का प्रयोग होता है।

जीएम ने विस्थापितों संग की बैठक, समस्याओं के समाधान का आश्वासन

देवघर, एजेंसी। देवघर जिले की चितरा कोलियरी के महाप्रबंधक ओपी चौबे ने विस्थापित गांव तुलसीडाबर के रैयतों व यूनियन प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय में बैठक की। उन्होंने विस्थापितों को उनकी समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। कोलियरी के संबंधित अधिकारियों को विस्थापित रैयतों की नौकरी की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही कोलियरी विस्तारीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए ली जा रही जमीन का मुआवजा, नौकरी आदि के मुद्दे पर भी बात की। जमीन का मुआवजा व नौकरी के लिए रैयतों से जरूरी कागजात कोलियरी कार्यालय में जमा करने की बात कही।

ज्ञात हो कि विस्थापितों ने नौकरी की मांग को लेकर कोलियरी का ओबी फेंकने का विरोध किया था। रैयत दिनेश हेंब्रम, आलोक मरांडी, जिशु टुडू, कादोली मंझियान व अविनाश हेम्ब्रम की नौकरी को नौकरी देने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश जीएम ने दिया। बैठक में कोलियरी के पर्यावरण अधिकारी इंद्रनील मुखर्जी, आनंद सुब्रतो राणा, सर्वेयर ज्ञानेंद्र कुमार, सिक्योरिटी इंस्पेक्टर रूपेश मिश्रा, विपिन कुमार, वीरेन कुमार महतो, यूनियन नेता महेंद्र प्रसाद राणा उपस्थित थे।

यूट्यूबर की कार ने टेंपो को मारी टक्कर, चालक की हालत नाजुक; लोग बोले- शराब के नशे में था मनोज

तिसरा (धनबाद), एजेंसी। तिसरा थाना क्षेत्र के चांद कुइयां मोड़ के समीप झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग में बुधवार की देर रात यूट्यूबर मनोज डे की फॉर्च्यूनर कार व माल वाहक टेंपो में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से टेंपो चालक बेलगड़िया निवासी सिद्धेश्वर मंडल घायल हो गया।

घटना के बाद लोगों को आता देख कार चालक मौके में कार छोड़ फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही तिसरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच दोनों वाहन को जब्त कर थाना ले गई। वहीं, पुलिस ने कार के पीछे बैठे एक युवक को भी हिरासत में ले लिया। जिसे पूछताछ के बाद पुलिस ने छोड़ दिया।

पुलिस द्वारा एक शख्स को हिरासत में लिए जाने के बाद छोड़ने को लेकर क्षेत्र में चर्चा का बाजार गर्म है। लोगों ने बताया कि फॉर्च्यूनर कार यूट्यूबर मनोज डे की है। फॉर्च्यूनर कार तेज रफ्तार से कुसमाटांड की तरफ से झरिया की ओर जा रही थी। इसी दौरान कार ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे चालक घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि कार चालक शराब के नशे में धुत होकर तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था। घायल टेंपो चालक को तिसरा पुलिस बलियापुर स्वास्थ्य केंद्र में ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि दोनों वाहन को जब्त कर थाना ले आया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूजा सिंघल का सस्पेंशन हटने से बीजेपी गुस्से में, सीधा राहुल गांधी से मांगा जवाब

रांची/दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार दिल्ली में आयोजित पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल की बहाली को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने झारखंड सरकार में प्रमुख सहयोगी कांग्रेस पर भी हमला बोला। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस से पूजा सिंघल का सस्पेंशन हटाए जाने को लेकर जवाब मांगा। सांसद ने कहा कि जिस अधिकारी के खिलाफ इतने संगीन आरोप हैं, उसको जेल से तुरंत आने के बाद बहाल क्यों किया गया

भाजपा सांसद ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और हाथ में संविधान लेकर घूमने के लिए उन पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस से स्पष्टीकरण की भी मांग की।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनके सीए के पास से 16 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। पीएमएलए अधिकारियों ने उनके पास से 36 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए थे। वह पिछले 28 महीनों से जेल में थीं, दिसंबर में उन्हें जमानत मिल गई और 21 जनवरी को उनका निलंबन वापस ले लिया गया और उन्हें बहाल कर दिया गया।भाजपा सांसद ने कहा कि एक आईएएस अधिकारी जिसके खिलाफ मुकदमा चल रहा है और पीएमएलए कोर्ट ने मामला दर्ज किया है, करोड़ों रुपये बरामद हुए थे, जैसे ही वह जेल से बाहर आईं उनका सस्पेंशन हटा दिया गया।उन्होंने कहा कि कांग्रेस भी झारखंड सरकार का हिस्सा है और उन्हें जवाब देना होगा कि क्या हो रहा है। मेरा सवाल राहुल गांधी से है जो संविधान को हाथ में लेकर घूमते हैं।

पीएम स्वनिधि योजना लागू करने में झारखंड देश में अव्वल, लोन देने में देवघर पहले स्थान पर

देवघर, एजेंसी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में चालू वित्तीय वर्ष में झारखंड देश में पहले नंबर पर है, जबकि देवघर के बैंक पीएम स्वनिधि योजना के तहत लोन देने में देश में पहले स्थान पर हैं। स्टेट लेबल बैंकर्स कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 30 नवंबर तक देवघर में पीएम स्वनिधि योजना में कुल 6,730 स्ट्रीट वेंडरों से आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 5,229 स्ट्रीट वेंडरों को ऋण मुहैया करा दिया गया। 95 फीसदी स्ट्रीट वेंडरों को रोजगार के लिए ऋण दिया गया। पीएम स्वनिधि योजना में स्ट्रीट वेंडर्स को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यशील पूंजी मुहैया करायी गयी है। इस योजना के तहत स्ट्रीट वेंडरों को बगैर कोई सिक्योरिटी के ऋण दिया गया है। इस योजना में 10 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक ऋण बैंकों ने दिया है। इसमें स्ट्रीट वेंडर्स को सात फीसदी की दर से ब्याज सब्सिडी है।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत देवघर में हॉकर, ठेलेवाला, रेहड़ीवाला, फल वाला, सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट फूड, चाय, पकौड़े, ब्रेड, अंडे, कपड़ा, परिधान, जूते, स्टेशनरी, सैलून, मोची, पान दुकानदारों को ऋण दिया गया है। पीएम स्वनिधि योजना में सबसे अधिक ऋण भारतीय स्टेट बैंक ने देवघर नगर निगम के माध्यम से स्ट्रीट वेंडरों को मुहैया कराया है। देवघर की उपलब्धि को वित्त मंत्रालय द्वारा केंद्रीय स्तर पर सराहना की गयी है।

देवघर के एलडीएम सांडु समद ने बताया कि स्ट्रीट वेंडरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गयी पीएम स्वनिधि योजना में झारखंड और देवघर देश में पहले स्थान पर हैं। केंद्रीय स्तर पर देवघर की उपलब्धियों की सराहना भी हो चुकी है।

आजसू को लग सकता है एक और झटका, कद्दावर सांसद के बीजेपी में शामिल होने की संभावना

रांची, एजेंसी। विधानसभा चुनाव में करारी पराजय के बाद झारखंड में भाजपा की सहयोगी आजसू पार्टी के भितरखाने सबकुछ ठीकठाक नहीं चल रहा है। ऐसे में आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो के लिए आने वाले दिन में राजनीतिक चुनौतियां बढ़ने वाली है।

राजनीतिक गलियारे में यह संभावना जताई जा रही है कि उनके सबसे करीबी राजनीतिक सहयोगी चंद्रप्रकाश चौधरी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। चंद्रप्रकाश चौधरी गिरिडीह से आजसू पार्टी के सांसद हैं। वे सुदेश महतो के करीबी रिश्तेदार भी हैं।यह भी कहा जा रहा है कि उनके साथ-साथ आजसू पार्टी के मांडू से विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो भी भाजपा में जा सकते हैं। चंद्रप्रकाश चौधरी का आजसू पार्टी से हटना बड़ा झटका होगा।

बताया जाता है कि वे हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में आजसू पार्टी के खराब परिणाम से खासे खिन्न हैं और अपनी अलग राजनीतिक राह बनाना चाहते हैं।उल्लेखनीय है कि अंतिम समय में वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने से वंचित रह गए थे। इसपर उन्होंने आपत्ति भी जताई थी। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है।

चंद्रप्रकाश चौधरी के भाजपा में आने से पार्टी को कई लाभ दिख रहे हैं। विधानसभा चुनाव के परिणाम से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रभावी कुड़मी समुदाय के मतदाताओं पर आजसू पार्टी की पकड़ पहले जैसी नहीं रही। इस बड़े वोट बैंक में जयराम महतो की पार्टी झारखंड क्रांतिकारी लोकतांत्रिक मोर्चा (जेकेएलएम) ने गहरी सेंध लगाई है।

भाजपा की चिंता का सबब भी यही है। यही कारण है कि चंद्रप्रकाश चौधरी को पार्टी में लाने को लेकर मंथन चल रहा है। उनके आने से भाजपा को कुड़मी समुदाय का एक मजबूत नेता मिलेगा। इससे कुड़मी वोटों को आगामी चुनावों में रिझाने में मदद मिल सकती है।हालांकि इसके जोखिम भी हैं। चंद्रप्रकाश चौधरी के भाजपा में जाने से आजसू पार्टी की राजनीतिक राह एनडीए से अलग हो सकती है।

सरना पूजा स्थल को लेकर बढ़े विवाद में मंत्री चमरा लिंडा की एंट्री, कहा- छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में मेकान-सिरम टोली फ्लाईओवर की राह में सरना स्थल का विवाद तूल पकड़ रहा रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध के बीच राज्य सरकार के मंत्री चमरा लिंडा ने गुरुवार को इसमें हस्तक्षेप कया।

मंत्री चमरा लिंडा ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जब अन्य धर्मों के पूजा स्थल के साथ छेड़छाड़ नहीं होती तो आदिवासियों के धार्मिक स्थल के साथ छेड़छाड़ नहीं करने देंगे।

मंत्री ने कहा कि सड़क, फ्लाईओवर जैसे आधारभूत ढांचों के निर्माण में जिस प्रकार अन्य धार्मिक स्थलों का सम्मान किया जाता है, उसी प्रकार सरना पूजा स्थलों का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित होना चाहिए।

उन्होंने इसी संदर्भ में गुरुवार को मेकान-सिरमटोली फ्लाईओवर में सिरमटोली चौक स्थित सरना पूजा स्थल के जमीन विवाद की जानकारी प्राप्त की।

मंत्री के मुताबिक अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिया गया है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी करवाई की जाएगी।

सरना स्थल की जमीन पर मेकान-सिरमटोली फ्लाईओवर के निर्माण का लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है। मामले को बढ़ता देखकर मंत्री चमरा लिंडा लोगों को समझाने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया की आदिवासियों के धार्मिक स्थल के साथ छेड़छाड़ नहीं होने देंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को केंद्रीय सरना समिति, भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सरना आदिवासी समाज की समस्याओं एवं मांगो से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हित में सरकार सभी वर्ग तथा समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाज के हर वर्ग और तबके के लोगों को सशक्त और आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है।

बिना समाज को मजबूत किए राज्य को मजबूत नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरना आदिवासी समाज की आस्था, परंपरा एवं संस्कृति को संरक्षित करने के साथ उनके हक-अधिकार को देने के लिए हमारी सरकार ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में केंद्रीय सरना समिति, भारत के अध्यक्ष नारायण उरांव,अमर उरांव, राजू मंडल, शिवा कच्छप, प्रदीप तिर्की, सोनू मुंडा, झरी मुंडा, राजेश तिर्की, हेमन्त गाड़ी, चिंतामणि सांगा, सुलोचना खालखो, सावित्री कच्छप, लाली कच्छप, संजना उरांव, मधु तिर्की, प्रीति कच्छप और सायरा कच्छप प्रमुख रूप से शामिल थे।

विश्वस्तरीय बनने जा रहा टाटानगर रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट जैसी होंगी सुविधाएं

टाटानगर, एजेंसी। झारखंड का टाटानगर स्टेशन को एयरपोर्ट की तरह सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने में रेलवे बोर्ड 326 करोड़ से ज्यादा रकम खर्च करेगा। दक्षिण पूर्व जोन ने बुधवार को टाटानगर स्टेशन पुनर्विकास का टेंडर निकाला है।

रेलवे के अनुसार, टाटानगर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य ईपीसी मोड पर (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व कंस्ट्रक्शन) होगा। स्टेशन पुनर्विकास करने वाली कंपनी की घोषणा 4 अप्रैल को होगी। मिली जानकारी के अनुसार, टाटानगर स्टेशन को एयरपोर्ट की सुविधा जैसा बनाया जाएगा।

बताया जाता है कि 326 करोड़ 87 लाख 59 हजार 977 रुपये से दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के मॉडल स्टेशन टाटानगर को जमशेदपुर का सिटी सेंटर बनाया जाएगा, ताकि जरूरत का हर सामान स्टेशन पर उपलब्ध हो सके। पुनर्विकास योजना को लेकर रेलमंत्री एवं रेलवे बोर्ड के चेयरमैन भी टाटानगर आ चुके हैं। हावड़ा-मुंबई मार्ग पर 1891 से शुरू कालीमाटी स्टेशन का नाम 1919 में टाटा समूह के संस्थापक जेएन टाटा के नाम पर टाटानगर हुआ।

प्रधानमंत्री ने किया था ऑनलाइन शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2024 में टाटानगर को विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने की योजना का ऑनलाइन शिलान्यास किया गया था। रेलवे बोर्ड ने दिल्ली के आर्किटेक्ट से स्टेशन को एयरपोर्ट व व्यावसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने का नक्शा बनवाया है।

एयरपोर्ट की तरह मिलेंगी सुविधाएं

टाटानगर स्टेशन को एयरपोर्ट की तरह सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व रेल जोन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके लिए टेंडर जारी किया गयाहै। योजना के अनुसार, टाटानगर स्टेशन के दोनों गेट पर तीन मंजिला मॉडल बिल्डिंग बनेगी। बिल्डिंग की पहली मंजिल पर रिटायरिंग रूम, रेस्टोरेंट, डोरमेट्री व अन्य यात्री सुविधाएं होंगी, जबकि दूसरी व तीसरी मंजिल पर व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनेंगे, जिससे यात्रियों को किसी जरूरत के लिए स्टेशन से बाहर न जाना पड़े। स्टेशन पर बर्मामाइंस की ओर दो नए प्लेटफॉर्म बनेंगे। लाइन के नीचे सबवे और ऊपर पाथवे से दोनों गेट को जोड़ा जाएगा, ताकि यात्रियों को एक से दूसरे गेट व किसी प्लेटफॉर्म से आवागमन में दिक्कत न हो। यात्रियों को स्टेशन पर सिनेमा हॉल, श्री स्टॉर होटल, स्कॉई लाउंज, हर प्लेटफॉर्म पर एस्केलेटर व लिफ्ट, पार्क, फाउंटेन और मनोरंजन के अन्य संसाधन मुहैया कराए जाएंगे। जबकि, स्टेशन के बाहर फ्लाईओवर, मल्टीस्टोरी पार्किंग, रिंग रोड और चारों तरफ दीवार बनेगी।

डेढ़ किमी की परिधि में होगा स्टेशन

स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की लंबाई भी बढ़ेगी। प्लेटफार्म नंबर एक से गार्ड क्रू लॉबी हटेगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

दूसरे देशों में जाकर संकट में फंस रहे भारतीय

अक्सर अनधिकृत रूप से, चोरी-छिपे या गलत दस्तावेजों और चालबाज बिचौलियों की मार्फत परदेस पहुंचे लोगों को संकट का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर वैसी स्थिति में जब वैसे देशों के बीच युद्ध छिड़ा हो, जहां वे बाहर से गए हों तो उसकी मार अलग से झेलनी पड़ती है। कई लोग नाहक ही मारे जाते हैं। ऐसे समय में भारतीय विदेश मंत्रालय के लिए उन्हें वहां से निकालना कठिन काम हो जाता है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में फंसे ऐसे ही लोगों को निकालने के लिए विदेश मंत्रालय काफी समय से जद्दोजहद कर रहा है। भी मंत्रालय ने कहा है कि वहां रूस-यूक्रेन मोर्चे पर अब तक बारह भारतीय मारे जा चुके हैं, सोलह लापता हैं, एक का इलाज चल रहा है। कुछ महीने पहले पता चला कि बिचौलियों के जरिए भारत से बड़ी संख्या में ऐसे युवक रूस गए हैं, जिन्हें भर्ती तो किसी और काम के लिए किया गया था, मगर वहां पहुंचने के बाद उन्हें रूसी सेना में भर्ती करा कर यूक्रेन के साथ छिड़ी जंग में भेज दिया गया। जब उनके परिजनों को इस बात की खबर मिली, तो उन्होंने भारतीय विदेश मंत्रालय से वापस लाने की गुहार लगाई। जांच से पता चला कि ऐसे एक सौ छब्बीस युवकों को जंग में झोंक दिया गया था। विदेश मंत्रालय की अपील पर रूस सरकार ने छियानबे भारतीय नागरिकों को वापस भेज दिया।ऐसे मामले अन्य देशों में भी देखे जा चुके हैं। रोजगार की तलाश में बहुत सारे युवा अनधिकृत रूप से दूसरे देशों में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन आदि देशों से तो इस तरह अनधिकृत प्रवेश करने वाले अनेक लोगों के मारे जाने की खबरें भी आती हैं। खाड़ी देशों में भी इसी तरह बहुत सारे युवक जाते और वहां बंधक बना लिए जाते हैं। इन मामलों के मद्देनजर भारत सरकार लगातार अपील करती रहती है कि विदेश जाते समय अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि आपके बारे में यहां सही-सही जानकारी उपलब्ध रहे और किसी संकट के समय वहां से निकालना आसान हो।

युद्ध विराम से दुनिया में शांति की उम्मीद

बिचौलियों और फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल से भी सावधान करती रही है, मगर हकीकत यह है कि हर वर्ष हजारों लोग इस अपील को धता बताते हुए विदेश जाने का प्रयास करते हैं। इसकी वजहें सरकार को भी पता हैं और यह भी छिपी बात नहीं है कि ऐसे लोगों की ख्वाहिशों का लाभ उठाने वाले बिचौलियों पर अंकुश नहीं लगाया जा पा रहा। जब पंजाब में 'कबूतरबाजी' के बढ़ते मामले प्रकाश में आए थे, तब सरकार ने ऐसे बिचौलियों पर अंकुश लगाने की पहल की थी, मगर वह पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाई है। यह भी विचार करने का विषय है कि क्यों हमारे देश से बड़ी संख्या में युवा विदेश का रुख करते हैं। यह केवल ऊंची डिग्रियां हासिल कर चुके युवाओं के साथ नहीं है, छोटे-मोटे काम की चाह में भी बहुत सारे युवा दूसरे देशों का रुख कर लेते हैं। सब जानते हैं कि यहां रोजगार के पर्याप्त अवसर और आमदनी का साधन न होने के कारण, थोड़ी बेहतर जिंदगी की उम्मीद लिए लाखों युवा हर वर्ष ऐसे देशों में भी जाने का प्रयास करते हैं, जहां कोई खास कमाई के अवसर नहीं हैं। थोड़े संपन्न माने जाने वाले देशों में प्रवेश पाने के लिए तो मुंहमांगी रकम खर्च करने को तैयार देखे जाते हैं। अच्छी बात है कि सरकार दूसरे देशों में संकट में फंसे लोगों को वापस लाने के संजीदा प्रयास करती है, मगर जब तक रोजगार के मोर्चे पर मुस्तैदी नहीं दिखेगी, लोग परदेस में पीड़ा झेलने को मजबूर होते रहेंगे।

कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

(प्रवीण गुगनानी)

हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सितम्बर 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15त्न कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1त्न से नीचे होकर 0त्न की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आर्तकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के क़दमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में

> *अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आतताइयों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए।*

एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी, हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ़ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया। अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएल?फ़ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए।

युद्धमुक्त विश्व के ट्रंप के संकल्पों की रोशनी

(ललित गर्ग)

विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा। राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल पर लौटने से पहले ट्रंप ने 'तीसरा विश्व युद्ध' रोकने की कसम खाकर दुनिया में शांति, अमन एवं अयुद्ध की संभावनाओं को बल दिया है। 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही ट्रंप कई संकेत ऐसे दे चुके हैं, जिनसे लगने लगा है कि दुनिया बदलने वाली है। ये बदलाव इस बात पर केंद्रित रहेंगे कि अमेरिका को फिर एक बार महान बनना है। यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा डोनाल्ड ट्रंप की एक नई पहचान बन गया है और बहुत संभावना है कि इस बार ट्रंप अपने सपने को साकार करने के लिए दुस्साहस का भी परिचय देते हुए युद्ध की मानसिकता वाले देशों की सोच में बदलाव का कारण बन जाये। विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा। जब राष्ट्रवाद चरम पर पहुंच जाता है तो युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है या फिर एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों पर अपना अधिकार जमाना चाहता है, तो इससे युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का कारण बन सकती है। साथ ही धार्मिक मतभेद भी युद्ध का कारण बन सकते हैं और किसी देश में राजनीतिक अस्थिरता होने पर पड़ोसी देशों में भी अशांति फैल सकती है और युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। युद्ध की इन व्यापक संभावनाओं पर ट्रंप के संकल्प से विराम लगना विश्व की समाज-व्यवस्था, आर्थिक विकास एवं सह-जीवन के लिये एक शुभ संकेत है। क्योंकि विश्व युद्ध के परिणाम बहुत ही विनाशकारी होते हैं। इसमें लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही युद्ध से समाज में अस्थिरता फैल जाती है, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी बढ़ जाती है और युद्ध के बाद देशों के राजनीतिक नक्शे में बदलाव आ सकता है। अमेरिका दुनिया में अमन चाहता है और नये राष्ट्रपति ट्रंप ने यदि किसी भी देश के युद्ध में सेना नहीं भेजने का संकल्प लिया है तो इससे दुनिया में युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगना तय है। क्योंकि अब तक शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका ही दुनिया मे युद्ध की भूमि तैयार करता रहा है, अपनी सेना एवं सैन्य सामान भेज कर युद्ध की भूमि को उर्वरा बनाता रहा है। विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच ट्रंप के नये संकल्प एवं योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आज युद्ध और तनाव की समस्या बढ़ती जा रही है। हथियारों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। हर देश परमाणुशक्ति संपन्न बनने के लिए प्रयासरत है। यह एक अजीबोगरीब स्थिति है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक-5623

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5622

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5623

1	2		3		4		5
6			7	8			
9		10		11		12	
	13		14			15	
16		17				18	
19	20						
22		23			24		
		25			26		

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह चीनी जनावादी गणराज्य की राजधानीर है जिसे बीजिंग भी कहा जाता है (4)
4. समझौता, संधि (3)
6. निशा, विभावरी, रजनी (2)
7. रात्रि को यह भी कहते है (3)
9. यह देश जंबूद्वीप के दक्षिण पश्चिम खंड में स्थित देश है (3)
11. चुनौती (4)
13. रूपवती स्त्री, सुंदर स्त्री (4)
15. दार्शनिक प्रणाली, राय (2)
17. महर्षि परशुराम का शस्त्र (3)
18. गर्व, फख्र, घमंड (2)
19. बहुत बड़ा हथौड़ा, घनसार (2)
21. बांस की चटाई को यह भी कहते है (3)
22. मुश्किल, कठिन (3)
24. शत्रु, बैरी, दुश्मन (2)
25. संसार, जगत, दुनिया, जग (2)
26. पहरेदार, रखवाला, द्वारपाल (3)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. पेरने की मजदूरी, पेरने की क्रिया (3)
2. इठलाना, ऐंठना (4)
3. पटना से करीब 90 किमी.दक्षिण में एक पुण्य स्थान जहां तिल आदि से श्राद्ध करने से चार महापातकों से मुक्ति होती है (2)
4. पहने रेडियों उद्घोषक फिर अभिनेता ओर अंत में राष्ट्रीय स्तर के नेता रहे जिनका निधन 25 मई 2005 को हुआ (सिर्फ नाम)(3)
5. पुरानी फिल्मों के गीतकार जो शंकर जयकिशन के पसंदीदा गीतकार थे (8)
8. सबसे प्रेमपूर्वक मिलने-जुलने वाला (5)
10. अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली की मजार है (3)
12. हसरत, आरजू, तमन्ना, वांछा (3)
14. मेघ, बादल (3)
16. सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की प्रसिद्ध कृति (4)
20. पंचतत्वों में से एक, आकाश, अंबर (2)
23. भास्कर, दिपपति, दिनकर (2)
24. परंपरा, वास्तविक, ईश्वरीय विधान (2)

वर्ग पहेली 5622 का हल

शि	ब्ध	क	दि	व	स		
व	य		वा	र	दा	त	
प्रि		प	क	ना		ला	ल
या	द	गा	र		भू	त	ल
	न	र		ल	क	ल	क
वा	द			ग			ना
प	ना	ह	दे	ना		ना	
स	ना	त	न		भू	टा	न

आज का राशिफल

मेष
आज करियर के लिहाज से शुभ योग बन रहे हैं। दोपहर तक कोई खुशखबरी मिलने की संभावना है। सेहत का ध्यान रखें, इससे आपको फायदा होगा। शाम को किसी खास मेहमान का आगमन हो सकता है। रात में किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा।आपको घर के सामान को पूरा करने के लिए कुछ धन का खर्च करना पड़ सकता है। बजट बनाकर खर्च करें।

वृष
आज दिन लाभ से भरा होगा और आप खुद से ज्यादा दूसरों की मदद करने में वक्त बिताएंगे। आपके सुख में वृद्धि होगी और मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा। भाग्य आपका साथ देगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। इन जिम्मेदारियों को निभाकर आप अपनी क्षमता साबित कर पाएंगे। आपकी प्रगति को देखकर सहकर्मियों का मूड थोड़ा खराब रह सकता है।

मिथुन
आज दिन लाभदायक रहेगा। विशेष उपलब्धि हासिल होगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। आपके अच्छे स्वभाव के कारण आपको सम्मान मिलेगा। भागदौड़ के कारण सेहत पर असर पड़ सकता है, इसलिए सावधान रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। यात्रा सुखद और लाभदायक रहेगी।

कर्क
आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा। धन, सम्मान और यश में वृद्धि होगी। अपने प्रियजनों से मुलाकात होगी। वाणी पर संयम रखें, वरना विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम को प्रियजनों से मुलाकात होगी। रात का समय मौज-मस्ती में बीतेगा। आपके धन में वृद्धि होगी और कहीं से आपको कोई बड़ा शुभ समाचार मिल सकता है।

सिंह
आज दिन खर्चीला रहेगा। धन का व्यय होगा। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है। धन के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। लेकिन अंत में आपकी जीत होगी। आपके खिलाफ कोई साजिश विफल होगी। शत्रु पक्ष के लोग आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे।

कन्या
आज करियर में लाभ मिलेगा। पिता और उच्च अधिकारियों के सहयोग से कोई कीमती वस्तु या संपत्ति मिल सकती है। आपका दिन काफी व्यस्त रहेगा। फिजूल के खर्च से बचें और अपने काम पर फोकस करें। शाम से रात तक किसी भी तरह की जल्दबाजी करने से बचें।

तुला
आज भाग्य में वृद्धि होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे। अचानक धन लाभ होने से मन प्रसन्न रहेगा। व्यावसायिक योजनाओं में गति आएगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जल्दबाजी और भावुकता में कोई भी फैसला न लें। ऐसे फैसले बाद में पछतावे का कारण बन सकते हैं। रात में दोस्तों के साथ कहीं घूमने का मौका मिल सकता है। फालतू खर्च से बचें और अपने काम पर ध्यान दें।

वृश्चिक
आज दिन खुशी में बीतेगा। मनचाहा लाभ होने से खुशी होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में बदलाव की योजना बना सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियां पूरी होंगी। वाहन चलाते समय सावधान रहें, वरना आपका खर्च बढ़ सकता है। कहीं से आपको कोई ऐसी खबर मिल सकती है जो कि आपके लिए लाभदायक है।

धनु
आज भाग्य साथ देगा। राजनीति के क्षेत्र में अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। संतान के प्रति जिम्मेदारियां पूरी होंगी। प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ेंगे। रुके हुए काम पूरे होंगे। शाम का समय दोस्तों के साथ मनोरंजन में बीतेगा। इसमें कुछ खर्च भी होगा। खाने-पीने का विशेष ध्यान रखें और किसी प्रकार के विवाद से आपको बचने की सलाह है। दूसरों की बातों पर ध्यान न दें और बाहरी लोगों के हस्तक्षेप से बचें।

मकर
आज लाभ का दिन है। अचानक भागदौड़ और खर्च बढ़ सकता है। किसी भी संपत्ति की खरीद-बिक्री से पहले उसकी अच्छी तरह जांच कर लें। सभी कानूनी पहलुओं पर विचार कर लें। आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपके लिए दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा और कहीं से आपको कोई तरक्की का समाचार मिल सकता है। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। पत्नी के परिवार से भी सहयोग मिलेगा।

कुंभ
आज लाभ होगा। जीवन आनंददायक रहेगा। किसी जरूरी काम से आपको आपको छोटी-बड़ी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। व्यापार में प्रगति से खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। शाम को घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका मन शांत रहेगा। माता-पिता की सलाह से लाभ होगा। आपके लिए लाभ के योग हैं। किसी महान व्यक्ति से मिलने से आपका मनोबल बढ़ेगा।

मीन
आज भाग्य में वृद्धि होगी। हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थितियों में क्रोध पर नियंत्रण रखें। घर की समस्याएं सुलझ जाएंगी। कारोबार को आगे बढ़ाने में आपको सरकार से मदद मिल सकती है। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने की संभावना है। आपको कहीं से रुका हुआ धन मिलने से आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे और आपकी तरक्की होने से आपको खुशी होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

संक्षिप्त समाचार

बेटियां ईश्वर का उपहार हैं, संस्कारों का विस्तार हैं: योगी

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' की बधाई देते हुए कहा कि बेटियां ईश्वर का उपहार हैं, संस्कारों का विस्तार हैं। मुख्यमंत्री योगी ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने बधाई संदेश में कहा कि ''बेटियां ईश्वर का उपहार हैं, संस्कारों का विस्तार हैं।'' इसी पोस्ट में उन्होंने कहा, ''आज 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के अवसर पर सभी माताओं-बहनों का अभिनंदन एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई!'' योगी ने भरोसा दिलाया, ''डबल इंजन की सरकार 'सुरक्षा कवच' के रूप में सदैव मातृशक्ति के साथ है। आपकी प्रगति, उन्नति एवं आपका सशक्तिकरण हमारी प्रतिबद्धता है।'' वर्ष 2008 में की थी। मोदी सरकार ने विभिन्न पहलों से बाल लिंगानुपात को बढ़ाने और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए 2015 में 22 जनवरी को अपनी महत्वाकांक्षी 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू की।

कैम्ब्रिज जुड़ेगा भारत के महत्वाकांक्षी वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन पहल से

भोपाल। पूरे भारत में रिसर्च एक्सीलेंस और लर्निंग को बढ़ावा देने की योजनाओं की रूपरेखा तैयार कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस भारत सरकार की अभूतपूर्व वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल में शामिल प्रमुख प्रकाशकों में से एक है, जो देशभर में अकादमिक और रिसर्च एक्सीलेंस को बढ़ावा देने का एक प्रयास है। कैम्ब्रिज अपनी पत्रिकाओं के विशाल भंडार तक पहुँच को बढ़ाएगा, जिससे भारत के अकादमिक समुदाय को हाई-क्वालिटी रिसर्च और पीयर-रिव्यू आर्टिकल्स का लाभ मिल सकेगा। भारत सरकार द्वारा संचालित ओएनओएस पूरे देश में प्रतिष्ठित स्कॉलर्स की क्वालिटी रिसर्च जर्नल्स तक पहुँच सुनिश्चित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। इस पहल में भाग लेने वाले 30 वैश्विक प्रकाशकों में से कैम्ब्रिज एक है, जो साइंस, टेक्नोलॉजी एंड मेडिसिन और ह्यूमैनिटीज एवं सोशल साइंस के क्षेत्र के 430 जर्नल्स तक पहुँच प्रदान करेगा। ओएनओएस भारत में सरकारी वित्तीय मदद लेने वाले 6,380 संस्थानों में 1.77 करोड़ से अधिक यूजर्स को हाई-क्वालिटी अकादमिक और रिसर्च सामग्री तक निर्बाध पहुँच प्रदान करता है। यह कदम भारत के आगे बढ़ते विकसित भारत 2047 के विजन की दिशा में महत्वपूर्ण मोड़ बनकर आया है। कैम्ब्रिज ज्ञान के लोकतंत्रीकरण और एक मजबूत रिसर्च इकोसिस्टम को साकार करने के भारत के विजन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस में एकेडेमिक पब्लिकेशन की प्रबंध निदेशक मैंडी हिल ने हाल ही में भारत की अपनी यात्रा के दौरान ओएनओएस सहित विभिन्न पहलों पर चर्चा करने के लिए हितधारकों से बातचीत की।

श्रीमद भागवत सप्ताह का आयोजन 30 जनवरी से

भोपाल । भागवत कथा श्रवण मात्र से पाप से मुक्ति मिलती। जिस स्थान पर कथा होती है वहां भगवान विराजमान होते हैं। भगवन नाम के जाप से सारे विपत्ति नाश हो जाते हैं। इस जगत में भगवत कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मनुष्य को समाज में अच्छे काम करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है की कर्म ही प्रधान हैए बिना कर्म कुछ संभव नहीं होता है, जो मनुष्य अच्छा व सत्कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है व बुरे कर्म करने वाले को हमेशा बुरा फल मिलता है। कृष्ण की अनन्त लीलाओं में से बहुत सी लीलाओं का वर्णन भागवत में है। भोपाल में आयोजित भागवत कथा के यजमान चंद्रप्रकाश मिश्रा ने बताया श्री राधारानी जी की असीम कृपा एवं पितृदेव के अतुलित आशीर्वाद से,कण कण में निहित श्री कृष्ण जी की लीलाओं का रसपान हेतु श्रीमद भागवत सप्ताह का आयोजन 30 जनवरी से 6 फरवरी तक स्-479,नेहरू नगर पुरानी पानी की टंकी के पास,भोपाल में किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन बिजेथुआ धाम, कादीपुर, सुल्तानपुर, उत्तरप्रदेश के कथावाचक पंडित कृष्णदेव तिवारी दारा प्रति दिन 3 से 6 बजे तक किया जायेगा । यह कथा केवल एक व्यक्ति के जीवन को नहींए बल्कि उनकी सात पीढ़ियों को मोक्ष प्रदान करने की शक्ति रखती है। श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक मार्गदर्शक है। इसके श्रवण और चिंतन से आत्मा को शुद्धता प्राप्त होती है और मानव के जीवन का उद्देश्य स्पष्ट होता है।

कांग्रेस के राज वाले कर्नाटक में बदलेगा मुख्यमंत्री? अटकलें फिर हुई तेज

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस शासित कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है। हालांकि, पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इसे लेकर कुछ नहीं कहा है, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के ताजा बयानों से ऐसे संकेत मिल रहे हैं। राज्य में हुए विधानसभा चुनाव के बाद कथित तौर पर तय हुआ था कि ढाई साल में सीएम बदले जाएंगे। फिलहाल, इस दौड़ में सबसे आगे उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार नजर आ रहे हैं।

गुरुवार को सिद्धारमैया के बयानों से पहली बार संकेत मिले हैं कि उनके और डिप्टी सीएम शिवकुमार के बीच बातचीत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, अंत में आलाकमान को ही हर बात पर फैसला लेना है। पत्रकारों ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर सवाल किया था, जिसका उत्तर सिद्धारमैया ने दिया था। दरअसल, इस बयान को उनके पूर्व की टिप्पणियों से जोड़कर देखा जा रहा है। एक ओर जहां वह पहले पांच साल का कार्यकाल पूरा करने की बात कहते थे

और नेतृत्व परिवर्तन की खबरों का खंडन करते थे। इधर, शिवकुमार ने हाल ही में कहा कि वह अपना कर्तव्य करेंगे। साथ ही कहा कि नेतृत्व को लेकर फैसला पार्टी करेगी। हालांकि, रेस में कई और नेता भी दावेदारी पेश करते नजर आ रहे हैं।

साल 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की थी। तब कहा जा रहा था कि शिवकुमार सीएम पद के लिए जोर दे रहे हैं। ऐसे में पार्टी को हस्तक्षेप करना पड़ा और कथित तौर पर 30 महीनों का एक समझौता तैयार हुआ। अब सिद्धारमैया को पद पर रहते हुए 30 महीने पूरे होने जा रहे हैं। दोनों के ही समर्थक अपने-अपने नेताओं का नाम आगे बढ़ा रहे हैं।

क्या बोले शिवकुमार: शिवकुमार ने जैन आध्यात्मिक गुरु गुणाधर नंदी महाराज से मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद मिलने के बाद बुधवार को पार्टी के प्रति अपनी वफादारी दोहराई और शीर्ष पद के लिए किसी भी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को खारिज कर दिया। जैन गुरु के आशीर्वाद के बाद राज्य में कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर से तेज हो गई हैं। शिवकुमार ने हुबली हवाई अड्डे पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, आध्यात्मिक नेता अपनी इच्छानुसार आशीर्वाद देने के लिए स्वतंत्र हैं, और हम इसका सम्मान करते हैं। हालांकि, पार्टी के फैसले सर्वोच्च हैं, और हम उनका पालन करेंगे।

शिवकुमार की टिप्पणियों को वर्तमान में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के भीतर आंतरिक तनाव के बारे में अटकलों को शांत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि इस घटनाक्रम से पार्टी के भीतर संभावित नेतृत्व परिवर्तन के बारे में चर्चाएं तेज हो सकती हैं।

उत्तराखंड को भेजी सहमति, स्पॉन्सरशिप के लिए केंद्रीय मंत्री से मिले थे मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता | देहरादून

38 वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी कर रहे उत्तराखंड को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) का साथ मिला है। आईओसी इस आयोजन के लिए उत्तराखंड को स्पॉन्सरशिप देगा। प्रारंभिक सहमति की सूचना उत्तराखंड को आधिकारिक रूप से प्राप्त हो गई है। इसके बाद, उत्तराखंड ने आईओसी को राष्ट्रीय खेलों का ब्रॉन्ज स्पॉन्सर बना दिया है। आयोजन के प्रचार-प्रसार में अब आईओसी भी नजर आएगा। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) मद में आईओसी जल्द ही यह तय करेगा कि इस आयोजन के लिए उसकी स्पॉन्सरशिप का आकार क्या होगा। 28 जनवरी को जिस दिन राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन हो रहा है, उसी दिन आईओसी की बोर्ड बैठक भी प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इस बैठक में ही स्पॉन्सरशिप के आकार पर निर्णय ले लिया जाएगा। बहरहाल, आईओसी ने स्पॉन्सरशिप के लिए प्रारंभिक सहमति दे दी है। राष्ट्रीय खेलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिन्हा के अनुसार- आईओसी का स्पॉन्सरशिप के संबंध में आधिकारिक मेल प्राप्त हुआ है। इसके बाद, आईओसी अब राष्ट्रीय खेलों का ब्रॉन्ज स्पॉन्सर होगा। राष्ट्रीय खेलों के लिए स्पॉन्सरशिप जुटाने के मामले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मोर्चे पर खुद जुटे। केंद्र सरकार में मजबूत पैरवी की, तो बात बन गई। दरअसल, कुछ दिन पहले अपने दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी से मुलाकात की थी। उन्होंने पुरी को राष्ट्रीय खेलों के लिए आमंत्रित किया था। साथ ही, आईओसी व ओएनजीसीसी से सीएसआर में स्पॉन्सरशिप दिलवाने का अनुरोध किया था। इस पर मंत्री ने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रति आभार प्रकट किया है। किसी बड़े इवेंट या कार्यक्रम में प्रायोजक से मिलने वाली स्पॉन्सरशिप की राशि के हिसाब से उसकी श्रेणी तय की जाती है। आईओसी के स्तर पर राष्ट्रीय खेलों में हमेशा स्पॉन्सरशिप दी जाती रही है। राष्ट्रीय खेल सचिवालय से जुड़े अधिकारी प्रतीक जोशी के अनुसार- पिछले अनुभवों का अध्ययन करने के बाद आईओसी को ब्रॉन्ज कैटेगरी में स्पॉन्सर बनाने का निर्णय लिया गया है। इस कैटेगरी के हिसाब से ही राष्ट्रीय खेलों के प्रचार-प्रसार में आईओसी नजर आएगा।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में महाकुम्भ-2025 प्रयागराज में भव्य उत्तराखण्ड पवेलियन किया गया स्थापित

विशेष संवाददाता | देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों एवं मार्गदर्शन में प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के पावन संगम पर 144 वर्षों बाद 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित हो रहे महाकुम्भ-2025 में भव्य उत्तराखण्ड पवेलियन स्थापित किया गया है। यह आयोजन मात्र एक मेले का आयोजन न होकर भारत एवं विश्व की विभिन्न संस्कृतियों के मिलन का उत्सव है, जिसमें देश एवं विदेश के बहुभाषी तीर्थ यात्री अपने आध्यात्मिक शुद्धि के लिए एकत्रित होते हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में उत्तराखण्ड पवेलियन में राज्य के तीर्थ यात्रियों को आवासीय सुविधा एवं स्थानीय भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था के साथ पवेलियन में उत्कृष्ट टेंट सिटी का भी निर्माण किया गया है। उत्तराखण्ड पवेलियन में प्रतिदिन दस हजार से पन्द्रह हजार तीर्थ यात्रियों द्वारा भ्रमण किया जा रहा है। तीर्थ यात्रियों के मध्य देवभूमि उत्तराखण्ड के दिव्य मंदिरों के दर्शन एवं फोटोग्राफी के साथ ही राज्य के पारंपरिक उत्पादों के स्टॉल एवं समृद्ध लोक संस्कृति की प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत की जा रही है। मुख्यमंत्री का मानना है कि 2026 में हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के आयोजन व्यवस्थाओं के लिए भी इससे मदद मिलेगी तथा उत्तराखण्ड पवेलियन महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को भी इससे संबंधित जानकारी उपलब्ध होगी। इस संबंध में आयुक्त एवं महानिदेशक उद्योग प्रतीक जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, के मार्गदर्शन में मंडपम में उत्तराखण्ड राज्य के देवभूमि स्वरूप के प्रदर्शन के साथ ही राज्य की कला-संस्कृति एवं विशिष्ट उत्पादों के प्रदर्शन तथा बिक्री की भी व्यवस्था की गयी है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड का अंतर्राष्ट्रीय ब्राण्ड 'हाउस ऑफ हिमालया', उत्तराखण्ड का हथकरघा एवं हस्तशिल्प ब्राण्ड 'हिमाद्री', राज्य के खादी एवं बांस तथा अन्य फाईबर उत्पाद, राज्य के पर्यटन स्थलों तथा आयुर्वेदिक एवं योग चिकित्सा को प्रदर्शित किया गया है। मंडपम में संस्कृति विभाग द्वारा राज्य की कला एवं संस्कृति से परिपूर्ण सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाता है। जिसके प्रति भी लोगों में और अधिक आकर्षण देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड मंडपम में प्रवेश द्वार के रूप में केदारनाथ द्वार एवं निकास द्वार के रूप में बद्रीनाथ द्वार निर्मित किया गया है। मंडपम के अंदर प्रवेश करने पर चारधाम- यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ जी की दिव्य एवं भव्य प्रतिकृतियों के दर्शन होते हैं, इसके साथ ही हर की पैड़ी, हरिद्वार तथा गंगा की अविरल एवं पावन धारा के भी दर्शन होते हैं। मंडपम में दूसरी ओर माननीय मुख्यमंत्री जी की परिकल्पनाओं के अनुरूप शीतकालीन चारधाम तथा मानसखण्ड मंदिर माला के अंतर्गत जागेश्वर धाम, गोल्ज्यू देवता तथा नीम करोली बाबा की दिव्य प्रतिकृतियों को प्रदर्शित किया गया है।आयुक्त एवं महानिदेशक उद्योग ने बताया कि उद्योग विभाग उत्तराखण्ड द्वारा प्रयागराज महाकुम्भ क्षेत्रान्तर्गत सेक्टर-7, कैलाशपुरी मार्ग पर 40000 वर्गफीट क्षेत्रफल में देवभूमि की दिव्यता को प्रदर्षित करता भव्य उत्तराखण्ड पवेलियन स्थापित किया गया है। यह पवेलियन सिविल लाईन प्रयागराज बस स्टैंड से 06 किमी, प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन से 08 किमी तथा प्रयागराज एयरपोर्ट से मात्र 15 किमी की दूरी पर स्थापित है। पवेलियन से नजदीकी गंगा घाट मात्र 800 मीटर दूरी पर तथा पवित्र संगम लगभग 05 किमी दूरी पर स्थित है।

जो हिंदू-मुस्लिम के बीच दुश्मनी फैलाते हैं, वे हिंदू नहीं हो सकते: उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया. उन्होंने और कहा कि जो कोई भी सांप्रदायिक विद्वेष फैलाता है, वह हिंदू नहीं हो सकता. साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का हिंदुत्व स्वच्छ है. महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को बैलेट पेपर पर चुनाव कराने की चुनौती भी दी. वह शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की जयंती के अवसर पर एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

ठाकरे ने कहा कि अगर आपको थोड़ी भी शर्म है, तो ईवीएम को किनारे रखें और बैलेट पेपर से चुनाव कराएं. जो कोई भी हिंदू-मुस्लिम दुश्मनी फैलाता है, वह हिंदू नहीं हो सकता. हमारा हिंदुत्व स्वच्छ है. उल्लेखनीय रूप से, 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव शिवसेना (यूबीटी) के लिए बहुत बड़ी हार थी, जो खुद 20 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 235 सीटों के साथ शानदार जीत दर्ज की.

इस बीच, भारत ब्लॉक के कई विपक्षी नेता चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं. इस महीने की शुरुआत में, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मतदान के लिए पेपर बैलेट पर लौटने के सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि पुरानी पेपर बैलेट प्रणाली पर लौटना अनुचित और प्रतिगामी है. ऐसी मांग का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को पटरी से

उतारना है.

इस सप्ताह, दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के उपयोग को चुनौती देने वाली अपील को खारिज कर दिया. याचिकाकर्ता ने ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई थी और तर्क दिया था कि संबंधित कानून की धारा 61-ए के तहत प्रतिवादी (भारत के चुनाव आयोग) को प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में ईवीएम के इस्तेमाल के लिए अलग-अलग औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता है. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने अपील को खारिज करते हुए कहा कि हमें वर्तमान अपील में कोई योग्यता नहीं मिली, और इसे खारिज किया जाता है.

शरद पवार के साथ मंच पर थी बैठने की व्यवस्था, अजित पवार ने दूर हटवाई चाचा की कुर्सी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को गुरुवार को पुणे में अपने चाचा और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के साथ एक सार्वजनिक कार्यक्रम में असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। दोनों को एक ही मंच पर थे। दोनों पुणे में वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) की बैठक में भाग लेने पहुंचे थे, जिसे पूर्व मंत्री और राकांपा नेता दिलीप वाल्से पाटिल ने आयोजित किया था। वह फिलहाल अजित पवार के गुट में हैं। शरद पवार वीएसआई के अध्यक्ष हैं, जबकि पाटिल इसके उपाध्यक्ष हैं।

कार्यक्रम में दोनों को एक-दूसरे के बगल में बैठने था। कुर्सी भी इसी के मुताबिक लगी थी। अजित पवार जैसे ही मंच पर पहुंचे तो उनकी नजर सीटिंग व्यवस्था पर गई। उन्होंने तुरंत इसे बदलने के लिए कहा। इसके बाद सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल को शरद पवार के पास बैठाया गया। अजित पवार यहां नहीं रुके। उन्होंने टेबल पर लगे नेमप्लेट भी हटाने के लिए कहा। यह पहली बार नहीं था जब दोनों एक-दूसरे के पास बैठने से बचते नजर आए। इससे पहले दोनों ने 2025 कृषि महोत्सव के उद्घाटन समारोह में

भी एक-दूसरे के पास बैठने से इंकार कर दिया था।

अजित पवार ने इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह सिर्फ बाबासाहेब पाटिल का सम्मान कर रहे थे। उन्होंने कहा, सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटिल शरद पवार से बात करना चाहते थे। मैं शरद पवार से कभी भी बात कर सकता हूं, इसलिए मैंने बाबासाहेब को बीच में बैठने दिया। मैं दोनों से बातचीत कर सकता था क्योंकि हमारी कुर्सियां पास-पास थीं। बाबासाहेब को पहली बार सहकारिता मंत्री बनने का अवसर मिला, इसलिए मैंने उन्हें वह सम्मान दिया। अजित पवार के इस कदम के बीच यह भी अटकलें हैं कि राकांपा के दोनों गुट एकजुट हो सकते हैं। इस दौरान यह चर्चा भी जोरों पर है कि शरद पवार खुद महायुति में शामिल हो सकते हैं, साथ में पार्टी के आठ सांसद और दस विधायक भी शामिल हो सकते हैं।

पहले पार्किंग, फिर कार, ट्रैफिक कंट्रोल के लिए नई पॉलिसी ला रही महाराष्ट्र सरकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार गाड़ियों की पार्किंग की समस्या को देखते हुए नई पॉलिसी पर विचार कर रही है। इसके तहत, कार खरीदारों को वाहन लेने से पहले पार्किंग स्पेस की जानकारी देना जरूरी होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक इंटरव्यू में कहा कि मुंबई में ट्रैफिक को कम करने की सरकार की रणनीति का यह हिस्सा है। उन्होंने कहा, हमने शहर में कई सार्वजनिक पार्किंग सुविधाएं मुहैया कराई हैं, जिन तक अब ऐप के जरिए भी पहुंचा जा सकता है। इस नीति का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कार मालिकों के पास पार्किंग एरिया हो। चाहे वे नगर निगम से इसे खरीद रहे हों या फिर किराए पर ले रहे हों क्योंकि अंधाधुंध पार्किंग यातायात समस्याओं का बड़ा कारण है।

सीएम फडणवीस ने कहा कि इस नीति को जल्द लागू किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने पब्लिक पार्किंग या निजी भवनों में पार्किंग उपलब्धता सुनिश्चित करने की योजना के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी। राज्य सरकार का लक्ष्य सड़कों पर पार्किंग

में कमी लाना है और उन्हें पार्किंग की सुविधा देकर इस समस्या को खत्म करना है। सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में मुख्यमंत्री फडणवीस ने कानून और व्यवस्था के मुद्दों पर विपक्षी दलों की आलोचना को नकार दिया। उन्होंने कहा कि मुंबई भारत का सबसे सुरक्षित शहर है। यहां खासकर एक्टर सैफ अली खान पर बांद्रा में उनके आवास पर हमले वाली घटना का जिक्र हो रहा था।

फडणवीस ने राज्य को बताया मैग्नेटिक महाराष्ट्र

विश्व आर्थिक मंच की सालाना बैठक में 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश और 15 लाख संभावित रोजगार महाराष्ट्र को मिला है। इसे लेकर फडणवीस ने कहा कि वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने वाला सबसे प्रमुख कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति वैश्विक समुदाय का भरोसा और उनकी सरकार को मिला निर्णायक जनादेश है। फडणवीस ने अपने राज्य को मैग्नेटिक महाराष्ट्र और देश की औद्योगिक महाशक्ति के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि महाराष्ट्र में हमें मिले निर्णायक जनादेश ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है। निवेशकों ने हमारी पिछली सरकार के प्रदर्शन को देखते हुए भी हम पर भरोसा जताया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमें भारी जनादेश मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है।

तूने मुझे बुलाया शेरावालिये, फारूक अब्दुल्ला ने गाया भजन

जम्मू-कश्मीर , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने माता शेरा वाली को समर्पित भजन गाकर श्रद्धालुओं को चौंका दिया। अब्दुल्ला के भजन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। अब्दुल्ला ने कटरा में रोपवे निर्माण के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर के संचालन के लिए जिम्मेदार लोगों को ऐसे काम करने से बचना चाहिए, जिससे लोगों को परेशानी हो। कटरा के एक आश्रम में भजन कार्यक्रम में

गायक और बच्चों के साथ शामिल होकर अब्दुल्ला ने गाया, तूने मुझे बुलाया शेरावालिये, मैं आया मैं आया शेरावालिये।

फारूक अब्दुल्ला ने इस अवसर पर रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ कटरा के लोगों के विरोध का समर्थन किया। उन्होंने कहा, मंदिर का संचालन करने वालों को ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए, जिससे स्थानीय लोगों के हितों को नुकसान पहुंचे या उनके लिए समस्याएं पैदा हों। उन्होंने शहर के हितों पर विचार किए बिना रोपवे का निर्माण करने के लिए बोर्ड की आलोचना की। अब्दुल्ला ने कहा, आपने साहस दिखाया और इसे रोकने के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उन्हें एहसास हो गया है कि सत्ता जनता के पास है, सरकार के पास नहीं। एनसी चीफ फारूक अब्दुल्ला ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों के पास सरकार बनाने या तोड़ने की शक्ति है और अब अधिकारी उनसे इस बात पर चर्चा करने के लिए संपर्क कर रहे हैं कि रोपवे का निर्माण कहां किया जाना चाहिए। फारूक अब्दुल्ला ने बीते दिनों कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा कब बहाल होगा, यह तो भगवान ही जानता है। उन्होंने कहा, केवल भगवान ही जानता है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा कब बहाल होगा और हम राज्य का दर्जा फिर से हासिल करेंगे। जम्मू-कश्मीर सरकार में कांग्रेस के अपने गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस पर कई सवाल उठाए जाने पर उन्होंने कहा, यह कांग्रेस पार्टी से पूछा जा सकता है कि वे क्या चाहते हैं।

अभिनेत्री कंगना रनौत को पटना हाईकोर्ट का नोटिस

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने अभिनेत्री कंगना रनौत और अन्य को कॉपीराइट उल्लंघन मामले में नोटिस जारी किया है. याचिकाकर्ता कल्पना सिंह ने याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्रसिद्ध पंक्ति सिंहासन खाली करो कि जनता आती है का बिना अनुमति उपयोग किया गया है. फिल्म इमरजेंसी में बिना अनुमति उपयोग : कल्पना सिंह ने आरोप लगाया कि ये पंक्तियां फिल्म इमरजेंसी के प्रचार सामग्री और गीत में बिना अनुमति के इस्तेमाल की गई. फिल्म का निर्देशन कंगना रनौत ने किया है, जबकि गीतकार मनोज मुंतशिर हैं.

कानूनी नोटिस का कोई जवाब नहीं : इस मामले में 31 अगस्त, 2024 को कानूनी नोटिस भेजा गया था, लेकिन इसका कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद कॉपीराइट धारकों ने रिट केस संख्या

19202/2024 के तहत पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की. बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत बीजेपी की मंडी से सांसद हैं. कोर्ट की सुनवाई और अगली तारीख : मामले की सुनवाई जस्टिस ए अभिषेक रेड्डी ने की. चूंकि फिल्म पहले ही रिलीज हो चुकी थी, कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार करते हुए नोटिस जारी किया. इस मामले पर अगली सुनवाई 7 मार्च, 2025 को होगी.

इंडिया-इंग्लैंड टी-20:

भारत की निगाह शमी की फिटनेस और विजय अभियान जारी रखने पर

चेन्नई, एजेंसी। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को चल रही चिंताओं के बीच भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पहले मैच का प्रदर्शन दोहरा कर विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत ने बुधवार को कोलकाता में पहला मैच सात क्रिकेट से जीत कर पांच मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

भारत को हालांकि पहले मैच में इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की कमी नहीं खली। इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करके भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ईडन गार्डंस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी लेकिन यहां चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक मदद मिलने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों में वरुण, उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई का अंतिम एकादश में बने रहना तय है।

इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे। जहां तक उसके तेज गेंदबाजों का सवाल है तो पहले मैच में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के सामने जोफ्रा आर्चर को छोड़कर उसका कोई भी गेंदबाज नहीं चल पाया था। अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी तथा यह दोनों एक बार फिर से उसे दोहराना चाहेंगे। पिछले छह मैच में तीन शतक बनाने वाले सैमसन लंबी पारी नहीं खेल पाए थे लेकिन अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रन की तूफानी पारी खेली थी।

सैमसन यहां पहले मैच की भरपाई करना चाहेंगे। अभिषेक और सैमसन की सलामी जोड़ी को अगर अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूत रखना है तो उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। इंग्लैंड भी अपने सलामी बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। पहले मैच में फिल साल्ट और बेन डकेट दोनों ने मिलकर कुल सात गेंद का सामना करके चार रन बनाए थे। भारत को कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो पिछले मैच में जल्दी आउट हो गए थे।

असल में सूर्यकुमार पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद 11 पारियों में केवल दो अर्धशतक लगा पाए हैं। भारत की अपनी अंतिम एकादश में खास बदलाव करने की संभावना नहीं है। अगर शमी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए फिट हो जाते हैं तो उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी की जगह टीम में लिया जाएगा। जहां तक इंग्लैंड का सवाल है तो यहां की परिस्थितियों को देखकर वह युवा स्पिनर रेहान अहमद को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है।

संभावित प्लेइंग 11:

इंग्लैंड : फिल साल्ट (विकेट कीपर), बेन डकेट, जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड

भारतः अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती

समयः मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

रणजी ट्रॉफी:

रोहित वापसी के दूसरे प्रयास में भी फेल

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा की रणजी ट्रॉफी में वापसी कुछ खास नहीं रही और दूसरी पारी में भी वह कमाल नहीं दिखा पाए। भारतीय कप्तान ने उमर नजीर की गेंद पर छक्का लगाया और फिर औकीब नबी तथा युद्धवीर सिंह की गेंदों पर आसानी से दो और शॉट लगाकर अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी की झलक दिखाई। लेकिन आखिरकार 28 रन पर उनकी पारी का अंत हुआ। इस दौरान उन्होंने 35 गेंदें खेली जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

दशक में मुंबई के लिए घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रहे रोहित का पहला दिन बहुत खराब रहा, जब 37 वर्षीय यह खिलाड़ी जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के शुरुआती घंटे में 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। शुक्रवार को रोहित ने खुद को बेहतर साबित करते हुए 28 रन की शानदार पारी खेली जो पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में 52 रन बनाने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोहित ने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार मैचों में 0, 8, 18, 11, 3, 6, 3 और 9 रन बनाए हैं। अक्टूबर के मध्य में भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर था और राष्ट्रीय टीम के लिए घर पूरी तरह से व्यवस्थित था। लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद यह सब बिखर गया जिसने भारतीय सुपरस्टार्स को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया।

शुक्रवार को, वह एक बड़ी पारी की तलाश में थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोहित की 28 रनों की पारी में शुरुआती दौर में हिट और मिस दोनों शामिल थे जो चौथे ओवर में नजीर द्वारा छोड़े गए एक मुश्किल मौके से शुरू हुआ, जब वह अपने फॉलो थ्रू पर रिटर्न कैच नहीं पकड़ सके। रोहित ने तुरंत स्क्वायर लेग पर छक्का लगाने के लिए पुल शॉट के साथ जवाब दिया। एक मोटा बाहरी किनारा फिर गली और दूसरी स्लिप में फील्डर के बीच से उड़ गया और अंतिम गेंद पर रोहित ने जोरदार और वाइड शॉट लगाया और गेंद को ऑफ-साइड पर एक और चौका लगा दिया।

रोहित ने एक समय 11 गेंदों पर 21 रन बना लिए थे लेकिन वे ज्यादातर समय सतर्क रहे, हालांकि कुछ मौकों पर वे रन बनाने में विफल रहे।

विराट कोहली फिर से बनेंगे आरसीबी के कप्तान?

ये नाम भी रेस में है शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब तक एक भी बार आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई है। टीम को पहले खिताब की तलाश है। विराट कोहली के बाद टीम को अब तक कोई स्थायी कप्तान नहीं मिला है।

आईपीएल 2025 में टीम का कप्तान कौन होगा यह अब तक तय नहीं है। हालांकि रेस में विराट कोहली से लेकर युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार जैसे नाम है।

विराट कोहली

विराट कोहली लंबे समय तक आरसीबी के कप्तान रहे हैं। वह टीम के सबसे पुराने खिलाड़ी हैं जो कि पहले सीजन से इस फ्रैंचाइजी के साथ थे। आईपीएल में कोहली ने 143 मैचों में ऋष्क की कप्तानी की, जिनमें से टीम 66 मौकों पर विजयी रही। RCB के कप्तान के रूप में उनका जीत प्रतिशत 46.15 है। . विराट कोहली ने आईपीएल 2022 की शुरुआत से पहले ही RCB की कप्तानी छोड़ने कि पुष्टि कर दी थी।

विराट कोहली ने अपनी मर्जी से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी फिर से कप्तानी करना चाहता है।

रजत पाटीदार

आरसीबी अगर एक युवा खिलाड़ी पर भरोसा दिखाना चाहती है तो रजत पाटीदार के अच्छे दावेदार हैं। पाटीदार को आरसीबी की टीम ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया है जो कि दिखाता है कि फ्रैंचाइजी को खिलाड़ी पर कितना भरोसा है। रजत पाटीदार को कप्तानी का भी अनुभव है। उनकी कप्तानी में मध्य प्रदेश की टीम 13 साल बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। पाटीदार ने बतौर कप्तान 15 टी20 मैच खेला है। जहां 12 मैचों में उन्हें जीत हासिल हुई है।

भुवनेश्वर कुमार

आरसीबी की कप्तानी की रेस में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी बड़े दावेदार है। 11 साल तक हैदराबाद के लिए खेलने वाले भुवनेश्वर को इस बार रिटेन नहीं किया गया। आईपीएल मेगा नीलामी में आरसीबी ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा। भुवनेश्वर कुमार के पास कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने सनराइज़र्स हैदराबाद और उत्तर प्रदेश की टीमों की कप्तानी की है। इसके अलावा, उन्होंने रणजी ट्रॉफ़ी में भी कप्तानी की है।

वीरेंद्र सहवाग की शादी भी टूटने की कगार पर?

नईदिल्ली, एजेसी। भारतीय क्रिकेटरों के लिए पिछले कुछ महीने निजी तौर पर अच्छे नहीं गुजर रहे हैं. पिछले साल हार्दिक पंड्या का तलाक हुआ था. वहीं पिछले कुछ दिनों से लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के भी अलग होने की खबरें लगातार आ रही हैं. अब ऐसा ही बड़ा दावा पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को लेकर भी किया जा रहा है. एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती का करीब 21 साल लंबा रिश्ता टूटने की कगार पर है और दोनों ही एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं.

वीरेंद्र सहवाग और आरती की शादी 2004 में हुई थी लेकिन अब करीब 21 साल के बाद दोनों का रिश्ता टूटता हुआ दिख रहा है. दोनों ने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर लिया है. यहां तक कि सहवाग की हालिया पोस्ट और अपडेट्स में भी पत्नी के साथ कोई तस्वीर नहीं आई है. यहां तक कि दीवाली में भी उन्होंने सिर्फ बच्चों और मां के साथ फोटो पोस्ट की थीं, जबकि उनकी पत्नी नहीं दिखी थी.

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती पिछले कुछ वक्त से अलग रह रहे हैं और जल्द ही दोनों का तलाक भी होना तय है. सहवाग और आरती के दो बेटे हैं- आर्यवीर और वेदांत. उनके दोनों बेटे भी क्रिकेट में सक्रिय हैं. इतने सालों में कभी भी दोनों के रिश्ते को लेकर किसी तरह की खबरें नहीं आई थी और अक्सर दोनों साथ दिखते थे लेकिन रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि पिछले कुछ वक्त से इस रिश्ते में तनाव आ गया था, जिसके चलते अब दोनों की राहें अलग होती हुई दिख रही हैं.

परिवार नहीं था राजी, फिर ऐसे हुई शादी

टीम इंडिया के लिए 1999 में अपना इंटरनेशनल करियर शुरू करने वाले वीरेंद्र सहवाग ने अप्रैल 2004 में आरती अहलावत से शादी की थी. दोनों की ये लव मैरिज थी, जिसको लेकर परिवारों में सहमति नहीं थी. इसकी वजह दोनों परिवारों में दूर की रिश्तेदारी थी. हालांकि किसी तरह दोनों ने अपने-अपने परिवारों को शादी के लिए राजी किया और फिर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री रहे अरुण जेटली के आवास पर दोनों की शानदार अंदाज में शादी हुई थी. इस शादी ने खूब चर्चा बटोरी थी. उनकी शादी मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ लगाए तिहरे शतक के एक महीने के अंदर हुई थी, जिसके चलते हर किसी की ओर इसका ध्यान ज्यादा था.

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः

नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न, एजेंसी। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए। जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद

उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उसके बाद कोर्ट से बाहर चले गए। जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था। मैं अगर पहलाा सेट जीत भी लेता तब भी मेरे लिए आगे खेलना मुश्किल होता। जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड दोबारा तोड़ना और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (कर्नाटक), एजेंसी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे।

तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस

स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं।

यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी का खुलासा... 'गौतम गंभीर मुझे बिना वजह डांटते थे, गाली भी देते थे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय खिलाड़ी मनोज तिवारी के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। साल 2015 में दिल्ली और बंगाल के बीच रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान दोनों के बीच काफी कहासुनी हो गई थी। मनोज तिवारी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि यह कोई अकेली घटना नहीं थी। जब वह और गौतम गंभीर

कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे, उस दौरान भी कई बार ऐसी घटनाएं हुई थीं, जिसकी परिणति 2015 में हुई थी। मनोज तिवारी ने बात करते हुए कहा, 'मुझे बिना किसी कारण के डांटा जाता था।

मुझे समझ में नहीं आता था कि वह मुझे क्यों निशाना बनाते हैं। जब मैं 2010 में केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) में आया तब वह और मैं अच्छे से घुलमिल गए थे। लेकिन फिर वह अचानक मुझ पर अपना आपा खो देते थे। वह बहुत ही आहत करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करते थे। मां-बहन की गाली देते थे। फिर, जब मैंने इसके बारे में सोचना शुरू किया, तो मुझे अहसास हुआ कि केकेआर के सभी स्थानीय लड़कों में से मैं ही एक ऐसा था जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करता था। चूंकि मैं एक होनहार युवा था, इसलिए मीडिया मुझे तवज्जो दे रहा था। शायद यही वजह हो कि मेरे प्रति उनकी प्रतिक्रिया अच्छी नहीं होती थी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

राजेश को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर कार्य के लिए मिला औरंगाबाद रत्न सम्मान

जम्होर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। वृक्षारोपन और पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहतर काम करने के लिए जनेश्वर विकास केंद्र ने औरंगाबाद सदर प्रखंड के जम्होर निवासी राजेश शौंडिक को औरंगाबाद रत्न सम्मान से सम्मानित किया है। केंद्र द्वारा यह सम्माज उन्हे औरंगाबाद के जिले के 52वें स्थापना दिवस सह क्रांतिकारी सुभाषचंद्र बोस जयंती समारोह में प्रदान किया गया। राजेश गायत्री परिवार एवं पतंजलि परिवार से भी जुड़े है। धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यो में उनकी गहरी रूचि है। पिछले 22 साल से वें पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण के कार्य में लगे हुए है। 22 वर्षो में उन्होने जम्होर और आसपास के इलाके में कुल 621 पेड़-पौधें लगाए है। इन पेड़ों की वें स्वयं देखभाल किया करते है। इस वजह से उनके द्वारा लगाए गए वृक्षों में अभी भी 262 पेड़-पौधे जीवित बचे है और शान से खड़े है। इन पेड़ पौधों में उनके द्वारा और दूसरे लोगों तथा अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा लगाए वृक्ष शामिल है। राजेश ने अपनी टीम में 15 लोगों को जोड़ रखा है, जो पर्यावरण की रक्षा के प्रति लोगों को जागरुक कर रहे हैं।

हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए भव्य जलयात्रा का आयोजन

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज प्रखंड के हसनपुर गांव में हनुमान मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गुरुवार को गाजे-बाजे, घोड़ों और भक्तिमय माहौल के साथ भव्य जलयात्रा निकाली गई। जलयात्रा हसनपुर गांव के मंदिर से प्रारंभ होकर शारदा बिगहा होते हुए सिंधी पोखर तक गई। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य दीपक मिश्रा, गौरव पाठक और सौरभ पाठक के नेतृत्व में जलभरी की गई। इसके बाद यात्रा पुनः हसनपुर गांव पहुंची। पूरे मार्ग में भक्तों ने जयकारे लगाए और भक्तिमय माहौल बना रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. संजय यादव, पैक्स अध्यक्ष बसंत यादव और सरपंच प्रतिनिधि नागदेव पासवान उपस्थित रहे। सभी अतिथियों को अंगवस्त्र और माला देकर सम्मानित किया गया। इस पावन आयोजन में रामदेव व्यास, भिखर यादव, राजद नेता रविंद्र यादव, राजनन्दन यादव, सोनर्वा देवी, मुन्नी देवी, सावित्री देवी और कुसुम देवी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और श्रद्धालु शामिल हुए।

रेलवे क्लेम घोटाले में तीन वकील गिरफ्तार

पटना (नि. सं.)। रेलवे क्लेम घोटाले में बुधवार को पटना, नालंदा और बेंगलुरु समेत चार जगहों पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक साथ छापा मारा था। मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में अपनी कार्रवाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय तीन अधिवक्ताओं को गिरफ्तार किया है। ये अधिवक्ता परमानंद सिंह, विद्यानंद सिंह और विजय कुमार हैं। गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने आरोपियों को विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से इन्हें जेल भेज दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार ईडी ने रेलवे के अज्ञात लोक सेवकों विद्यानंद सिंह, परमानंद सिंह, विजय कुमार और अन्य के खिलाफ आइपीसी, 1860 और पीसी एक्ट, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत रेलवे दावा न्यायाधिकरण, पटना (आरसीटी) में दायर, अनियमितता और अपराध के संबंध में सीबीआइ पटना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू थी।

जिलाधिकारी ने की श्रम विभाग, डीआरसीसी, जिला नियोजनालय व आरटीपीएस के कार्यों की समीक्षा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

श्रम विभाग, जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र, कौशल विकास, जिला नियोजनालय और आरटीपीएस के कार्यों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को एक विशेष बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले के विकास और समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिलाधिकारी ने जिले को बाल श्रम से मुक्त करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल श्रमिकों को विमुक्त करने और दोषी नियोजकों पर कठोर कार्रवाई करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस दिशा में जागरूकता अभियानों को तेज करने की जरूरत पर बल दिया गया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर प्रखंड स्तर पर नियमित निरीक्षण किया जाए ताकि बाल श्रम से जुड़े मामलों को तुरंत रोका जा सके।

बैठक में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना को प्रभावी तरीके से लागू करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने प्रबंधक डीआरसीसी को कहा कि युवाओं को कौशल विकास योजना से जोड़ने के लिए कैंप मोड में काम करें। उन्होंने युवाओं को रोजगार योग्य बनाने और उनके लिए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास केंद्रों की गुणवत्ता में सुधार करने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने बैठक में मौजूद अधिकारियों से कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत पर जोर दिया। बैठक में अपर समाहर्ता (पीजीआरओ) जयप्रकाश नारायण, जिला नियोजन पदाधिकारी दिनेश तिवारी, डीआरसीसी प्रबंधक स्नेहा कुमारी, श्रम अधीक्षक प्रियंका कुमारी और सभी प्रखंड श्रम परिवर्तन पदाधिकारी उपस्थित थे। अपर समाहर्ता ने कहा कि बाल श्रम उन्मूलन और युवाओं के कौशल विकास के लिए विभागीय समन्वय को और बेहतर बनाने की जरूरत है। वहीं, डीआरसीसी प्रबंधक स्नेहा कुमारी ने बताया कि कौशल विकास योजना के तहत अब तक कितने युवाओं को लाभान्वित किया गया है और भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। जिलाधिकारी ने बताया कि बाल श्रम उन्मूलन के लिए स्कूलों, पंचायतों और स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद ली जाएगी। इसके साथ ही, कौशल विकास केंद्रों में तकनीकी पाठ्यक्रमों को भी जोड़ा जाएगा ताकि युवा रोजगार के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। यह बैठक जिले के बाल श्रमिकों को मुख्यधारा में लाने और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने के प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। जिलाधिकारी ने अंत में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हर योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करें।

केवाईपी संचालकों की जवाबदेही होगी तय

जिले में कौशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) केंद्रों की स्थिति पर चर्चा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब प्रदर्शन करने वाले संचालकों से स्पष्टीकरण मांगने और उनकी जवाबदेही तय करने के आदेश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि ऐसे केंद्रों पर कोई लापरवाही न हो और योजनाओं का लाभ जरूरतमंद युवाओं तक पहुंचे।

भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती समारोह का आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जननायक कर्पूरी ठाकुर विचार विकास मंच के तत्वावधान में उनकी 101वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। यह कार्यक्रम शहर के जननायक कर्पूरी स्मारक के समीप आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में औरंगाबाद विधायक आनंद शंकर ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर ठाकुर ने की और संचालन मंटू ठाकुर ने। मंच के सदस्यों और अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया और कर्पूरी ठाकुर के विचारों को याद करते हुए केक काटकर जयंती मनाई। उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों और विचारों को अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने की शपथ ली।विधायक आनंद शंकर ने अपने संबोधन में कहा, 'यह गर्व की बात है कि जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया। हालांकि, यह सम्मान उन्हें पहले ही मिल जाना चाहिए था। उनके विचार और कार्य देश के विकास में अमूल्य योगदान देते हैं। इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता, रेड क्रॉस अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह, नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद अहसान अहमद, अध्यक्ष रामप्रवेश ठाकुर, महिला अध्यक्ष गरिमा भारती, महिला उपाध्यक्ष उत्तम देवी, राजेंद्र ठाकुर, विमला देवी, सुनील ठाकुर, अजीत ठाकुर समेत कई गणमान्य व्यक्ति और मंच के सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी का अभिनंदन समारोह संपन्न

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विजेन्द्र चन्द्रवंशी के स्वागत और अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री संतोष सिंह ने विजेन्द्र चन्द्रवंशी के नाम की घोषणा की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, और यह संगठन के मजबूत ढांचे और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। मंत्री संतोष सिंह ने विजेन्द्र चन्द्रवंशी को युवा नेतृत्व के रूप में पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि भाजपा वह पार्टी है जहां बूथ स्तर का साधारण कार्यकर्ता भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। इस अवसर पर पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने नए जिलाध्यक्ष को बधाई दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को साकार करते हुए एक गरीब परिवार के नौजवान को जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि विजेन्द्र चन्द्रवंशी भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएंगे और संगठन को एक परिवार की तरह सबको साथ लेकर आगे बढ़ाएंगे। विजेन्द्र चन्द्रवंशी ने अपने संबोधन में पार्टी और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए कहा, पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं उसे पूरी निष्ठा और लगन से निभाऊंगा। सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए भाजपा को और मजबूत बनाऊंगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह, निवर्तमान जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा, जिला प्रभारी मनोज कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह, जिला महामंत्री संजय गुप्ता और सतीश सिंह समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

सड़क सुरक्षा रैली और बालिकाओं के अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम

वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा है एक चिंता का विषय : विधायक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय औरंगाबाद द्वारा शुक्रवार को एक विशेष सड़क सुरक्षा रैली निकाली गई। इस रैली को औरंगाबाद के विधायक आनंद शंकर सिंह एवं बीके सविता दीदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान विधायक आनंद शंकर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा एक गंभीर चिंता का विषय है। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। उन्होंने आम नागरिकों से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की अपील की।

ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने रैली के दौरान सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि मेडिटेशन न केवल मानसिक तनाव को दूर करने में मदद करता है बल्कि यह सड़क पर सतर्कता और अनुशासन बनाए रखने में भी सहायक होता है। प्रतिभागियों को मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया और सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई। यह रैली ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र से शुरू होकर मनोकामना मंदिर, एमजी रोड, बाईपास, टिकरी रोड, धर्मशाला, पुरानी जीटी रोड, रमेश चौक और जसोइया मोड़ होते हुए आईडीटीआर (इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च) पहुंची। आईडीटीआर में प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा के महत्व और नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय औरंगाबाद ने नारायणा मिशन स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय को इंस्टीट्यूट इन्नोवेशन काउंसिल ने दी थ्री स्टार रेटिंग

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, औरंगाबाद को इंस्टिट्यूट इन्नोवेशन कौंसिल शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2023-24 सेशन के लिये थ्री स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। यह रेटिंग महाविद्यालय में लगातार स्टार्टअप एवं इन्नोवेशन को लेकर चल रहे गतिविधियों को लेकर दी गयी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत मणि ने बताया कि हमलोग सैंकड़ो कंपनियों एवं स्टार्टअप के साथ एमओयू साइन किया है साथ ही हर महीने एक्सपर्ट सेशन, क्विज कंपेटीशन, हैकथॉन, आईडिया पिचिंग, आउटरीच का आयोजन होता है, जिसके कारण महाविद्यालय को यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत मणि ने संस्थान के इंस्टिट्यूट इन्नोवेशन सेल की संयोजक डॉ. कुमारी सरिता एवं पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दिया।

नाबालिग के अपहरण कर रेप मामले में कोर्ट ने दिया आरोपी को दोषी करार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के एडीजे सह स्पेशल पोक्सो कोर्ट न्यायधीश लक्ष्मी कांत मिश्रा ने शुक्रवार को सलैया थाना कांड संख्या-47/18, पोक्सो एक्ट के तहत एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। अदालत ने अभियुक्त श्रवण कुमार महेशपुर सलैया को नाबालिग लड़की का अपहरण कर बलात्कार करने के आरोप में दोषी करार दिया। स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त श्रवण कुमार को भारतीय दंड संहिता (भादंवि) की धारा-366, 376 और पोक्सो एक्ट की धारा 04 के तहत दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने सजा के बिंदु पर सुनवाई की तिथि 27 जनवरी निर्धारित की है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने जानकारी दी कि पीड़िता के पिता ने प्राथमिकी में बताया था कि 31 अगस्त 2018 की रात उनकी नाबालिग बेटी घर से गायब हो गई। पूछताछ में पता चला कि अभियुक्त ने बहला-फुसलाकर उसे बिहार से गुजरात ले गया और वहां उसका शारीरिक शोषण किया। पीड़िता के परिजनों के मोबाइल से संपर्क होने के बाद लड़की ने करवंदिया सासाराम आकर पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद सलैया पुलिस ने उसे बरामद कर सलैया थाना में लाया। अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद अभियुक्त को बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया। दोषी करार होने के बाद अभियुक्त श्रवण कुमार चिल्ला-चिल्ला कर रोने लगा। अभी सजा के बिंदु पर सुनवाई की तिथि 27 जनवरी को निर्धारित की गई है, जहां अदालत अभियुक्त को सजा सुनाएगी। इस मामले में पीड़िता को न्याय मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सुरक्षा प्रोग्राम के तहत एनडीआरएफ टीम के द्वारा भूकंप से बचाव को लेकर मॉक ड्रिल व प्रदर्शनी लगाकर किया गया जागरूक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

सहायक कमांडेंट (एनडीआरएफ) के नेतृत्व में शुक्रवार को आपदा प्रबंधन से संबंधित एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान आपदाओं से निपटने के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। मॉक ड्रिल के पहले चरण में डेमो के माध्यम से आपदा प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी दी गई। इसके बाद, भूकंप के दौरान लागू होने वाली 'झुको, ढको और पकड़ो' तकनीक का अभ्यास कराया गया। इस तकनीक के तहत बताया गया कि भूकंप के दौरान सबसे पहले किसी मजबूत टेबल या पलंग के नीचे छिपकर सिर को ढक लें और उसे मजबूती से पकड़ कर रुकें। इस दौरान सुरक्षा उपायों के बारे में बच्चों और अन्य प्रतिभागियों को विस्तार से समझाया गया। कमांडेंट ने इस मौके पर कहा कि आपदाओं में जोखिम को कम करने के लिए आवश्यक है कि आपदा प्रबंधन की तैयारी और कार्यवाही योजनाएं पहले से तैयार की जाएं और उन्हें समय पर अमल में लाया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी योजनाओं को लेकर प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक किया जाना चाहिए। एनडीआरएफ की टीम के कुशल सदस्य ने बच्चों को भूकंप के पूर्व, दौरान और बाद में क्या कदम उठाने चाहिए, इस पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, एक्शन प्लान को भी विस्तार से समझाया। अंत में भूकंप के दौरान होने वाली स्थिति को दर्शाने के लिए हूटर बजाकर मॉक ड्रिल का मंचन किया गया। इस मॉक ड्रिल में अपर समाहर्ता आपदा उमेश पंडित, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-1) प्रभारी पदाधिकारी आपदा शाखा रत्ना प्रियदर्शनी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, वरीय उप समाहर्ता मेराज जमील, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी पप्पू राज, स्काउट एंड गाइड और एनसीसी के बच्चे शामिल थे। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों को आपदा के दौरान उनकी जिम्मेदारियों के बारे में अवगत कराया गया और उन्हें हर संभव तरीके से आपदाओं से निपटने के लिए तैयार किया गया।

दो बुलडोजरों ने छह घंटे में हटाया चार डिसमिल अतिक्रमण

हसपुरा (औरंगाबाद)(नि.सं.)। हसपुरा बाजार के पोस्ट ऑफिस रोड पर अतिक्रमण कर बनाए गए दो मंजिला मकान को शुक्रवार को जिला प्रशासन ने बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के आदेश पर की गई। अतिक्रमण हटाने की इस बड़ी कार्रवाई में हसपुरा अंचल अधिकारी कौशल्या कुमारी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और प्रशासनिक कर्मियों की उपस्थिति रही। हसपुरा निवासी राकेश कुमार खत्री द्वारा हरिद्वार नारायण शाही के खिलाफ अतिक्रमण को लेकर वर्षों पहले शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामला अंचल कार्यालय, अनुमंडल और जिला कार्यालयों से होते हुए उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां अदालत ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया।

प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित, फिर से होगा चुनाव

निज संवाददाता | गोह(औरंगाबाद)

गोह की प्रखंड प्रमुख खुशबू कुमारी के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर हुए मत विभाजन में प्रखंड प्रमुख को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। इस दौरान विपक्षियों में काफी उत्साह देखा गया। शांति व्यवस्था बहाल करने के उद्देश्य से पूर्व से ही काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के लिए प्रखंड सभागार में बीडीओ राजेश कुमार दिनकर तथा जिलाधिकारी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक धर्मेंद्र कुमार एवं दंडाधिकारी के रूप मे धन्यनंजय कुमार सदस्यों के पहुंचने से पहले सदन में पहुंच गए थे। बैठक में करीब 12 बजे तक 17 सदस्य उपस्थित हो गए थे, जिसमे 12 सदस्यों के साथ प्रमुख भी शामिल नही हुए। एक बजे से कार्यवाही शुरू की गई। सबसे पहले प्रमुख खुशबू कुमारी के खिलाफ लगाए गए आरोप को पढ़ कर सुनाया गया। बैठक की अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य महेश कुमार यादव ने की। मत विभाजन वोटिग के जरिए किया गया। 29 सदस्यों वाली पंचायत समिति में से 17 सदस्यों ने बैठक में अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। मतदान के बाद मतों की गिनती बैठक के अध्यक्ष के समक्ष बीडीओ द्वारा किया गया। सभी 17 मत वैध पाए गए जो वर्तमान प्रमुख के खिलाफ गया। बीडीओ द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पारित होने तथा वर्तमान प्रमुख खुशबू कुमारी के अपदस्थ होने की घोषणा की गई। बीडीओ ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग से निर्देश मिलने पर नए प्रमुख का चुनाव कराया जाएगा। प्रमुख खुसबू कुमारी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद विपक्षी गुट का नेतृत्व कर रहे पंचायत समिति सदस्य महेश कुमार यादव के समर्थकों में उत्साह देखा गया।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के एक साल पूरा होने पर रफीगंज में जागरण व भंडारा का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

श्रीराम राज्य संघ द्वारा गुरुवार की रात शहर के थाना गली में श्रीराम मंदिर, अयोध्या के निर्माण की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य भक्ति संगीत और जागरण का आयोजन किया गया। इस भक्ति जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन ओबरा विधानसभा के पूर्व लोजपा विधायक प्रत्याशी सह प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश चंद्रा, दाउदनगर के पूर्व प्रमुख संजय कुमार सोम, नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि दिलीप उर्फ कारू प्रसाद, शंकर शौण्डिक और अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजकों ने अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र और माला देकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत युवाओं द्वारा हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश चंद्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण की वर्षगांठ पर रामराज्य संघ द्वारा भव्य आयोजन सराहनीय है। उन्होंने युवाओं को राम के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही और कहा, भगवान राम हमारे दिल में तब बसेंगे जब हम माता-पिता, गुरुजनों और बड़े भाइयों का आदर करेंगे। महिलाओं और बहनों को इज्जत देंगे।

उन्होंने राम और भरत के रिश्ते की मिसाल देते हुए कहा कि भाईचारे और त्याग की भावना हर परिवार में होनी चाहिए। भगवान राम के वनवास जाने के बाद भी भरत ने राजगद्दी को स्वीकार नहीं किया और त्याग की भावना का परिचय दिया। राम का मतलब त्याग, तप, संस्कार और सभी को सम्मान देने से है। कार्यक्रम में भोजपुरी गायक अंकित सिंह चंद्रवंशी, शत्रुघ्न लाल यादव, ममता सिंह, गुड्डू सुमन और प्रणव बिहारी सहित अन्य कलाकारों ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। इन गायकों की मधुर प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। शहर भक्ति रस में सराबोर हो गया।

इस आयोजन में व्यावसायिक विकास कुमार शौण्डिक, शंकर शौण्डिक, भाजपा नेता मयंक कुमार, अतुल मिश्रा, युवराज शौण्डिक, जतिन विश्वकर्मा, विकास मिश्रा, रोहन गुप्ता, धंनराज विश्वकर्मा सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने पूरे रफीगंज शहर को रामभक्ति में डूबो दिया और यह आयोजन रामराज्य संघ के प्रयासों का एक अद्भुत उदाहरण बन गया। स्थानीय लोगों ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया।

जनता दरबार में डीएम ने सुनी फरियादियों की फरियाद

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शुक्रवार को जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया, जिसमें ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कुल 09 ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी को कुन्दन कुमार सिंह, पैक्स सदस्य, देव द्वारा देव पैक्स द्वारा क्रय किए गए धान के निर्धारित मूल्य नहीं मिलने की शिकायत दी गई। इसके अलावा, नन्द किशोर मेहता, पूर्व युवा मोर्चा, देव नगर पंचायत ने औरंगाबाद जिले के देव प्रखंड के चन्तुर विगहा में नदी में पुल निर्माण के संबंध में शिकायत की। बनारसी यादव, ग्राम एरकी कला, थाना मदनपुर ने ऐरकी कला के पईन की सफाई कराने के लिए संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई करने की अपील की। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को पत्र भेजकर यथाशीघ्र इन मामलों का समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, अन्य परिवादियों की शिकायतों की भी सुनवाई की गई, जिनका उचित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने इस मौके पर ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है और प्रशासन इस दिशा में पूरी तत्परता से काम करेगा। जनता दरबार में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को सुनकर समाधान की उम्मीद जताई।

52 बीघे के तालाब में कचरा फेंके जाने से ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

गोह मुख्यालय स्थित 52 बीघे के विशाल तालाब में सब्जी दुकानदारों द्वारा लगातार कूड़ा-कचरा फेंके जाने से तालाब की स्थिति दयनीय हो गई है। शुक्रवार को इस समस्या से नाराज ग्रामीणों ने प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब में सब्जी दुकानदारों द्वारा रोजाना कूड़ा-कचरा फेंका जा रहा है, जिससे तालाब का पानी संक्रमित और विषैला हो गया है। दुर्गंध युक्त माहौल के कारण आसपास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। कचरे के कारण तालाब में पशु-पक्षियों और जंगली जानवरों के जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि छठ पूजा जैसे पवित्र अवसर पर ग्रामीण इसी तालाब में अर्घ्य देते हैं, लेकिन प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद तालाब की स्थिति और खराब हो जाती है। तालाब में स्नान करना तो दूर, लोग हाथ-पैर धोने से भी कतराते हैं। प्रदर्शन कर रहे श्याम किशोर यादव, सत्येंद्र सिंह, विजय पांडेय, राम अवतार मिस्त्री, सोहराय पासवान, रामस्वरूप दास, लवकुश कुमार माली, नीरज कुमार और दर्जनों ग्रामीणों ने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान को लेकर केंद्र और राज्य सरकार गंभीर है, लेकिन प्रशासनिक उदासीनता ने अभियान की हवा निकाल दी है। तालाब के सौंदर्यीकरण पर लाखों रुपए खर्च किए गए, लेकिन गंदगी और कचरे की समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने कहा कि तालाब में फेंके जा रहे कचरे के कारण आसपास के लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। कचरे के दुर्गंध से न केवल मानव जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इस समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो प्रखंड कार्यालय का घेराव किया जाएगा और आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

ग्रामीणों ने तालाब की सफाई, कचरा फेंकने पर रोक लगाने और प्रशासन द्वारा इस दिशा में सख्त कदम उठाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है। गोह के इस तालाब का धार्मिक और सामाजिक महत्व है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। स्थानीय लोगों ने सरकार और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है।